निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

सिपाही भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा दो 'मुन्ना भाई' गिरफ्तार

• बोकारो, सोमवार, 21 जुलाई 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 65 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

संक्षिप्त समाचार

यूपीआई क्रांति: जून में 18 अरब से अधिक लेनदेन

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा हाल ही में जारी नोट 'ग्रोइंग रिटेल डिजिटल पेमेंट्स: वैल्यू ऑफ इंटरऑपरेबिलिटी' के अनुसार, भारत फास्ट पेमेंट में दुनिया भर में अग्रणी देश के रूप में उभरा है। इस बदलाव का मूल आधार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने 2016 में ठ्यक्र को लॉन्च किया था। इसने देश में लोगों के पैसे भेजने और प्राप्त करने के तरीके को बदल दिया है। यूपीआई आपके बैंक खातों को मोबाइल ऐप में जोड़ता है। आप बस कुछ ही टैप से तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं, व्यापारियों को भुगतान कर सकते हैं, या दोस्तों को पैसे भेज सकते हैं। यूपीआई की बड़ी खासियत इसकी तेज गति और इस्तेमाल में आसानी है। वर्तमान में यूपीआई भारत में हर महीने 18 अरब से अधिक लेनदेन करता है।

संसद का मानसून सत्र कल से

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हैदराबाद। संसद का मानसून सत्र सोमवार 21 जुलाई से शुरू होगा। 21 अगस्त तक चलने वाले इस सत्र में कुल 21 बैठकें होंगी। इस दौरान सरकार द्वारा कई विधेयक पेश किए जाएंगे। वहीं विपक्ष में विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है। हालांकि 12 अगस्त से 18 अगस्त के बीच में कोई बैठक निर्धारित नहीं की गई है। एक महीने तक चलने वाले इस सत्र में पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, एयर इंडिया विमान हादसा और बिहार चुनाव जैसे बड़े मामले पर विपक्षी दल इन मुद्दों को लेकर संसद में हंगामा करने की योजना बना रहे हैं। वहीं, बीजेपी ने भी इन मुद्दों पर चर्चा की संभावना जताई है और सरकार ने विपक्ष के सवालों का जवाब देने की रणनीति तैयार की है। इसके अलावा सबकी नजरें बिहार से जुड़े मुद्दों पर भी रहेंगी। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले ये आखिरी संसद सत्र होगा। पिछली बार संसद की कार्यवाही बजट सत्र के दौरान मार्च और अप्रैल में हुई थी।

ट्रंप की चेतावनी का असर शांति वार्ता को तैयार हुए पुतिन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई लिल्ली। यूक्रेन-रूस युद्ध चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब इसका रुख एक नई करवट लेता दिख रहा है। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस को 50 दिनों की अल्टीमेटम दिए जाने के बाद रूस अब 'शांति वार्ता' के लिए तैयार होने का संकेत दे रहा है। रविवार को क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने एक अहम बयान देते हुए कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं, लेकिन रूस अपने रणनीतिक लक्ष्यों से किसी भी सूरत में पीछे नहीं हटेगा। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में ट्रंप ने एक साक्षात्कार में कहा था कि यदि वह सत्ता में आते हैं तो यूक्रेन युद्ध को 50 दिनों के भीतर समाप्त कर देंगे। ट्रंप ने अप्रत्यक्ष रूप से पुतिन को चेतावनी देते हुए कहा था कि यदि रूस ने रुख नहीं बदला तो उसे वैश्विक मंच पर बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। हालांकि रूस पहले ट्रंप की धमकियों को खारिज करता रहा है, लेकिन अब वह कूटनीतिक स्तर पर खुद को वार्ता के लिए तैयार दिखा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम हमले पर चर्चा को केंद्र तैयार : रिजिजू

सर्वदलीय बैठक में शामिल हुए 51 दल, सरकार ने पेश किए 17 विधेयकों के एजेंडे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है और इससे ठीक पहले केंद्र सरकार ने बड़ा संकेत देते हुए कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा से वह पीछे नहीं हटेगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने रविवार को सर्वदलीय बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि सरकार हर मुद्दे पर खुली बहस को तैयार है और संसद को सुचारू रूप से चलाना उसकी प्राथमिकता है। रिंजिजू ने कहा कि हम किसी भी बहस से भागने वाले नहीं हैं। संसदीय नियमों और परंपराओं का पूरा सम्मान करते हुए हम हर सवाल का जवाब देंगे। उन्होंने यह भी बताया कि इस सत्र में 17 विधेयक पेश करने की योजना है और सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। जब रिजिजू से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कथित सीजफायर दावे और विपक्ष की तीखी प्रतिक्रिया को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने साफ कहा कि सरकार इस पर संसद में जवाब देगी, बाहर नहीं। रिजिजू ने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा संसद में मौजूद रहते हैं, जब भी कोई बड़ा या संवेदनशील मुद्दा उठता है। इससे पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में 51 दलों के 54 प्रतिनिधि शामिल हुए। एनडीए, इंडिया ब्लॉक (यूपीए) और निर्दलीय सांसदों ने विभिन्न मुद्दों को संसद में उठाने की मांग की। रिजिजू ने कहा कि हम अलग-अलग विचारधाराओं से भले हों, लेकिन संसद को गरिमा और अनुशासन के साथ चलाना सरकार और विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि, जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाएं, महंगाई, बेरोजगारी, ट्रंप के बयान और सीजफायर विवाद जैसे मुद्दों के चलते मानसून सत्र खासा गर्म रहने की संभावना है। ऐसे में यह बयान साफ करता है कि सरकार चर्चा से पीछे नहीं हटेगी, लेकिन उसे विधायी कार्यों के लिए भी पर्याप्त समय चाहिए होगा।

सिपाही भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा दो 'मुन्ना भाई' गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सीवान। बिहार के सीवान जिले में सिपाही भर्ती परीक्षा के दौरान बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। डीएवी उच्च विद्यालय-सह-राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित परीक्षा में दो फर्जी अभ्यर्थियों को परीक्षा देते समय रंगेहाथ पकड़ा गया। बायोमेट्रिक जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि ये दोनों युवक किसी और की जगह परीक्षा देने पहुंचे थे। फर्जीवाड़ा करने वाले अभ्यर्थियों की पहचान अर्जुन कुमार और दिलखुश कुमार के रूप में हुई है। परीक्षा केंद्र के प्राचार्य-सह-केंद्राधीक्षक ने नगर थाना प्रभारी को पत्र भेजकर दोनों के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराने की मांग की। इसके बाद दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर नगर थाना लाया गया, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। नगर थाना प्रभारी राजू कुमार ने बताया कि मामला गंभीर है और दोनों युवक दूसरे अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा दे रहे थे। जांच प्रक्रिया जारी है और जल्द ही नामों की आधिकारिक पुष्टि कर ली जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं।

पुलिस को शक है कि इस फर्जीवाड़े के पीछे कोई संगठित गिरोह सक्रिय हो सकता है, जो परीक्षा में नकल और अभ्यर्थी बदलने जैसे अपराधों को अंजाम देता है। इसी संदर्भ में पुलिस ने शहर के कुछ निजी होटलों में भी छापेमारी की है, जहां अन्य संदिग्धों की तलाश की जा रही है। पुलिस की मानें तो पूछताछ और तकनीकी जांच के आधार पर जल्द ही पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सकता है। सिपाही भर्ती जैसी महत्वपूर्ण परीक्षा में इस तरह की सेंध से न केवल व्यवस्था पर सवाल खड़े हुए हैं, बल्कि भविष्य में परीक्षाओं की निगरानी और कड़े प्रावधानों की जरूरत भी उजागर हुई है।

साहिबगंज में गंगा का जलस्तर 26।89 मीटर, बाढ़ का खतरा बढ़ा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

साहिबगंज। जिले में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, जिससे बाढ़ का खतरा और गहरा गया है। 19 जुलाई 2025 को सुबह 11:00 बजे तक जलस्तर 26।66 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी स्तर (26।25 मीटर) से 41 सेमी ऊपर है। अनुमान के अनुसार, 20 जुलाई 2025 को सुबह 6:00 बजे तक यह 26।82 मीटर तक पहुंच सकता है। नवीनतम अपडेट के अनुसार, 20 जुलाई 2025 को दोपहर 12:57 बजे जलस्तर 26।89 मीटर तक पहुंच गया, और सोमवार सुबह 6:00 बजे तक इसके 27।25 मीटर (खतरे का निशान) तक पहुंचने की संभावना है।

इस बढ़ते जलस्तर के कारण सदर प्रखंड की 13 पंचायतों, तालझारी, राजमहल, और उधवा के आधा दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। शहर के हबीबपुर, पंप हाउस, और प्रेम नगर जैसे इलाकों में नालियों के माध्यम से पानी प्रवेश कर रहा है। प्रेम नगर में भारी बारिश और जलस्तर बढ़ने से अधिकांश घरों के दरवाजों तक पानी पहुंच गया है, सड़कें जलमग्न हैं, और रात में आवागमन बेहद मुश्किल हो गया है। स्थानीय निवासियों (गोपाल प्रसाद, मीरा देवी, पप्पू पंडित) ने बताया कि हर साल बरसात में प्रेम नगर जलमग्न हो जाता है, और पानी निकासी की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। खेतों में धान की फसलें भी पानी में डूब रही हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। गंगा की सहायक नदियां जैसे कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, और गंडक भी चेतावनी स्तर को पार कर चुकी हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई है। दीघाघाट, हाथीदह, कहलगांव, साहिबगंज, और फरक्का में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है, जबकि पटना के गांधीघाट में यह पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुका है।

पारंपरिक गीत के साथ महिलाओं ने मनाया सावन महोत्सव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सावन की हरियाली और उत्सव की उमंग के बीच रविवार को स्वर्ण जयंती पार्क का माहौल उल्लास और संस्कृति के रंगों से सराबोर हो गया। संत विनोबा नगर की महिलाओं ने यहांभव्य सावन महोत्सव का आयोजन कर न केवल पारंपरिक विरासत को जीवंत किया, बल्कि सामाजिक सौहार्द और महिला सशक्तिकरण का भी संदेश दिया। महिलाएं पारंपरिक पोशाकों में सज-धज कर पहुंचीं और झूले, लोकगीत, नृत्य व हंसी-खुशी से सावन के मौसम का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत हरियाली गीतों और झूला रस्म से हुई, जिसके बाद पूरे पार्क में सांस्कृतिक रंग बिखर गए।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में मेंहदी प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस शो, सावनी लोकगीतों की प्रस्तुति, और पारंपरिक खेल शामिल रहे। इसके साथ ही, महिलाओं द्वारा तैयार किए गए पारंपरिक व्यंजनों की भी आकर्षक प्रदर्शनी और वितरण किया गया, जिसमें पूड़ी, खीर, दाल पिट्ठी, ठेकुआ, और अन्य स्थानीय स्वादों ने लोगों को खूब लुभाया। इस आयोजन में बिनीता सिन्हा, रंजीता सिन्हा, संगीता गोप, दिव्या कुमारी, दीपमाला, गुड़िया, अनु सिंहा, प्रीति कुमारी, शर्मीला कुमारी, आशा मेहता, मोनिका गोप, बेबी कुमारी सहित दर्जनों महिलाओं ने भाग लिया। सभी महिलाओं ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और एकजुटता का परिचय दिया। सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं और बताया कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और परंपरा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। आयोजन का उद्देश्य नारी शक्ति को संगठित कर एक मंच देना, लोक संस्कृति का संरक्षण, और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना रहा। सावन के गीतों, पारंपरिक व्यंजनों और उत्साह से भरे इस महोत्सव ने न सिर्फ महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दिया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखने का संकल्प भी दोहराया।

अगले पांच साल में एक करोड़ युवाओं को मिलेगा रोजगार : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/बिहारशरीफ। नालंदा के बेन प्रखंड के खैरा पंचायत में रविवार को 3 करोड़ 59 लाख की लागत से बनी विभिन्न विकास योजनाओं का उद्घाटन किया गया। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार आज विकास के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में है और इसका श्रेय नीतीश कुमार के नेतृत्व को जाता है। उन्होंने कहा कि बिहार की योजनाओं का अनुसरण अब अन्य राज्यों में भी हो रहा है। बेन प्रखंड के खैरा पंचायत में मखदुमपुर मोड़ से माहा बिगहा सड़क का विशेष मरम्मत कार्य, लकैयापर में महादेव स्थान के पास यात्री शेड, पंचायत भवन के निकट सार्वजनिक शौचालय, टेटूआ पईन में चेक डैम सह रास्ता निर्माण, खैरा में नविन सिंह के खेत के पास पईन पर आरसीसी पुल और ईंट सोलिंग कार्य, मध्य विद्यालय में चारदीवारी निर्माण, वार्ड 7 में आंगनबाड़ी केंद्र की मरम्मत और लकैयापर में पीसीसी ढलाई का कार्य पूरा किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार ने तय किया है कि एक अगस्त 2025 से राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। इससे 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को राहत मिलेगी। अगले तीन वर्षों में सभी घरेलू उपभोक्ताओं के घरों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की योजना है, जिससे राज्य में 10 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन होगा। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत अब वृद्धजनों, दिव्यांगों और विधवाओं को हर महीने 1100 रुपये पेंशन मिलेगी। यह राशि हर माह की 10 तारीख को सीधे खाते में भेजी जाएगी। पंचायत स्तर पर विवाह भवन निर्माण की भी योजना है। इसके लिए 40 अरब 26 करोड़ 50 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन भवनों का संचालन जीविका समूह की महिलाएं करेंगी, जिससे गरीब परिवारों को सुविधा होगी। रोजगार के मुद्दे पर मंत्री ने कहा कि सरकार ने अगले पांच साल में एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का लक्ष्य तय किया है। औद्योगिक क्षेत्रों में भी नए अवसर सृजित किए जाएंगे। कौशल विकास कार्यक्रमों का भी विस्तार होगा। सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि बिहार में हुए कार्यों का डंका आज देशभर में बज रहा है। इस मौके पर प्रखंड प्रमुख रंजू देवी, जदयू अध्यक्ष अरविंद पटेल, टुनटुन सिंह, जीतेंद्र सिंह जीतू, मुखिया पुनी देवी, मुखिया उत्तम पटेल, भागेरण पाल, दीपक दास, धुरी मांझी, शैलेन्द्र पाल, कलीम साहब, पप्पू मुखिया, सीताराम केवट, संतोष मुखिया, गौतम पटेल, सुनील पासवान, सोहित पटेल, गौरी कुमार, गोल्डेन कुमार, सुकांत कुमार, चन्दन कुमार, शम्भू कुमार, जीतू कुशवाहा, अशोक प्रसाद, उपेंद्र प्रसाद, संतोष कुमार, धर्मेंद्र कुमार, अशोक प्रसाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

मां की पीट-पीटकर हत्या आरोपित बेटा गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना के पालीगंज अनुमंडल अंतर्गत खीरीमोर थाना क्षेत्र के बनौली गांव में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपनी बुजुर्ग मां की पीट-पीटकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान 72 वर्षीय पलियाही देवी के रूप में हुई है, जबकि आरोपी बेटा सत्येंद्र राम को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रविवार को जेठनी देवी जब घर लौटी, तो किसी पारिवारिक विवाद को लेकर सत्येंद्र और मां पलियाही देवी के बीच कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि सत्येंद्र ने मां की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और आरोपित सत्येंद्र राम को हिरासत में ले लिया गया है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। जांच में यह भी सामने आया है कि सत्येंद्र राम पूर्व में अपनी पत्नी की हत्या के मामले में जेल जा चुका है। वर्ष 2017 में उसने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी थी, और नवंबर 2024 में वह सजा पूरी कर जेल से रिहा हुआ था। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर आक्रोश और दहशत का माहौल है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या की वजह महज पारिवारिक विवाद था या इसके पीछे कोई और कारण भी है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

ट्रक और गैस टैंकर की भीषण टक्कर, दो चालकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के चंडी थाना क्षेत्र अंतर्गत तीनी गांव के पास सोमवार की सुबह फोरलेन पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया। आम से लदी ट्रक और गैस टैंकर के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दोनों वाहनों के चालकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो उपचालक गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान भोजपुर जिले के इमादपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी 45 वर्षीय उदय राम और नालंदा जिले के शाहपुर (रहुई) निवासी 28 वर्षीय शिव बालक यादव के रूप में हुई है। दोनों मृतक हादसे के समय स्वयं वाहन चला रहे थे।

घायलों में मधुबनी निवासी विनोद राम और नालंदा के भागनबिगहा निवासी सुनील कुमार शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने उनकी हालत चिंताजनक बताई है। परिजनों के अनुसार, शिव बालक यादव सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) से आम लादकर बिहारशरीफ मंडी ला रहे थे, जबकि गैस टैंकर बिहारशरीफ से पटना की ओर जा रहा था। तीनी गांव के पास दोनों वाहन तेज रफ्तार में आमने-सामने आ गए और जोरदार टक्कर में दोनों वाहनों का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि संभवतः किसी एक चालक को चलती गाड़ी में झपकी आ गई, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सीधी टक्कर हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही चंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेजा। थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पूरे मामले की जांच जारी है। इस भीषण हादसे ने क्षेत्र में शोक की लहर फैला दी है। स्थानीय लोगों ने फोरलेन पर वाहनों की तेज रफ्तार और नींद के कारण हो रहे हादसों को लेकर चिंता जताई है।

दहेज की भेंट चढ़ी विवाहिता, संदिग्ध हालात में मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के लहेरी थाना क्षेत्र स्थित मथुरिया मोहल्ले में प्रेम विवाह कर ससुराल आई एक महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका की पहचान 28 वर्षीय नेहा कुमारी उर्फ स्मृति, पति सुजीत कुमार मधु के रूप में हुई है। नेहा की मौत के बाद मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज की खातिर जबरन जहर देकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। नेहा के भाई कृष्ण मुरारी यादव ने बताया कि करीब दो साल पहले नेहा ने सुजीत कुमार से अंतर्जातीय प्रेम विवाह किया था। यह शादी परिवार की सहमति के बिना हुई थी, जिसके बाद से ही नेहा को लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। परिजनों के मुताबिक, रविवार की रात पति-पत्नी के बीच फिर से विवाद हुआ। देर रात नेहा के पति सुजीत ने फोन कर परिजनों को बताया कि नेहा की तबीयत खराब है और उसे बिहारशरीफ के जीवन ज्योति अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब परिजन अस्पताल पहुंचे, तो नेहा अकेली पड़ी थी और ससुराल का कोई भी सदस्य वहां मौजूद नहीं था।

C M Y K

12,817 नए मतदान केंद्र बनाने का लिया गया फैसला

वोटर लिस्ट विशेष गहन पुनरीक्षण में कुछ दिन बाकी : 41.64 लाख मतदाता का कट सकता हैं नाम

पटना, एजेंसी। बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत वोटर लिस्ट को अपडेट करने का काम तेजी से चल रहा है। भारत निर्वाचन आयोग ने बताया है कि अब तक राज्य के करीब 95.92 प्रतिशत योग्य मतदाताओं का नाम इस प्रक्रिया में शामिल कर लिया गया है। अब इस अभियान को खत्म होने में सिर्फ कुछ दिन बाकी हैं। चुनाव आयोग ने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया है कि वे तेजी से काम करें और जिन लोगों का नाम अभी तक नहीं जुड़ पाया है, उन्हें भी जल्द से जल्द शामिल करें।

7.89 करोड़ निर्वाचकों में से 7.15 करोड़ से अधिक से संपर्क : निर्वाचन आयोग के अनुसार, बिहार में 24 जून 2025 तक कुल 7,89,69,844 निर्वाचक पंजीकृत थे। इनमें से 7,15,82,007 मतदाताओं (90.64 प्रतिशत) से गणना फॉर्म प्राप्त किए जा चुके हैं। इनमें से 6,96,93,384 फॉर्म (88.25प्रतिशत) का सत्यापन हो चुका है।

41.64 लाख मतदाता का कट सकता है नाम : अब तक के सत्यापन में 41,64,814 मतदाता (5.27प्रतिशत) अपने पते पर अनुपस्थित पाए गए हैं।

14,29,354 संभावित मृतक मतदाता (1.81प्रतिशत)

19,74,226 स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाता (2.50प्रतिशत)

7,50,213 ऐसे मतदाता जिनका नाम एक ही पते पर एक से अधिक बार या अलग-अलग रूपों में है (0.95प्रतिशत)

1,11,021 अन्य श्रेणी के अनुपस्थित मतदाता (0.14प्रतिशत) शामिल हैं।

2.82 लाख नए मतदाता का जोड़ा गया नाम

इस अभियान के अंतर्गत अब तक 2,82,606 ऐसे मतदाता सामने आए हैं, जो 1 जनवरी 2025 तक 24 वर्ष की आयु पार कर चुके हैं और मतदाता सूची में शामिल हुए हैं।

अब भी 4प्रतिशत गणना फॉर्म आना बाकी

अब भी लगभग 4.08प्रतिशत गणना फॉर्म (32,23,023 फॉर्म) ऐसे हैं, जो अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं। आयोग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि वे 25 जुलाई तक बचे हुए फॉर्मों को प्राप्त कर उनका सत्यापन करे।

1 लाख से अधिक बीएलओ और निरीक्षण टीमें तैनात

बिहार में एसआईआर अभियान के दौरान 1 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ), सुपरवाइजर, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जिला निर्वाचन पदाधिकारी और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। साथ ही, 1.5 लाख से अधिक पोलिंग पार्टियां, निगरानी टीमें और अनुमंडल स्तर की समितियां अभियान को सफल बनाने में जुटी हैं।

शहरी क्षेत्र में 5,683 वार्डों में चल रहे विशेष शिविर

शहरी क्षेत्रों में मतदाता सूची अपडेट करने के लिए 261 शहरी स्थानीय निकायों के अंतर्गत 5,683 वार्डों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। बीएलओ इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों तक पहुंच कर जानकारी जुटा रहे हैं और उन्हें सुधार प्रक्रिया में भाग लेने की जानकारी दे रहे हैं।

1 अगस्त को जारी होगी ड्राफ्ट सूची

एसआईआर आदेश (अनुच्छेद 2, परिशिष्ट 7) के अनुसार 1 अगस्त 2025 को ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। अगर उसमें किसी मतदाता का नाम गलत रूप से जुड़ गया हो, छूट गया हो, या कोई त्रुटि हो, तो संबंधित व्यक्ति, राजनीतिक दल या उनके द्वारा नियुक्त एजेंट 30 अगस्त 2025 तक दावा या आपत्ति दर्ज कर सकते हैं। सुधार कराने के लिए सभी दस्तावेजों के साथ आवेदन देना आवश्यक होगा।

12,817 नए मतदान केन्द्रों की स्थापना

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदान केन्द्रों की संख्या में बढ़ोतरी की गई है। अब एक मतदान एक बूथ पर 1200 मतदाता के नियम के अनुसार 12,817 नए मतदान केन्द्र जोड़े गए हैं। इसके पहले राज्य में 77,895 मतदान केन्द्र थे, जो अब बढ़कर 90,712 हो गए हैं। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग ने स्वीकृति दे दी है। 12,817 नए केन्द्रों में से 12,479 केन्द्र पहले से मौजूद भवनों या परिसरों में ही बनाए गए हैं। केवल 338 केन्द्रों को पास के स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है।

राजनीतिक दलों से विचार-विमर्श के बाद निर्णय

सभी जिला निर्वाचन पदाधिकारियों ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से सुझाव लेकर पुनर्संरचना का प्रस्ताव तैयार किया था, जिसे आयोग ने 18 जुलाई 2025 को स्वीकृति दी। नए केन्द्रों की जिलावार सूची आज सभी राजनीतिक दलों के साथ साझा की गई है। सभी जिलों को निर्देश दिया गया है कि वे इस जानकारी को जल्द से सभी राजनीतिक दलों और मतदाताओं तक पहुंचाए।

एक अगस्त के बाद भी जुड़ सकेंगे छूटे और नए नाम

1 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। उसके बाद भी उसमें कोई भी नाम अगर गलती से जुड़ गया हो, या छूट गया हो या उसमें कोई त्रुटि हो तो उसे 30 अगस्त तक सुधारा जा सकता है। इसके लिए कोई भी मतदाता, राजनीतिक दल या उनके द्वारा नियुक्त बीएलए दावे-आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

पटना जिले में छह लाख मतदाताओं का होना है सत्यापन : पटना जिले में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य अब मात्र छह लाख मतदाताओं का करना है। शेष 44 लाख से अधिक मतदाताओं का सत्यापन कर लिया गया है। शनिवार को जिले के चार हजार से अधिक मतदान केंद्रों पर मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के लिए शिविर का आयोजन किया गया। शनिवार को एक लाख से अधिक मतदाताओं का सत्यापन किया गया। अब सत्यापन के मात्र छह दिन शेष रह गए हैं। सबसे अधिक दीघा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख मतदाताओं का सत्यापन होना है जबकि बाढ़ विधानसभा क्षेत्र ऐसा है, जहां सबसे अधिक सत्यापन का काम हुआ है।

सबसे ज्यादा गणना फॉर्म डिजीटली अपलोड करने में लखीसराय (91.03), जहानाबाद (91.13), अरवल (91.33), कैमूर (91.46), शेखपुरा (91.89) एवं खगड़िया (92.60) जिले अव्वल है जहां 91 प्रतिशत से अधिक गणना फॉर्म अपलोड किये जा चुके हैं। वहीं, गोपालगंज में सबसे कम 82. 12 प्रतिशत गणना फॉर्म को ही अपलोड किया गया है।

ब्रह्मपुरा में प्रतिबंधित मांस बिक्री के खिलाफ छापा, चार दुकानें सील

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। ब्रह्मपुरा के मेहदी हसन चौक के पास बाटा गली में प्रतिबंधित मांस बिक्री के ठिकानों पर शनिवार को पुलिस और प्रशासनिक टीम ने छापेमारी की। एसडीएम पूर्वी अमित कुमार और एसडीपीओ टाउन टू विनीता सिन्हा के नेतृत्व में ब्रह्मपुरा थानेदार विजय लक्ष्मी समेत करीब 100 पुलिस कर्मियों ने छापा मारा। पुलिस के पहुंचते ही दुकान में मांस लटका छोड़कर सभी आरोपित दुकानदार फरार हो गए। टीम ने चार दुकानों से मांस का नमूना जब्त किया और दुकानों को सील कर दिया। इस संबंध में ब्रह्मपुरा थाना में बाटा गली में प्रतिबंधित जानवरों का वध कर मांस बेचने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें संबंधित दुकानदारों को आरोपित बनाया गया है। ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र में दशकों से चल रहे प्रतिबंधित मांस बिक्री के ठिकाने पर यह कार्रवाई दिल्ली की एक निजी संगठन की महिला प्रतिनिधि के आवेदन के आधार पर की गई है। उक्त संगठन के आवेदन पर पूर्व में बेला में प्रतिबंधित मांस फैक्ट्रियों के खिलाफ सात साल पहले भी कार्रवाई की गई थी। तब सैकड़ों टन प्रतिबंधित मांस जब्त किया गया था। आधा दर्जन मांस फैक्ट्रियों को बंद कराया गया था। एसडीपीओ टाउन टू विनीता सिन्हा ने बताया कि दिल्ली के स्वयंसेवी संगठन की महिला प्रतिनिधि ने थाने में आवेदन दिया था कि ब्रह्मपुरा बाटा गली में प्रतिबंधित जानवरों का वध कर उनके मांस की बिक्री बड़े पैमान पर की जा रही है। इस अवैध कृत्य में कई दुकानदार संलिप्त हैं। आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद मैजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति कराई गई। पशु चिकित्सक को भी टीम में शामिल किया गया। इस तरह टीम ने छापेमारी की तो चार दुकानों में मांस लटका पाया गया। नमूना जब्त किया गया है। उसे जांच के लिए एफएसएल पटना भेजा जाएगा।

पहले भी कई बार हो चुका है विरोध और छापा

एसडीपीओ ने बताया कि ब्रह्मपुरा बाटा गली में काफी अंदर जानवरों को वध करने का ठिकाना बनाया गया है। इसको लेकर कई स्थानीय संगठन की ओर से विराध किया गया था। ब्रह्मपुरा पुलिस भी पूर्व में कई बार छापेमारी कर चुकी है। अवैध तरीके से खुले में बने स्लाटर हाउस में काफी गंदगी है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि हर दिन यहां बड़े पैमाने पर जानवरों का वध होता रहा है।

हाईकोर्ट ने लगाई थी स्लाटर हाउस पर रोक

शहर से स्लाटर हाउस को शिफ्ट करने के लिए लंबे समय से कवायद चल रही है। इसको लेकर दर्ज वाद में हाईकोर्ट ने स्लाटर हाउस को बंद कराने का आदेश पूर्व में नगर निगम को दिया था। तब सादपुरा और ब्रह्मपुरा स्लाटर हाउस को बंद करने के लिए नगर निगम की ओर से नोटिस जारी किया गया था। नोटिस के बाद भी स्लाटर हाउस संचालित करने को लेकर काजी मोहम्मदपुर और ब्रह्मपुरा थाने में एफआईआर भी दर्ज की गई थी।

मुख्यमंत्री नीतीश के बेटे निशांत के जन्मदिन पर लगे पोस्टर

लिखा- बिहार की मांग सुन लिए निशांत, बहुत बहुत धन्यवाद

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार का आज जन्मदिन है। इसको लेकर जेडीयू (जनता दल यूनाइटेड) कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर ने राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। पार्टी कार्यालय के बाहर बड़े-बड़े पोस्टर्स लगाए गए हैं, जिनमें से लिखा गया है कि बिहार की मांग सुन लिए निशांत बहुत बहुत धन्यवाद।

आगामी विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं निशांत

इन पोस्टर्स में निशांत कुमार की तस्वीर प्रमुख रूप से छपी है। उन्हें भावी नेता के रूप में दिखाया गया है। इस पोस्टर से यह तय माना जा रहा है कि निशांत कुमार अब सक्रिय राजनीति में प्रवेश करने जा रहे हैं। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में चुनाव लड़ सकते हैं। अब तक निशांत कुमार ने सार्वजनिक जीवन से दूरी बना रखी थी। राजनीति में आने से इनकार करते रहे हैं। वे इंजीनियरिंग से ग्रेजुएट हैं। निजी जीवन में बेहद लो-प्रोफाइल माने जाते हैं। लेकिन आज के पोस्टर्स के बाद यह कयास लगने लगे हैं कि वे नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत संभालने के लिए तैयार हैं। इन बैनरों में निशांत को बिहार की भविष्य की जरूरत बताया गया है।

पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं

हालांकि, अब तक जेडीयू की ओर से इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सूत्रों की मानें तो पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता निशांत को राजनीति में लाने की वकालत कर रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि उन्हें पटना या नालंदा की किसी सीट से चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

कांग्रेस ने 7000 युवाओं को नौकरी देने का किया दावा, पटना में रोजगार मेले के बहाने बीजेपी को भी घेरा

पटना, एजेंसी। युवा कांग्रेस की ओर से पटना ज्ञान भवन में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। युवा कांग्रेस अध्यक्ष उदयभानु चिब ने मेले में 7000 युवाओं को रोजगार देने का दावा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पिछले 20 साल से बिहार में, 11 साल से केंद्र की सत्ता में है, पर बिहार के बेरोजगार युवाओं के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि 190 कंपनियों में नौकरी के लिए करीब 48 हजार युवाओं ने अपना निबंधन कराया। युवाओं से फॉर्म पर विधानसभा क्षेत्र के नाम भी पूछे गए। करीब बीस हजार से ज्यादा के साक्षात्कार हुए। इसमें से सात हजार को जॉब लेटर दिया गया। कई युवाओं को दूसरे राउंड में सफल होने के बाद नौकरी दी जाएगी। मेले के दौरान कांग्रेस नेताओं ने अभ्यर्थियों से संवाद भी किया। प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह, लोकसभा सांसद पप्पू यादव, कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास, कन्हैया कुमार, राजेश राठौड़ आदि ने युवाओं की हौसला अफजाई की।

जदयू प्रदेश राजनीतिक सलाहकार पद से रंजीत सहनी ने दिया इस्तीफा

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। जदयू के प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य रंजीत सहनी ने शनिवार को समिति के साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। शहर के कच्ची पक्की स्थित एक होटल में प्रेस वार्ता में उन्होंने इसकी घोषणा की। उन्होंने प्रदेश नेतृत्व पर पार्टी के पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं की उपेक्षा का आरोप लगाया। गौरतलब है कि प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य बनाए जाने के पूर्व रंजीत सहनी जिला और प्रदेश स्तर पर पार्टी के कई महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेवारी संभाल चुके हैं।

दानापुर में मिलिट्री इंटेलिजेंस की कार्रवाई में हथियार बरामद : छावनी क्षेत्र से गांजा तस्कर गिरफ्तार

70 पैकेट गांजा भी पकड़ा गया

दानापुर/पटना, एजेंसी। मिलिट्री इंटेलिजेंस लखनऊ की टीम ने दानापुर थाना के सहयोग से छावनी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। टेम्पो स्टैंड के पास से एक गांजा तस्कर को पकड़ा गया है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान लाल कोठी निवासी 39 वर्षीय मोहम्मद हाशिम के रूप में हुई है। तस्कर के पास से 70 पॉकेट गांजा, 90 पीस गोगो गांजा, एक देशी पिस्टल और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। मोहम्मद हाशिम कैंट एरिया में गांजा की सप्लाई करता था। पिछले 6 महीने से मिलिट्री इंटेलिजेंस के रडार पर था।

दानापुर थाने को सौंपा गया : मिलिट्री इंटेलिजेंस को सूचना मिली थी कि छावनी क्षेत्र के ऑटो स्टैंड में नशीले पदार्थों का कारोबार चल रहा है। इस सूचना पर दानापुर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी को आगे की कार्रवाई के लिए दानापुर थाने को सौंप दिया गया है।

पांच तस्कर गिरफ्तार : पुलिस अब यह पता लगा रही है कि तस्कर गांजा कहां से लाता था। इस कारोबार में कितने लोग शामिल हैं। पिछले एक साल में मिलिट्री इंटेलिजेंस की सूचना पर दानापुर कैंट के पास से पांच तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। इसी महीने 8 जुलाई को मधुबनी से बड़ी मात्रा में हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए थे। कैंट जैसे सुरक्षित क्षेत्र के नजदीक हथियारों और ड्रग्स का कारोबार एक संवेदनशील मुद्दा है। इस पर सभी सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर काम करने की आवश्यकता है।

मक्का सप्लाई के नाम पर 4.78 लाख की ठगी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मक्का सप्लाई के नाम पर 4.78 लाख रुपये की ठगी के आरोप में साइबर थाने में पश्चिम बंगाल के तीन व्यवसायियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर गई है। इसमें इंस्पेक्टर संजीव कुमार सिंह को जांच की जिम्मेवारी सौंपी गई है। साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार ने बताया कि शहर के सिकंदरपुर निवासी व्यवसायी मनोज कुमार के आवेदन के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है। मनोज ने पुलिस ने बताया है कि पश्चिम बंगाल के जलपईगुड़ी जिले के मायनागुड़ी थाना के बकाली निवासी सुशांता देवनाथ, कूच बिहार जिले के राजर हाट निवासी नारायण वरमन और अनुप दत्ता ने बीते 14 जुलाई को मक्का सप्लाई के लिए चार लाख 78 हजार 725 रुपये ऑनलाइन पेमेंट लिया था। लेकिन, अब मक्का सप्लाई करने से मना कर दिया।

बिहार चुनाव में डेढ़ लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे, हर बूथ पर कड़ी नजर

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर राज्य के सभी बूथों पर 1.50 लाख से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। मतदान के दौरान सभी बूथों पर सीसीटीवी के माध्यम से सख्त निगरानी की व्यवस्था होगी। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देश पर हरेक बूथ पर सीसीटीवी लगाने को लेकर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसके लिए बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय द्वारा निविदा जारी कर प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव के तहत शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य के प्रत्येक बूथ पर दो या तीन सीसीटीवी कैमरे लगाने की कार्रवाई शुरू की गई है। राज्य में पूर्व के विधानसभा अथवा लोकसभा चुनावों के दौरान चुनिंदा बूथों पर ही सीसीटीवी लगाए जाते रहे हैं, जहां से लाइव वेबकास्टिंग की जाती है। इन बूथों पर भी प्रवेश द्वारा के समीप जहां से मतदानकर्मी और मतदाताओं की पंक्ति दिखाई दे उसे रिकार्ड किया जाता था। वहीं, अन्य बूथों पर फोटोग्राफी एवं वीडियो ग्राफी की व्यवस्था की जाती रही है। जबकि, इस बार सभी बूथों पर सीसीटीवी लगाने का निर्णय लिया गया है। इस बार चुनाव के लिए 90,712 बूथों पर मतदान की तैयारी की गई है। इसके पूर्व के लोकसभा चुनाव में राज्य में 77, 895 बूथों का गठन किया गया था।

कोरोना काल में 2020 में सर्वाधिक एक लाख 6 हजार बूथों पर मतदान हुआ था। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी विनोद सिंह गुंजियाल के निर्देश पर जिलों के जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बूथों का सत्यापन करने के बाद नये बूथों का गठन किया गया है। चुनाव को लेकर 1200 वोटरों पर बूथ होंगे। इसके पूर्व 1500 वोटरों पर एक बूथ था। कोरोना काल में 1000 वोटरों पर एक बूथ था। मतदाता दो किमी के दायरे में ही वोट दे सकेंगे। शहरी क्षेत्रों में अपार्टमेंट या कॉलोनियों के वोटरों का भी ख्याल रखा गया है।

क्रिकेट स्टेडियम, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल समेत कई खेलों का इंतजाम, पटना में नया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स

पटना, एजेंसी। पटना के गर्दनीबाग में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सह मिनी क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण जल्द शुरू होगा। भवन निर्माण विभाग ने एजेंसी का चयन कर लिया है। इसमें क्रिकेट एडमिन ब्लॉक सह इंडोर क्रिकेट ट्रेनिंग सेंटर बनना है। वहीं वॉलीबॉल, बास्केटबॉल सहित अन्य खेलों के लिए भी कोर्ट का निर्माण किया जाएगा। इसका निर्माण ईपीसी (इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट कंस्ट्रक्शन मॉडल) मोड में होगा। एजेंसी ही डिजाइन तैयार करेगी।

खेल परिसर में भवन निर्माण विभाग की ओर से अत्याधुनिक क्रिकेट ग्राउंड का भी निर्माण कराया जाएगा। क्रिकेट ग्राउंड में 10 पिच और प्रैक्टिस के लिए 5 अतिरिक्त पिच तैयार किए जाएंगे। इनमें प्रशासनिक भवन (भू-तल सहित एक मंजिला), आधुनिक जिम, कैफेटेरिया, पार्किंग क्षेत्र और पर्यावरण संरक्षण के लिए हरित क्षेत्र भी शामिल हैं।

बापू टावर के बगल में बनेगा क्रिकेट स्टेडियम : गर्दनीबाग में निर्माणाधीन बापू टावर से सटे पश्चिमी भाग में क्रिकेट स्टेडियम सह आउटडोर मैदान का निर्माण किया जाएगा। इसका निर्माण 26 करोड़ 64 लाख 45 हजार 204 रुपये से 9.5 एकड़ जमीन में होगा। बापू टावर के बगल में स्टेडियम बनने से यहां की खूबसूरती बढ़ जाएगी। स्टेडियम परिसर के अंदर पार्किंग के लिए समुचित व्यवस्था होगी। साथ ही अलग-अलग मैदानों में जाने के लिए यातायात की भी व्यवस्था सुलभ होगी। मैदान के अंदर सड़क का भी निर्माण किया जाएगा। भवन निर्माण विभाग के सचिव रवि कुमार ने कहा कि परियोजना के लिए एजेंसी का चयन कर लिया गया है। निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाएगा। क्रिकेट ग्राउंड आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा, जो खिलाड़ियों को प्रतिभा को निखारने के लिए भी प्रेरित करेगा।

संक्षिप्त समाचार

कोडरमा में गांजा तस्करी का भंडाफोड़ : हावड़ा–बाड़मेर एक्सप्रेस से युवक गिरफ्तार

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी ने ऑपेरशन नारकोस के तहत एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार के नेतृत्व में शुक्रवार की रात को यह कार्रवाई की गई। प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर रात करीब 12 बजे हावड़ा–बाड़मेर एक्सप्रेस की जांच की गई। इंजन से सटे पहले जनरल कोच में एक संदिग्ध व्यक्ति मिला। पूछताछ में उसने अपनी पहचान बिहार के रोहतास जिले के नासरीगंज निवासी बैजू कुमार उर्फ देवराज के रूप में बताई। तलाशी में उसके पास से तीन अलग–अलग पैकेट में कुल साढ़े पांच किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 82 हजार रुपए आंकी गई है। कार्यपालक दंडाधिकारी के सामने पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने तीन साथियों मंटू कुमार, टुनटुन कुमार और संजीत कुमार के साथ ओडिशा से गांजा खरीदकर धनबाद आया था। वहां से वह अकेला सासाराम जाने के लिए ट्रेन में सवार हुआ, जबकि उसके साथी धनबाद में ही रुक गए।

युवक को गोली मारने के आरोप में तीन गिरफ्तार : आपसी रंजिश में की थी वारदात

जमशेदपुर, एजेंसी। जमशेदपुर में शुक्रवार की रात लोचन कुमार को गोली मारने के आरोप में पुलिस ने शनिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में दुईलाडुंगरी निवासी हरप्रीत सिंह गिल उर्फ राहुल गिल उर्फ गेड्डा (24), सोनारी जनता बस्ती निवासी धीरेन तन्तुबाई उर्फ मोची उर्फ दादा (28) और दुईलाडुंगरी निवासी प्रेम कुमार उर्फ आयुष साहु (21) शामिल हैं। सिटी एसपी शिवाशिष ने बताया कि तीनों आरोपी रवि खेड़ा गिरोह के सदस्य हैं। इन्हें दुईलाडुंगरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ के क्रम में आरोपी हरप्रीत सिंह गिल उर्फ राहुल गिल ने बताया कि लोचन ने षड़यंत्र के तहत उसके भाई को जेल भिजवाया था। उसी समय से उससे रंजिश चल रही थी। इसी वजह से उसे गोली मारी गई ।पुलिस ने इनके पास से पिस्टल, जिंदा कारतूस, दो खोखा, स्टील का चापड़, मोबाइल और दो मोटरसाइकिल बरामद की है ।शुक्रवार की रात लोचन कुमार साकची से स्कूटी पर घर लौट रहा था। दुईलाडुंगरी सीपी कबीर क्लब के पास तीन बाइक सवारों ने उसे ओवरटेक किया। इसी दौरान धीरेन तन्तुबाई उर्फ मोची ने लोचन कुमार पर पिस्टल से फायर कर दिया।

पाकुड़ में जाली नोट छापने वाले गिरोह का पर्दाफाश : तीन आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ में पुलिस ने जाली नोट छापने और खपाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों से 7100 रुपए के जाली नोट, प्रिंटर, सादा पेपर और अन्य उपकरण बरामद किए गए। साथ ही दो मोटरसाइकिल और तीन मोबाइल भी जब्त किए गए। एसपी निधि द्विवेदी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पाकुड़िया थाना क्षेत्र से मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में पुलिस अवर निरीक्षक सन्नी सुप्रभात, पप्पू कुमार और एम साहा शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों में पाकुड़िया थाना के राज पोखर निवासी बादशाह खान, गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र के धमनी निवासी दीपक पंडित और चमकलाल पंडित शामिल हैं। बादशाह खान की पत्नी भी इस गिरोह की सदस्य थी। उसे 29 जून को जाली नोट खपाने के दौरान गिरफ्तार किया गया था। उस पर नगर थाने में मामला दर्ज है।

खेलो इंडिया विमेंस सिटी लीग आयोजित : चाईबासा में अस्मिता साइकलिंग लीग में सैकड़ों लड़कियों ने दिखाया दम

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन, पश्चिमी सिंहभूम साइकिलिंग एसोसिएशन और साईं ने चाईबासा के सोनुआ में अस्मिता साइकलिंग सिटी लीग 2025–26 का आयोजन किया। यह आयोजन खेलो इंडिया विमेंस सिटी लीग के तहत किया गया। प्रतियोगिता में सीनियर और जूनियर वर्ग की सैकड़ों लड़कियों ने हिस्सा लिया। राज्य में यह प्रतियोगिता दो स्थानों पर आयोजित की जा रही है। पहला आयोजन चाईबासा में हुआ और दूसरा लोहरदगा में होगा। इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पश्चिमी सिंहभूम जिला ओलिंपिक संघ के सचिव अजय नायक ने कहा कि स्थानीय खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है। उन्हें बस उचित मंच की जरूरत है। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन की इस पहल से लड़कियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। झारखंड साइकिलिंग एसोसिएशन के कोच राम कुमार भट्ट ने इस आयोजन को भारत सरकार की सराहनीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे खिलाड़ियों को एक बेहतर प्लेटफॉर्म मिलेगा। विजेता खिलाड़ियों को पश्चिमी सिंहभूम साइकिलिंग एसोसिएशन की जिला सचिव गुलांची बहनादा, जिला परिषद सदस्य जगदीश नायक और अन्य अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

लातेहार में यूपी के 5 तस्कर गिरफ्तार : रांची से यूपी ले जा रहे थे डेढ़ क्विंटल गांजा, दो कार से पकड़े गए

लातेहार, एजेंसी। लातेहार में पुलिस ने शनिवार को वाहन चेकिंग अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई की। चंदवा थाना क्षेत्र के एनएच–39 पर ब्राह्मणी के पास से पुलिस ने दो कार से डेढ़ क्विंटल गांजा बरामद किया। इनोवा कार से 90 किलो और अर्टिगा कार से 60 किलो गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने मौके से उत्तर प्रदेश के पांच तस्करों को गिरफ्तार किया। इनमें अभिराज सिंह, आर्यन सिंह, निशांत उपाध्याय, प्रमोद कुमार और प्रदीप कुमार गौतम शामिल हैं। अभिराज सिंह और आर्यन सिंह रायबरेली के, निशांत उपाध्याय और प्रमोद कुमार बस्ती के प्रदीप कुमार गौतम लखनऊ के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास से दो कार व 9 मोबाइल फोन भी बरामद किए गए ।एसडीपीओ अरविंद कुमार ने बताया कि बरामद गांजे की बाजार कीमत लगभग 5 लाख रुपए है। तस्कर इस गांजे को रांची से उत्तर प्रदेश ले जा रहे थे। यह कार्रवाई एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर की गई। मालूम हो कि रांची–मेदिनीनगर मार्ग (एनएच 39) लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी का रास्ता रहा है।

झारखंड में अगले 5 दिन नहीं होगी भारी बारिश

आंधी-तूफान से सतर्क रहने की चेतावनी

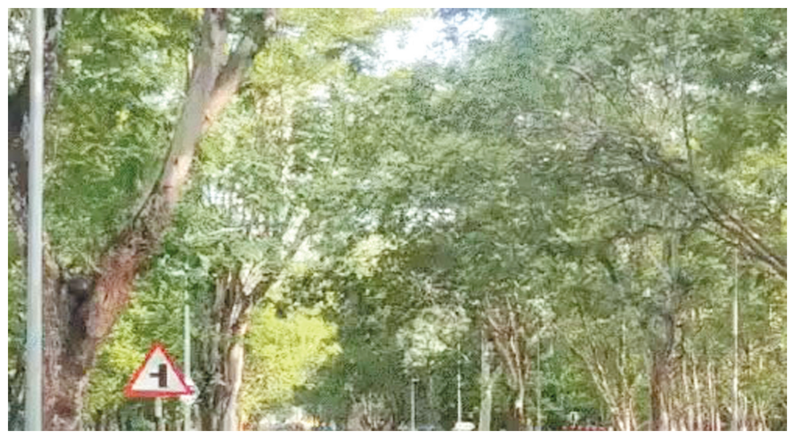

रांची, एजेंसी। झारखंड में फिलहाल भारी बारिश से राहत मिलती दिख रही है। भारतीय मौसम विभाग, रांची केंद्र के अनुसार, राज्य के किसी भी भाग में आगामी पांच दिनों के दौरान भारी बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि 20 और 21 जुलाई को कुछ जिलों में गरज के साथ हल्के से मध्यम वर्षा और आंधी चलने की संभावना जताई गई है। इन दिनों तेज हवाएं 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती हैं, जिससे लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

गढ़वा में 7.4 मिमी और रांची में 0.1 मिमी बारिश : जारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक बारिश गढ़वा में 7.4 मिमी दर्ज की गई, जबकि रांची में 0.1 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। अधिकतम तापमान देवघर में 34.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान चाईबासा में 21 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य के उत्तर पश्चिमी, दक्षिणी, उत्तरपूर्वी और मध्य भागों में 20 और 21 जुलाई को आंशिक बादल छाए रहेंगे। गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। 22 जुलाई से 23 जुलाई तक भी मौसम लगभग समान रहने की उम्मीद है। 24 और 25 जुलाई को फिर से कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

जुलाई में अब तक सामान्य से 11प्रतिशत अधिक बारिश : मौसम केंद्र रांची के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक रांची में मौसम सामान्य बना रहेगा। 23 जुलाई तक बादल छाए रहेंगे और एक-दो बार हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना है। अधिकतम तापमान 30 से 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। वहीं, 24 और 25 जुलाई को भी मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है और हल्की बारिश जारी रह सकती है। वहीं, 1 जून से 19 जुलाई 2025 तक की बारिश के आंकड़ों पर नजर डालें तो रांची में इस अवधि में कुल 859.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य बारिश 774.4 मिमी होनी चाहिए थी। प्रदेश में बारिश की बात करें तो औसतन 627.3 मिमी बारिश हुई है, जबकि सामान्य मात्रा 380.6 मिमी है। यह सामान्य से 65प्रतिशत अधिक है। पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा, पाकुड़ और साहिबगंज में भी बारिश अत्यधिक दर्ज की गई है, जबकि गढ़वा में बारिश में 20प्रतिशत की कमी रही।

32 से 36 डिग्री के बीच रह सकता है अधिकतम पारा : आज झारखंड के विभिन्न जिलों में अधिकतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। सबसे अधिक अधिकतम तापमान साहिबगंज, पलामू और पाकुड़ में रह सकता है। न्यूनतम तापमान की बात करें तो सर्वाधिक न्यूनतम तापमान साहिबगंज और पाकुड़ में रहने के आसार हैं।

रांची में उत्पाद विभाग की रेड, एमआरपी से अधिक कीमत पर बेची जा रही थी शराब, सात दुकानदार गिरफ्तार

रांची, एजेंसी। एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेच रहे दुकानदारों की धर-पकड़, गिरफ्तारी व उनपर प्राथमिकियां दर्ज होनी शुरू हो गई है। आयुक्त उत्पाद आईएएस रवि शंकर शुक्ला के नेतृत्व में शनिवार की शाम औचक छापेमारी पर निकली उत्पाद विभाग की टीम ने पंडरा से चार व मोरहाबादी से तीन दुकानदारों को गिरफ्तार कर लिया।

कुल तीन दुकानों में छापेमारी हुई, जिनमें दो दुकानों में वहां के दुकानदार शराब की बोतलों पर एमआरपी से दस रुपये अधिक लेते पकड़े गए। छापेमारी टीम ने गिरफ्तार सातों दुकानदारों को स्थानीय थाने के हवाले कर दिया है।

उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल, दोनों दुकानों में स्टाक व बिक्री की राशि का मिलान करने के बाद अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है।

मोरहाबादी स्थित शराब दुकान से दुकान प्रभारी प्रभात रंजन सिंह, सहायक विजय कुमार व निखिल कुमार साहू शामिल हैं। प्रभात रंजन सिंह बिहार के नालंदा जिले के कतरीसराय थाना क्षेत्र के दरबेसपुरा के रहने वाला है। गिरफ्तार विजय कुमार रांची के बरियातू स्थित चिरौंदी का तथा निखिल कुमार साहू रांची जिले के बेड़ो थाना क्षेत्र के खुखरा का रहने वाला है।

पंडरा स्थित शराब दुकान से मनोज कुमार, अनूप कुमार, भीम कुमार गुप्ता व पंकज कुमार की गिरफ्तारी हुई है। मनोज कुमार लातेहार के बरवाडीह का रहने वाला है। वहीं, अनूप कुमार लातेहार के ही चंदवा धोबी टोला, भीम कुमार गुप्ता गढ़वा के भवनाथपुर के परसोडीह का व पंकज कुमार पलामू के पड़वा थाना क्षेत्र के मझिगांव का रहने वाला है।

बाबा पर जलार्पण के बाद मां बगलामुखी से नहीं लगायी अर्जी, तो अधूरी रह जायेगी कामना!

रांची, एजेंसी। श्रावण माह में देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर का खास महत्व है. यहां हर दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा पर जलार्पण करते हैं. इतना ही नहीं बाबा पर जलार्पण के बाद कांवरिया माता बगलामुखी को जल चढ़ाने और पूजा करने नहीं भूलते हैं. यह परंपरा प्राचीन समय से चली आ रही है.

बता दें कि बाबा वैद्यनाथ 12 ज्योतिर्लिंग में से एक है. यह एक शक्तिपीठ भी है. यहां माता के 52 खंडों में एक हृदय गिरा है. इसलिए इसे हृदयपीठ भी कहा जाता है. मान्यता है कि जहां-जहां शक्तिपीठ है. वहां पर भैरव की उपस्थिति होती है, जैसे ज्योतिर्लिंग स्थल के संरक्षण के लिए भैरव क्षेत्रपालक के रूप में उपस्थित रहते हैं. उसी प्रकार बाबा वैद्यनाथ तक फरियाद पहुंचाने वाली मां बगलामुखी है, जिनकी मंत्री के रूप में मान्यता है.

श्रावणी मेला में जहां लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा पर जलार्पण के लिए आते हैं और अपनी मनोकामनाएं पूर्ण के लिए भैरव को अपनी कामना सुनाते हैं. वहीं माता बगलामुखी को पास भी अर्जी लगाते हैं. ताकि माता उनकी कामना को बाबा तक पहुंचाये. इसलिए बाबा मंदिर आने वाले श्रद्धालु व श्रावणी मेला के दौरान बाबा पर जलार्पण के लिए आने वाले श्रद्धालु बाबा पर जलार्पण के बाद माता बगला पर जलार्पण कर पूजा अर्चना करना नहीं भूलते हैं.

दो लाख लाओ, मनचाही दुकान पाओ; नई उत्पाद नीति शुरू होने से पहले झारखंड में बिचौलिए हुए एक्टिव

रांची, एजेंसी। राज्य में एक सितंबर से नई उत्पाद नीति के तहत निजी हाथों से शराब की खुदरा बिक्री शुरू होनी है। नई उत्पाद नीति शुरू होने के पूर्व ही बिचौलिए सक्रिय हो गए हैं।

इन बिचौलियों में कुछ तथाकथित यूट्यूबर भी शामिल हैं। ये अपनी पहुंच पैरवी का हवाला देकर शराब कारोबारियों को अपने झांसे में ले रहे हैं। उन्हें मनचाही दुकान दिलाने का दावा कर रहे हैं और इसके बदले मोटी रकम की मांग भी कर रहे हैं।

जो सूचना है उसके अनुसार ये बिचौलिए शराब कारोबारियों को आश्वस्त कर रहे हैं कि वे (शराब कारोबारी) जिस दुकान को लाटरी में निकलवाना चाह रहे हैं, वही दुकान उनके नाम से लाटरी में निकलेगी। 26 जुलाई से आठ अगस्त तक पूरे राज्य में लाटरी से शराब दुकानों का आवंटन होना है।

ये बिचौलिए शराब कारोबारियों से उनकी मनचाही दुकान लाटरी में निकलवाने के एवज में पहले दो लाख रुपये प्रति दुकान की मांग कर रहे हैं। दुकान निकलने के बाद उक्त दुकानदार को पांच लाख रुपये और देने होंगे। यानी कुल सात लाख रुपये देने होंगे। नई व्यवस्था के तहत पूरे राज्य में करीब 1600 खुदरा दुकानों का संचालन होना है। इसकी तैयारी चल रही है। निजी दुकानदारों के माध्यम से ही खुदरा दुकानों का संचालन होना है।

वर्तमान में राज्य में 1453 दुकानें संचालित हो रही हैं, जिनका संचालन झारखंड राज्य बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से हो रहा है। नई व्यवस्था को लेकर अधिसूचना पूर्व में जारी हुई थी। आठ अगस्त तक लाटरी के माध्यम से दुकानों का आवंटन भी हो जाना है।

इसके लिए सभी जिलों के उपायुक्तों को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग ने जिलावार राजस्व लक्ष्य भी दे दिया है, जिसके अनुरूप प्रत्येक दुकानों के लिए राजस्व लक्ष्य तय किया जाना है।

झारखंड शराब व्यापारी संघ के महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल ने राज्य के शराब व्यापारियों से अपील की है कि वे वे बिचौलियों के चक्कर में न पड़ें। किसी भी अफवाह से दूर रहें और रिश्वत किसी को न दें। बिचौलिए ठगी करेंगे, दुकान नहीं दिलवा सकते हैं। लाटरी एनआइसी के माध्यम से निकलेगा।

रिश्वत देने पर मनचाही दुकान दिलाने का आश्वासन देने वाले सिर्फ ठगी का शिकार बनाएंगे, दुकान नहीं दिलवा सकते हैं।

इरफान जी, बेटे कृष अंसारी का नाम कृष्ण कर दीजिए भानु प्रताप ने स्वास्थ्य मंत्री को क्यों दी सलाह

रांची, एजेंसी। राज्य के 19 वर्षीय पुत्र कृष अंसारी के अस्पताल निरीक्षण करने की खबरें राज्य में चर्चा का विषय बनी हुई है. विपक्ष भी लगातार इस मुद्दे को लेकर मंत्री पर हमलावर है. इसी बीच भाजपा नेता सह पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही ने मंत्री और उनके बेटे को घेरे में लिया है. बेटे के अस्पताल निरीक्षण करने की बातों के बीच पूर्व विधायक ने मंत्री को बेटे का नाम बदलने की बड़ी सलाह दे दी है.

भानु प्रताप शाही ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया. इसमें पूर्व विधायक पहले तो मंत्री इरफान अंसारी के पुत्र कृष अंसारी के अस्पताल निरीक्षण करने की बात उठाते हुए कहते हैं कि आप तो मंत्री थे, बेटा को भी मंत्री का पावर दे दिये. इसके बाद वह कहते हैं बेटे का नाम अच्छा रखे हैं कृष, अगर कृष की जगह पर कृष्ण नाम होता तो और अच्छा होता. हम लोग इसे घर वापसी मांगते. विचार कीजिए और कृष का नाम कृष्ण कर दीजिए. आइये हनुमान चालीसा पढ़ते हैं दोनों भाई।

मालूम हो बीते दिनों इरफान अंसारी के पुत्र कृष अंसारी अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे थे. निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के कर्मियों को कई दिशा-निर्देश भी दिये. अस्पताल निरीक्षण के दौरान वीडियो बना कर इसे सोशल मीडिया पर शेयर भी किया गया. देखते ही देखते यह वीडियो वायरल हो गया और राज्य में चर्चा का विषय बन गया.

मंत्री इरफान अंसारी ने दी प्रतिक्रिया : इस पूरे मामले पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी की प्रतिक्रिया भी सामने आयी है. उन्होंने कहा मेरे पुत्र कृष अंसारी को लेकर जो बातें कुछ मीडिया माध्यमों और राजनीतिक मानसिकता के लोगों द्वारा फैलायी जा रही हैं, वह पूरी तरह निराधार, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण है. कृष एक पढ़ा-लिखा, संवेदनशील और होनहार छात्र है. वह अभी छुट्टियों में रांची आया हुआ है. उसने इंसानियत और संवेदनशीलता के भाव से किसी की तकलीफ कम करने की कोशिश की है. वह रिम्स में किसी निरीक्षण या नेतागीरी के लिए नहीं गया था. वह कुछ आदिवासी परिवारों की मदद करने के साथ ही अपने शिक्षक आदित्य कुमार झा के पिता को देखने गया था, जो रिम्स में भर्ती हैं.

सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 301 दिव्यांग बच्चों के लिए गुड न्यूज, शिक्षा विभाग देगी सहायक उपकरण

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग बच्चों के लिए बड़ी खबर है. 1800 स्कूल के 301 विद्यार्थियों की जांच के बाद सभी को सहायक उपकरण मिलेंगे. जानकारी के अनुसार, समावेशी शिक्षा के अंतर्गत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद विद्यार्थियों की जांच के बाद उन्हें उपकरण मुहैया कराएगा. इसमें कक्षा एक से 12वीं तक के स्टूडेंट्स को शामिल किया गया है. इसके जांच शिविर को लेकर शिक्षा विभाग ने शेड्यूल तैयार किया है.

शेड्यूल के मुताबिक, सबसे पहले विष्णुगढ़ में 30 जुलाई से जांच शिविर की शुरुआत होगी. वहीं, केरेडारी में 31 जुलाई को शिविर लगाया जायेगा. शेष प्रखंडों में एक अगस्त से शिविर शुरू होगा. जबकि, इसका अंतिम जांच शिविर टाटीझरिया प्रखंड में 20 अगस्त को लगेगा. 16 प्रखंड में सबसे अधिक कटकमसांडी प्रखंड में 40 दिव्यांग विद्यार्थियों की पहचान की गई है. वहीं, सबसे कम चार विद्यार्थी कटकमदाग प्रखंड में चिन्हित हैं.

यह अभियान राज्य स्तर पर 16 जून से शुरू है. इसका समापन एक सितंबर 2025 को किया जायेगा. दूसरे पाठ में दिसंबर महीने से फरवरी 2026 तक शिविर आयोजित करने का निर्णय विभागीय स्तर पर लिया गया है. बता दें कि जांच शिविर के सफल आयोजन को लेकर राज्य स्तर पर गठित पांच सदस्यीय टीम में विशेषज्ञ शामिल हैं. विशेषज्ञ बारी-बारी से सभी शिविरों में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे.

समावेशी शिक्षा को बनाया जा रहा बेहतर- डीईओ

हजारीबाग के डीईओ सह प्रभारी क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक प्रवीण रंजन ने कहा जिले भर में समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसे बेहतर बनाया जा रहा है. जांच के बाद सभी को सहायक उपकरण मुहैया की जायेगी. शिविर में विद्यार्थियों के अभिभावकों से मिलकर शिक्षा अधिकारी उनकी समस्या को जानने एवं समझने का प्रयास भी करेंगे.

रांची और खूंटी में कांग्रेस का संगठन सृजन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

पंचायत एवं बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का संकल्प

रांची, एजेंसी। संगठन सृजन वर्ष 2025 को लेकर रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी ने आज पुराने विधानसभा सभागार में संगठन सृजन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में रांची ग्रामीण और खूंटी जिला ग्रामीण के प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष उपस्थित थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में रांची जिला ग्रामीण के मंडल अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस बार राज्य से लेकर पंचायत तक पार्टी पदाधिकारियों को कुल लगभग 54 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किए गए हैं, जो अगले 03 वर्षों तक प्रभावी रहेंगे। इस कार्यक्रम में शामिल हुए सभी प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया गया। अपने संबोधन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कर्नाटक के बेलगाम में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था, उस अधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि 2025 संगठन सृजन कार्यक्रम का कार्य वर्ष होगा। कांग्रेस संगठन सृजन के तहत झारखंड में पिछले 03 महीने से हर जिले में संगठन सृजन का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब आप लोग यहां से प्रशिक्षण के लिए जाएंगे तो मुझे विश्वास है कि आप सभी रांची ग्रामीण और खूंटी जिले में संगठन सृजन के तहत पार्टी को मजबूत करने में सफल होंगे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आपको राज्य स्तर या जिला स्तर से जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, आप उसका पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज कांग्रेस पार्टी ही है जो हर वर्ग, हर तबके की लड़ाई लड़ रही है। चाहे बात ओबीसी की हो या आदिवासी समुदाय की। चाहे बात दलित की हो या गरीब सवर्णों की। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी लगातार सदन से लेकर सड़क तक सबके लिए लड़ रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में कर्नाटक में ओबीसी कार्यसमिति परिषद की बैठक हुई थी जिसमें मैंने भी भाग लिया था, वहां देशभर से ओबीसी नेताओं ने भाग लिया था और आगामी 25 जुलाई को ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, झारखंड से भी ओबीसी समाज के नेता बड़ी संख्या में न्याय सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंचेंगे और इसे सफल बनाने में मदद करेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि संगठन सृजन कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम पंचायत समिति को और अधिक सशक्त और मजबूत बनाना है। आज जिस तरह से भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है, भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है, आपने देखा होगा कि पूरे देश में संविधान बचाओ रैली हुई थी, जिसमें हमने झारखंड के हर जिले में संविधान बचाओ रैली सफलतापूर्वक संपन्न की। धुर्वा के शहीद मैदान में संविधान कार्यक्रम में हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष आए थे। उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में अगर आम लोगों की समस्याओं को कोई समझता है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी है। अगर पूरे देश में कोई बदलाव ला सकता है तो वह राहुल गांधी हैं।

झारखंड सरकार में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि हमें संगठन में ऐसे लोगों को जगह देनी चाहिए जो काम करना चाहते हैं। अगर प्रखंड अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष काम नहीं करते हैं, तो उन्हें हटाकर दूसरों को मौका देना चाहिए। अगर हम संगठन सृजन कार्यक्रम पूरी ईमानदारी से नहीं करेंगे, तो हम पंचायत, गाँव स्तर पर अपने संगठन को मजबूत नहीं कर पाएँगे। हमें राहुल गांधी के दिखाए रास्ते पर चलना होगा। हमें हर गांव, हर पंचायत में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा से लोगों को अवगत कराना होगा। हमें ग्राम सभा स्तर पर जाकर सरना धर्म कोड की मांग रखनी होगी। हमें धन कानून के बारे में लोगों को जागरूक करना होगा।

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 20-07-2025 21:46 Page 1

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार युवक-युवती को कुचला

▶ उग्र ग्रामीणों ने किया सड़क जाम ▶ दोनों स्वच्छता कर्मी किसी का कर रहे थे इंतजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। डुमरांव-विक्रमगंज एनएच-120 पर शुक्रवार की सुबह खलवाइनार गांव के पास दर्दनाक हादसे में दो स्वच्छता कर्मियों की मौत हो गई।

बालू लदे एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़े बाइक सवार युवक और युवती को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल युवती ने पटना एम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मृतक की पहचान खलवाइनार निवासी रंजन कुमार सिंह (30 वर्ष) के रूप में हुई है, जो डुमरांव प्रखंड में स्वच्छता पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत थे। वहीं, घायल युवती प्रियंका कुमारी (27 वर्ष) उत्तर प्रदेश के रायबरेली की रहने वाली है और स्वच्छता सर्वेक्षण टीम की सदस्य थीं।

दोनों स्वच्छता कर्मी किसी अधिकारी के आने का इंतजार कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। घटना के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया, जबकि खलासी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मौके पर पहुंचे डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुशवाहा ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

हादसे से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य सड़क को जाम कर प्रदर्शन किया। सूचना मिलते ही डुमरांव और कोरान सराय थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी के नेतृत्व में स्थिति पर काबू पाया गया। बीडीओ संदीप पांडेय और प्रभारी सीओ दिनेश कुमार ने समझा-बुझाकर जाम हटवाया और पीड़ित परिवार को मुआवजा एवं स्वच्छता विभाग में नौकरी का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की निगरानी बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

हाथियों ने किया शहर का रुख, दहशत

लातेहार। झारखंड में ग्रामीण क्षेत्रों मे आए दिन हाथियों के झुंड आने और लोगों के घर फसल आदि के नुकसान की खबर आती रहती है, लेकिन अब हाथियों ने शहर की ओर रुख कर लिया है। लातेहार शहर में जंगली हाथी के प्रवेश से लोगों में दहशत का माहौल है।

स्थानीय लोगों के अनुसार यह हाथी सबसे पहले शनिवार रात सबानो रोड में देखा गया। सुबह तकरीबन तीन बजे इसे लातेहार सब्जी मार्केट, सदर अस्पताल के पास बैठे हुए देखा गया। वहां सब्जी लेने आए एक व्यक्ति को उसने दौड़ा भी दिया। इसके बाद हाथी धर्मपुर पहुंचा। जहां यह पुराने पुलिस लाइन के पीछे शिव मंदिर और आंगनबाड़ी के पास देखा गया। कुछ लोगों ने बताया कि हाथी स्टेडियम की ओर भी गया था।

फिलहाल, हाथी को नवोदय विद्यालय रोड, रेलवे स्टेशन समेत शहर के कई अलग अलग स्थानों पर देखा जा रहा है। शहर में हाथी के आने-जाने से नागरिकों में डर का माहौल है। लोग घरों से बाहर निकलने में डर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से हाथी को सुरक्षित तरीके से खदेड़ने और नियंत्रण में लेने की मांग की है।

उल्लासपूर्ण मनाया गया सावन महोत्सव

महिलाओं ने पारंपरिक गीत-संगीत, व्यंजन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। सावन की हरियाली और उत्सव की उमंग के बीच रविवार को स्वर्ण जयंती पार्क का माहौल उल्लास और संस्कृति के रंगों से सराबोर हो गया। संत विनोबा नगर की महिलाओं ने यहां भव्य सावन महोत्सव का आयोजन कर न केवल पारंपरिक विरासत को जीवंत किया, बल्कि सामाजिक सौहार्द और महिला सशक्तिकरण का भी संदेश दिया।

महिलाएं पारंपरिक पोशाकों में सज-धज कर पहुंचीं और झूले, लोकगीत, नृत्य व हँसी-खुशी से सावन के मौसम का स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरूआत हरियाली गीतों और झूला रस्म से हुई, जिसके बाद पूरे पार्क में सांस्कृतिक रंग बिखर गए।

कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में मेंहदी प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस शो, सावनी लोकगीतों की प्रस्तुति, और पारंपरिक खेल शामिल रहे। इसके साथ ही, महिलाओं द्वारा तैयार किए गए पारंपरिक व्यंजनों की भी आकर्षक प्रदर्शनी और वितरण किया गया, जिसमें पूड़ी, खीर, दाल पिट्ठी, ठेकुआ, और अन्य स्थानीय स्वादों ने लोगों को खूब लुभाया।

इस आयोजन में बिनीता सिन्हा, रंजीता सिन्हा, संगीता गोप, दिव्या कुमारी, दीपमाला, गुड़िया, अनु सिंहा, प्रीति कुमारी, शमीर्ला कुमारी, आशा मेहता, मोनिका गोप, बेबी कुमारी सहित दर्जनों महिलाओं ने भाग लिया। सभी महिलाओं ने मिलकर आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और एकजुटता का परिचय दिया।

सभी महिलाओं ने एक-दूसरे को हरियाली तीज की शुभकामनाएं दीं और बताया कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और परंपरा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। आयोजन का उद्देश्य नारी शक्ति को संगठित कर एक मंच देना, लोक संस्कृति का संरक्षण, और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना रहा। सावन के गीतों, पारंपरिक व्यंजनों और उत्साह से भरे इस महोत्सव ने न सिर्फ महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच दिया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखने का संकल्प भी दोहराया।

श्री गुरु हरकिशन देव जी महाराज का मनाया गया प्रकाश दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सिखों के आठवें गुरु श्री गुरु हरकिशन देव जी महाराज का प्रकाश दिवस स्टेशन रोड स्थित गिरिडीह मुख्य गुरुद्वारे में गुरु पर्व के रूप में पूरे परंपरागत तरीके से मनाया गया।इस अवसर पर सुबह से ही श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा पहुंचकर माथा टेका। इसे लेकर गुरुद्वारे में सुबह से ही शब्द कीर्तन का दौर जारी रहा। मौके पर यमुनानगर हरियाणा से आए भाई प्रीतम सिंह और उनकी पार्टी द्वारा शब्द कीर्तन प्रस्तुत किए गए ।जिसका श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद उठाया ।वहीं इस दौरान भव्य रूप से लंगर का भी आयोजन किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में सिख समुदाय के अलावा अन्य समुदाय के लोगों ने भी लंगर छका । वंही इस मौके पर श्री गुरु सिंह सभा गिरिडीह के प्रधान डॉक्टर गुणवंत सिंह मोंगिया ने सभी गिरिडीह वासियों को श्री गुरु हरकिशन देव जी महाराज के प्रकाश दिवस की बधाई दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री गुरु सिंह सभा गिरिडीह के प्रधान डॉक्टर गुणवंत सिंह मोंगिया, सचिव सरदार नरेंद्र सिंह शममी, डॉक्टर अमरजीत सिंह सलूजा, सरदार देवेंद्र सिंह सरदार चरणजीत सिंह सलूजा, सरदार भूपेंद्र सिंह दुआ, सरदार परमजीत सिंह दुआ,सरदार चरणजीत सिंह सलूजा, कुशल सलूजा सहित कई गणमान्य लोग का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

तैलिक साहू सभा के महिला प्रकोष्ठ ने किया सावन मिलन समारोह का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज जिला तैलिक साहू सभा (महिला प्रकोष्ठ) के द्वारा हुट्टी बाजार प्रांगण में सावन मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसका नेतृत्व महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुचिता देवी ने किया कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन तथा भामाशाह की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। जिसमें अध्यक्ष के अलावे महा सचिव विनीता सहित सभी महिला पदाधिकारियों ने सहभागिता निभाई। इसके उपरांत गणेश वंदना के मधुर सुरों से कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ।

महिला अध्यक्ष सुचिता देवी ने अपने संबोधन में सावन माह की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह माह वर्ष का सबसे पवित्र और मनोहारी समय होता है, जिसमें शिव भक्त भक्ति में लीन रहते हैं।

उन्होंने कहा कि सावन की बारिश और हरियाली से सजी धरती सभी के मन को शांति और आनंद प्रदान करती है। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के मनोरंजक खेलों और सौंदर्य प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। बढ़ा।

कार्यक्रम की सफलता में सभी महिला सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। मार्गदर्शन मंडल की मीरा देवी, गीता देवी, मधु देवी, नीतू साहू, उपाध्यक्ष खुशबू कुमारी, सचिव पिंकी साह, शिल्पी साह, रूबी शाह, सुष्मिता शाह, रानी कुमारी, युवा अध्यक्ष सोनी साह, संगठन मंत्री डोली कुमारी, सुनीता देवी, सरस्वती देवी, कंचन कुमारी, किरण देवी, जयंती देवी, रंजू देवी, सीमा देवी, प्रमिला देवी तथा दीपा कुमारी की उपस्थिति और सहयोग से यह आयोजन सफल बन सका। मंच संचालन सोनी साह ने किया कोषाध्यक्ष माधुरी गुप्ता, पुनम साव इसके अलावा करीब 100 महिलाऐं उपस्थित रहीं।

मनायी गयी मो. अजीज की जयंती

गिरिडीह । एकता कल्चरल फाउंडेशन महान गायक मो अजीज के 71 वें जन्म दिन के अवसर पर,सानू कैंपस छ नंबर में कार्यक्रम करवा रहा है,जिसमें बाहर से बड़े-बड़े कलाकार के साथ स्थानीय कलाकार भी मौजूद रहेंगे। इस बात की जानकारी फाउंडेशन के अध्यक्ष सानू ने दी। उन्होंने कहा कि गिरिडीह में एकता कल्चरल फाउंडेशन संगीत प्रेमियों का संस्था है जिसने बहुत कम समय में झारखंड में अपनी पहचान बनायी है। संस्था के चेयरमैन राजेश सिन्हा ने कहा जिला में ही नहीं एकता कल्चरल फाउंडेशन का राज्य भर में नाम है। फाउंडेशन,सचिव कासिम खान ने कहा गिरिडीह को बदलने के लिए हमलोगों ने संस्था बनाई है। वही ज्वाइंट सेक्रेट्री पंकज शर्मा,ट्रेजरर सुभाष कुमार ने कहा कि कलाकारों के लिए बड़ा स्टेज है पिछले दो सालों में 50 के लगभग कार्यक्रम का रिकॉर्ड है। बैठक में उपस्थित थे बब्लू सानु, कासिम खां, सुभाष कुमार, विक्रम शर्मा, ताहिर इमाम, आजाद अजीज, बाबू, कादिर, संदीप अग्रवाल, नवाजिश, अख्तर अनवर, कुनाल किशोर, तौसीफ, बाबू, सैयुम, शमीम, मुन्ना आदि मौजूद रहे।

मातृत्व सदर अस्पताल में परिजनों का हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। चैताडीह स्थित मातृत्व सदर अस्पताल एक बार फिर सवालों के घेरे में है। अस्पताल परिसर में शनिवार को परिजनों ने जमकर हंगामा किया और डॉक्टरों व अस्पताल कर्मियों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए। जानकारी के अनुसार, बगोदर प्रखंड के तारनारी निवासी हुलास विश्वकर्मा की बहन का आठ दिन पूर्व अस्पताल में ऑपरेशन के माध्यम से प्रसव हुआ था। हुलास ने बताया कि प्रसव के बाद से ही उनकी बहन अस्पताल में भर्ती है, लेकिन स्थिति दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। आरोप है कि ऑपरेशन में संक्रमण फैल गया है। बावजूद इसके चिकित्सकों ने न तो परिवार को स्थिति की जानकारी दी और न ही समय रहते इलाज किया। अब स्थिति गंभीर होने पर मरीज को रेफर किया जा रहा है। हुलास विश्वकर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि ऑपरेशन के नाम पर उनसे 5000 रुपये भी वसूले गए।केवल हुलास ही नहीं, मौके पर मौजूद अन्य प्रसूताओं के परिजनों ने भी अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। एक प्रसूता की मां ने बताया कि उनकी बेटी के ऑपरेशन के बाद भी संक्रमण हो गया है और जब भी वे अस्पताल कर्मियों से शिकायत करते हैं, कोई उनकी बात नहीं सुनता परिजनों ने प्रशासन से संबंधित चिकित्सकों और कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं, अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।मामले ने जिले के स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

सहायक अध्यापकों ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। आज गिरिडीह विधान सभा क्षेत्र के विधायक सह झारखंड सरकार के मंत्री नगर विकास एवं उच्च तकनीकी शिक्षा व पर्यटन विभाग सुदिव्य कुमार सोनू को गिरिडीह के सहायक अध्यापकों ने समान काम का समान वेतन की आकांक्षाओं को जल्द पूरा करने एवं अन्य समस्याओं के निदान को लेकर आज जिला महासचिव सुखदेव हाजरा के नेतृत्व में एक माँग पत्र सौंपा।

ज्ञापन में राज्य के सभी सहायक अध्यापकों को समान काम के बदले समान वेतन का लाभ दिया जाय, मृत सहायक अध्यापकों के आश्रित को अनुकंपा का लाभ दिया जाए, गत आंदोलन में रांची सहित विभिन्न थानों में सहायक अध्यापकों पर दर्ज मुकदमे को शीघ्र वापस लिया जाए पारा शिक्षकों की सेवा 60 से बढ़ा कर 62 वर्ष किए जाए, साथ ही 28अगस्त 2024 को पारा शिक्षकों के साथ हुए समझौते को अविलंब लागू किया जाए सहित सभी सहायक अध्यापकों को शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे बेहतर कार्य के बावजूद समान काम के बदले समान वेतन की उपलब्धियां हासिल करने में सरकार आनाकानी करती है तो 4 अगस्त से 7 अगस्त तक विधान सभा का घेराव करेंगे। जिसमें सारी जिम्मेदारी सरकार की होगी। मंत्री ने आश्वस्त किया कि उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक सरकार विचार करेगी। ज्ञापन समर्पित करने वालों में जिला महासचिव सुखदेव हाजरा के अलावा राज्य प्रतिनिधि मुख्तार अंसारी, गिरिडीह प्रखण्ड अध्यक्ष राजकुमार, सचिव मनोज कुमार शर्मा, अजय कुमार साव, नागेश्वर वर्मा, राजदेव तुरी, इद्रीश अंसारी, अजय सिंह, रूही निशा, सुनीता रजक, उषा मेहता, अंजू देवी, सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

विशेष सत्संग का आयोजन

खूंटी। जिले के महर्षि में ही आश्रम मलियादा और शबरी कुटिया शांतिपुरी मुरहू में सावन के महीने में संतों का विशेष सत्संग हो रहा है। रविवार को मलियादा आश्रम में ऋषिकेश आश्रम के स्वामी गंगाधर जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि माता -पिता, सास-ससुर और बड़े -बुजुर्गो का सम्मान करना भक्ति का पहला चरण है। भगवान श्री राम अपने सभी श्रेष्ठ जनों का सम्मान करते थे। उन्होंने कहा कि वेद भगवान कहते हैं कि ईश्वर प्रसवकर्ता है जिनको भूल जाने से पाप लगता है। ईश्वर भक्ति करने से बुद्धि उत्तम हो जाती है, तृष्णा की भूख मिटती है। उन्होंने कहा कि जहां सुमति होती है, वहां अनेक संपत्ति होगी। सद्गुरु महर्षि में हीं

जलस्तर बढ़ने से लोगों को परेशानी

हाजीपुर। गंगा नदी के जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि से राघोपुर प्रखंड के वासी काफी चिंतित हैं, प्रखंड के कई पंचायतों के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी भरकर तेजी से फैल रहा है। रूस्तमपुर लोहा पुल से सिक्स लेन जाने वाली रोड, शिव नगर बिंदा मार्केट से विश्राम ओला जाने वाली रोड एवं जुड़ावनपुर से चक सिंगार गांव जाने वाली रोड सहित कई सड़क पर बाढ़ का पानी भरने के कारण आवागमन बाधित हो गया।

वहीं, राघोपुर पश्चिमी पंचायत स्थित कमल सिंह संभल सिंह प्लस टू विद्यालय के निकट बाढ़ का पानी सड़क पर चढ़ने के कारण आवागमन में लोगों को परेशानी हो रही है। चक सिंगार पंचायत के लोगों का सड़क से संपर्क भंग हो चुका है। वहां हाई स्कूल चक सिंगार एवं प्राइमरी स्कूल रामबरन सिंह के टोला में पानी भर जाने के कारण बंद कर दिया गया है। वहीं डोमटोली स्कूल राघोपुर पश्चिम परिसर में दो तीन फीट पानी भर गया। स्थानीय लोग दूसरे गांव घूम कर अपने घर जाते हैं।

बूथ स्तर पर बीएलओ एवं सियासी दलों के साथ बैठक का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार के निर्देश के आलोक में कैमूर जिले में विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाता सूची की शुद्धता एवं पूर्णता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदान केंद्र स्तर पर बीएलओ द्वारा बैठक आयोजित की जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि जिन निर्वाचकों द्वारा अभी तक गणना प्रपत्र नहीं भरे गए हैं, उनकी जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। इन सूचियों को पहले ही विधानसभा स्तर पर आयोजित बैठकों में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ साझा किया जा चुका है।

निर्देशानुसार 20 एवं 21 जुलाई को मतदान केंद्र स्तर पर बीएलओ द्वारा संबंधित मतदान केंद्रों पर ही राजनीतिक दलों के स्थानीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें जिन मतदाताओं का गणना प्रपत्र जमा नहीं हुआ है, उनकी सूची साझा की जाएगी।सभी बीएलओ को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे उक्त सूची के आधार पर शेष बचे निर्वाचकों से व्यक्तिगत संपर्क कर गणना प्रपत्र भरवाने हेतु प्रेरित करें तथा तदनुसार पोर्टल पर अद्यतन प्रविष्टि सुनिश्चित करें।गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 26 जुलाई निर्धारित की गई है।इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी संबंधित निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में बीएलओ द्वारा आयोजित बैठक की निगरानी करें तथा इसकी सूचना व प्रतिवेदन जिला निर्वाचन शाखा को प्रेषित करें।

यह पहल मतदाता सूची की पारदर्शिता एवं समावेशिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

वारंटियों के खिलाफ गिरफ्तारी अभियान, दो धराए

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुदरा। स्थानीय पुलिस ने क्षेत्र वारंटियों के खिलाफ गिरफ्तारी अभियान चलाया। अभियान में अलग-अलग गावों के दो वारंटी धराए। धराए वारंटियों से पूछताछ के पुलिस ने भभुआ न्यायालय भेज दिया। थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि धराए वारंटियों में गोलउडीह गंब के बिगू चौधरी पिता स्व. कैलाश चौधरी व झलखोरिया गांव के बालेश्वर यादव पिता राम कवल यादव शामिल हैं।

सिपाही भर्ती परीक्षा संपन्न

भभुआ। केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) परीक्षा के दूसरे चरण के एकल पाली का आयोजन कैमूर जिले के 12 परीक्षा केन्द्रों पर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। परीक्षा के संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारी की गई थी, जिसके परिणामस्वरूप परीक्षा प्रक्रिया पूर्णतः शांतिपूर्ण, स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई।

एक पाली में आयोजित होने वाले परीक्षा में कुल 3174 अभ्यर्थियों को परीक्षा हेतु आमंत्रित किया गया था, जिनमें से 2028 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। उपस्थिति प्रतिशत लगभग 63.89% रही। परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि या विधि-व्यवस्था से संबंधित समस्या की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई, जिससे स्पष्ट है कि परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई।प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर नियुक्त दण्डाधिकारियों, केन्द्राधीक्षकों एवं पुलिस बल की तैनाती से परीक्षा की पारदर्शिता एवं शुचिता बनी रही। सभी केन्द्रों पर निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था एवं पर्याप्त संख्या में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल की तैनाती रही।

जन समाधान शिविर में पहुंचे सुदूरवर्ती लोग

एसडीपीओ ने छात्रों के बीच बांटे खेल एवं पाठ्य सामग्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हुसैनाबाद पलामू। हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती महुडंड पंचायत अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहबंधा के प्रांगण में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस प्रशासन द्वारा जन समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

जन समाधान शिविर का आयोजन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एस मोहम्मद याकुब व अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता और अभियान एएसपी राकेश सिंह, थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी के नेतृत्व में किया गया।

जन समाधान शिविर में उक्त पंचायत अंतर्गत लोहबंधा,नासोजमालपुर,नइया, सलैयाटीकर, केमो प्रतापपुर सहित महुडंड पंचायत के सभी गांवों से हजारों की संख्या में ग्रामीण जनता पहुंच कर अपनी - अपनी समस्याओं को लेकर शिविर में उपस्थित सभी पदाधिकारीयों को अवगत कराया। इस दौरान मौके पर ऐसे सैंकड़ों ग्रामीण जनता की समस्या को जन समाधान शिविर में ही ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया।

जन समाधान शिविर में अलग-अलग विभिन्न विभाग के दर्जनों स्टाल- स्वास्थ्य चिकित्सा, स्कूली शिक्षा, समाजिक सुरक्षा, आवास योजना, मनरेगा योजना,बाल विकास परियोजना, जमीनों का दाखिल खारिज आदि सम्बंधित स्टाल लगाए गए थे।

जन समाधान शिविर में अनुमंडल पुलिस प्रशासन द्वारा लोहबंधा सहित महुडंड पंचायत के सभी अन्य गांव के स्कूली छात्र एवं छात्राओं को पाठ्य सामग्री और खेल-कूद के रूप में फुटबॉल एवं गेंद व बल्ले की सामग्री वितरित किया गया।

जन समाधान शिविर के विशेष मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह आई.पीएस. एस मोहम्मद याकुब, अभियान ए एस पी राकेश सिंह,अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता,एलआर डीसी गौरांग महतो,थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी, बीडीओ सुनिल वर्मा, सीओ पंकज कुमार, महिला थाना प्रभारी पार्वती कुमारी, मुखिया मिना देवी, पंचायत समिति सदस्य रमेश राम, समाज सेवी शिवशंकर यादव आदि सहित हजारों की संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

विधायक ने जल जमाव का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ गिरिडीह भाया द्वारपहरी रोड स्थित इंदिरा गांधी मैदान के समीप सड़क पर जलजमाव की स्थिति का जायजा लिया। मंगलवार को जब इस समस्या की सूचना जमुआ विधायक मंजू कुमारी को मिली तो वे तुरंत स्थल पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। विधायक के जल जमाव स्थल पहुंचते ही स्थानीय लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर जुट गये। लोगों ने बताया कि पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है जिसके कारण घरों में भी पानी घुस जाता है। जलजमाव से निबटने के लिए स्थानीय लोग अपने-अपने सुझाव दे रहे थे। इस पर विधायक ने कहा कि ऐसा सुझाव दें जो व्यवहारिक हो। इस दौरान उन्होंने बताया कि पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता एवं अन्य वरीय अधिकारियों से बातचीत कर जल जमाव से निजात दिलाने का उन्होंने निर्देश दिया है। उन्होंने आम लोगों की परेशानी को देखते हुए विभाग के अधिकारियों को जमुआ विधानसभा क्षेत्र में जहां-जहां जलजमाव की स्थिति हैं, वहां जल्द से जल्द जलजलाव की समस्या से निजात दिलाने का निर्देश दिया।

गांजा तस्कर गिरफ्तार

पटना। दानापुर अनुमंडल क्षेत्र में रविवार को आर्मी इंटेलिजेंस (लखनऊ) और दानापुर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गांजा और हथियार के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। गिरफ्तार युवक दानापुर कैंट जैसे हाई-सिक्योरिटी जोन में गांजे की आपूर्ति करता था।

मिलिट्री इंटेलिजेंस की टीम को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि एक तस्कर दानापुर कैंट इलाके में नशीले पदार्थों की सप्लाई करता है। इसी क्रम में टेंपो स्टैंड और कैंट क्षेत्र के पास छापेमारी कर टीम ने मो. हाशिम (39 वर्ष), निवासी लाल कोठी, दानापुर को रंगे हाथ पकड़ा।

हाशिम के पास से 70 पॉकेट गांजा, 90 पीस 'गोगो गांजा', एक देसी पिस्टल और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। टीम के अनुसार, हाशिम पिछले छह महीनों से निगरानी में था और दानापुर कैंट क्षेत्र में गांजा की नियमित आपूर्ति करता था।

मिलिट्री इंटेलिजेंस लखनऊ की टीम पिछले एक साल से बिहार के विभिन्न जिलों में हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त गिरोहों पर लगातार कार्रवाई कर रही है।

22 प्रस्तावित प्रतियोगिताओं में पहले टूर्नामेंट का समापन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डाडी। प्रखंड में 16 जुलाई से प्रारंभ हुआ सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का आज गिद्दी मैदान में भव्य समापन हुआ। इस पांच दिवसीय प्रतियोगिता में प्रखंड के विभिन्न पंचायतों और गांवों से आई टीमों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। टूर्नामेंट के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता, खेल भावना, अनुशासन और टीम वर्क की भावना को बढ़ावा देने का सफल प्रयास किया गया। आज के फाइनल मुकाबले में बसरिया और रेलीगढ़ा के बीच रोमांचक खेल देखने को मिला। अंततः बसरिया की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 2-0 से जीत दर्ज कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

समापन समारोह के अवसर पर मुख्य रूप से एसके झा (महाप्रबंधक, अरगड्डा), अनुग्रह नारायण सिंह (परियोजना पदाधिकारी, सीसीएल, रेलीगढ़ा), पुरुषोत्तम पांडेय (सह-सांसद प्रतिनिधि, मांडू विधानसभा), सुमन देवी (उपप्रमुख, डाडी), गुंजन साव (डाडी मंडल सांसद प्रतिनिधि), बसंत प्रजापति (डाडी भाजपा मंडल अध्यक्ष)।

इसके अतिरिक्त क्षेत्र के अन्य गणमान्य लोग एवं खेल प्रेमी भी उपस्थित रहे, जिनमें सतीश सिंह, बृजकिशोर पाठक, चंदन सिंह, धर्मेंद्र यादव, श्यामसुंदर पांडे, अशोक कुमार, अनिल कुमार, राजबल्लभ सिंह, बसंत रवानी सहित कई अन्य लोग शामिल रहे। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की छुपी हुई प्रतिभाओं को मंच देना, युवाओं को नशामुक्ति और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और खेल के माध्यम से सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना रहा।

नीतीश कुमार को हल्के में लेना भूल, मुख्यमंत्री तो वही बनेंगे : महेश्वर हजारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की सियासत में एक बार फिर मुख्यमंत्री पद को लेकर बयानबाजी तेज हो गई है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी ने रविवार को साफ कह दिया कि चाहे फर्स्ट डिवीजन आए या थर्ड डिवीजन, मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही बनेंगे। उनके इस बयान को सीधे-सीधे एनडीए के भीतर और महागठबंधन दोनों के लिए सियासी संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। महेश्वर हजारी ने कहा कि कोई यह न समझे कि नीतीश कुमार 'डगरा के बैगन' हैं। बिहार की सियासत में कौन सरकार बनाएगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि नीतीश कुमार किधर खड़े हैं। महागठबंधन की ओर से लगातार यह दावा किया जा रहा है कि इस बार बीजेपी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव का कहना है कि बिहार की कमान अब भाजपा के हाथ में है। तेजस्वी ने हाल में कहा था कि नीतीश कुमार अब बीमार रहते हैं और फैसले लेने की हालत में नहीं हैं। उनकी जगह भाजपा सरकार चला रही है। तेजस्वी ने यह भी दावा किया था कि बीजेपी चुनाव में नीतीश कुमार के नाम पर वोट तो मांगेगी, लेकिन नतीजों के बाद उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। महेश्वर हजारी के बयान को तेजस्वी के इसी दावे का जवाब माना जा रहा है। जेडीयू नेता ने स्पष्ट कर दिया कि मुख्यमंत्री की कुर्सी पर वही बैठेंगे जिनके साथ नीतीश कुमार होंगे। दरअसल, एनडीए के भीतर भी मुख्यमंत्री पद को लेकर संशय बना हुआ है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह अब तक इस सवाल पर स्पष्ट जवाब नहीं दे रहे हैं। भाजपा के कुछ नेता भले ही नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बता रहे हों, लेकिन शीर्ष नेतृत्व के गोलमोल बयानों से असमंजस बना हुआ है। यही वजह है कि जेडीयू के भीतर बेचैनी है। महाराष्ट्र मॉडल की चर्चा बिहार में भी हो रही है। विपक्ष दावा कर रहा है कि नतीजों के बाद बीजेपी बिहार में भी वही रणनीति अपनाएगी जो महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के साथ अपनाई गई थी। चुनाव के पहले शिंदे मुख्यमंत्री थे, लेकिन परिणाम के बाद देवेंद्र फडणवीस की ताजपोशी कर दी गई थी। महेश्वर हजारी के ताजा बयान से यह संकेत साफ है कि जेडीयू ने भी अपनी रणनीति तैयार रखी है। संदेश साफ है– अगर बीजेपी ने कोई चालाकी की तो नीतीश कुमार के पास विकल्पों की कमी नहीं है। महागठबंधन को भी इशारा दिया गया है कि अगर परिस्थितियां बदलीं तो समझौते की बातचीत मुख्यमंत्री पद से ही शुरू होगी।

लालू-राबड़ी राज बिहार के लिए किसी दुर्भाग्य से कम नहीं : मंगल पांडेय

राजद अध्यक्ष लालू ने भ्रष्टाचार कर गरीबों को लूटा, आज भी उनका खौफ कायम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पांडेय ने लालू यादव व लालू राज पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार के लिए लालू-राबड़ी राज किसी अभिशाप से कम नहीं था। वह दौर राजनीति से लेकर सामाजिक स्तर तक बिहार के लिए सबसे बड़ा दुर्भाग्य था। लालू जी राजनीति के जोकर व बिहार की बर्बादी में अहम भूमिका निभाने वाले सबसे भ्रष्ट राजनेता रहे हैं। लालू जी के जमाने में पुलिस का इकबाल खत्म था। थाने में गाड़ी नहीं। गाड़ी रहती थी तो डीजल नहीं रहता था। पेट्रोलिंग नहीं होती थी। कभी भी जनकल्याणकारी योजनाएं धरातल पर नहीं उतरी। लालू जी के करीबियों का भी आतंक था। उनके शासन में हुए कई हत्याकांड लोगों को आज तक याद है। श्री पांडेय ने कहा कि बिहार में कोई व्यापार नहीं करना चाहता था। विकास की बात पूछने पर लालू जी सड़क किसी के गाल की तरह बनवाने लगते थे। बाढ़ पर कहते थे कि बाढ़ आने से घर में मछली आएगी। लोग पकाकर खाएंगे। सड़क बना देने से जानवरों के खुर खराब हो जाएंगे। उस दौर में किसी ने जमीन और कार खरीदी तो उसका अपहरण पक्का हो जाता था। डॉक्टर से लेकर इंजीनियर तक सब लोग दहशत में रहते थे। व्यापारियों को बदमाशों को पैसे देने पड़ते थे। श्री पांडेय ने कहा कि लालू जी के शासनकाल में लोग देर शाम घरों से बाहर नहीं रहते थे। लोग 6 बजे से पहले घर को लौट आते थे। ज्यादा देर हुई तो परिवार में कोहराम मच जाता था। पुलिस की ओर से जब भी कोई लाश बरामद होती थी, लोग अपनों के बारे में सोचने लगते थे। रोजगार और शिक्षा की बात गायब थी। इस विषय पर कोई बातचीत नहीं होती थी। 2005 के अंत में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बीजेपी के सहयोग से सरकार बनाई। उसके बाद चीजें बदलने लगीं।

अपराधियों में कानून का खौफ बढ़ा। स्पीडी ट्रायल ने अपना काम बखूबी किया। अभयानंद जैसे पुलिस अधिकारियों को खुली छूट दी गई। आंकड़े बताते हैं कि नीतीश जी के पहले कार्यकाल में 50 हजार अपराधी जेल भेजे गए। लालू के कार्यकाल में चार्जशीट दाखिल होना और अपराधियों का जेल जाना सपना था। नीतीश शासनकाल में स्पीडी ट्रायल के जरिए अपराधियों में खौफ पैदा किया गया। बिहार में लालू जी के नाम से ही दहशत आज भी है।

सुधीर कुमार सिंहा चुने गए निर्वाचन पदाधिकारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना जिला अधिवक्ता संघ की आम सभा के आगामी चुनाव के लिए निर्वाचन पदाधिकारी के पद के लिए हुए चुनाव में मतगणना के बाद आज सुधीर कुमार सिंहा को विजयी घोषित किया गया। पर्यवेक्षक सह बार काउंसलर सूर्यदेव यादव ने बताया कि बिहार स्टेट बार काउंसिल भवन में आज हुई मतगणना में 617 मत प्राप्त कर सुधीर कुमार सिंहा विजयी घोषित हुए जबकि उनके प्रतिद्वंदी मनोज कुमार पाठक को 399 मत प्राप्त हुए। दूसरी ओर तीन सदस्यीय समिति में 396 मत प्राप्त कर सदन कुमार एक नंबर पर रहे, दूसरे नंबर पर डॉ मृत्युंजय कुमार ने 354 मत प्राप्त किया जबकि 312 मत प्राप्त कर सुरेश प्रसाद निराला तीसरे स्थान पर रहे। निर्वाचन पदाधिकारी के लिए सिर्फ दो उम्मीदवार मैदान में थे जबकि तीन सदस्यीय समिति के लिए दस उम्मीदवारों ने अपना भाग आजमाया था। गौरतलब है कि जिला अधिवक्ता संघ पटना के आगामी आम सभा के चुनाव के लिए निर्वाचन पदाधिकारी के चुनाव में हुए विवाद के बाद बिहार स्टेट बार काउंसिल ने चुनाव के लिए तीन पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। बार काउंसलर बिंध्य केसरी सिंह, सूर्यदेव यादव और नीतू झा ने मत पत्रों से निर्वाचन पदाधिकारी और तीन सदस्यीय समिति का चुनाव कराने का निर्णय लिया था जिसके आलोक में शनिवार को जिला अधिवक्ता संघ के नए निर्माणाधीन भवन में मतदान हुआ था और रविवार को मतों की गिनती बार काउंसिल भवन में हुई।

निशांत ने जन्मदिन पर की पिता को फिर मुख्यमंत्री बनाने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार के आज 44 वें जन्मदिन के मौके पर जदयू का प्रदेश कार्यालय पोस्टरों से पट गया। वहीं अपने जन्मदिन के मौके पर रविवार को निशांत कुमार सुबह-सुबह पटना के महावीर मंदिर पहुंचे जहां पूजा-अर्चना के साथ-साथ भगवान भोले नाथ का रुद्रा अभिषेक भी किया। इस दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए निशांत कुमार ने बिहार की राजनीति पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज मेरा जन्मदिन है। भगवान का आशीर्वाद लेने आया हूं। मेरी जब मां थीं तो वह हर साल पूजा करवाती थी और अब वो हमारे बीच नहीं हैं, इसलिए पिताजी जारी रखे इस क्रम को। इस दौरान निशांत ने कहा कि सारी जनता से अनुरोध है कि चुनाव नजदीक है आप सभी एनडीए को जितवाइए, पिताजी को मुख्यमंत्री बनाएं। उन्होंने कहा कि अभी एक करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी रोजगार की बात हो रही है और 35 फीसदी महिला आरक्षण दिया। इधर 21 हजार पुलिसकर्मी को भर्ती किया। 125 यूनिट बिजली फ्री दे रहे हैं। यही सब विकास चल रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार के विकास के लिए पिता जी लगातार काम कर रहे हैं। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर निशांत ने कहा कि सरकार सभी मामलों को देख रही है। दोषियों पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं मंदिर में आराधना के बाद निशांत कुमार मुख्यमंत्री आवास पहुंचे जहां उन्होंने अपने पिता से मुलाकात की। दोनों की भावुक कर देने वाली तस्वीरें भी सामने आई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बेटे को आशीर्वाद देते दिखे। नीतीश कुमार ने निशांत को गले लगाया। दोनों की तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाई सतीश कुमार भी मौजूद थे। इसके पहले महावीर मंदिर में मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान निशांत ने कहा कि आज उनकी जन्मदिन है और उनकी मां जब इस दुनिया में थीं तो वो उनके हर जन्मदिन पर पूजा कराती थी। अब उनके पिता इस क्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। उधर जदयू कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर में निशांत कुमार की तस्वीर को प्रमुखता से छापी गई। उन्हें एक प्रभावी नेता के तौर पर दिखाया गया। पोस्टर में बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा गया है 'बिहार की मांग सुन लिए निशांत, बहुत-बहुत धन्यवाद!' साथ ही उन्हें 'भविष्य का नेता' बताया गया है। इस पोस्टर को लेकर अब चर्चा तेज हो गई है कि निशांत कुमार बिहार की सक्रिय राजनीति में एंट्री लेने जा रहे हैं। इतना ही नहीं बिहार विधानसभा चुनाव में भी उनकी अहम भूमिका होगी। हालांकि जदयू या फिर पार्टी के किसी भी नेता की ओर से इसे लेकर आधिकारिक रूप से बयान नहीं आया है। लेकिन निशांत कुमार के जन्मदिन के मौके पर हलचल तेज हो गई है। हालांकि निशांत कुमार राजनीति में आने से हमेशा इनकार ही करते रहे हैं।

वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिग में बिहार के सत्यप्रकाश को गोल्ड, एवं अभय सुंदर को सिल्वर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। 12 वीं वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिग एंड इंक्लाइन बेंच प्रेस प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 19 जुलाई 2025 तक हुआ। थाईलैंड में किया गया इस प्रतियोगिता में बिहार से तीन प्रतिभागियों एवं एक तकनीकी पदाधिकारी का भारत दल में चयनित किया गया जिसमें की सत्यप्रकाश ने मास्टर 85 किलो भार वर्ग में 75 किलो भार उठाकर प्रथम, बीएसएनएल, पटना में कार्यरत अभय सुंदर ने मास्टर +95 किलो भार वर्ग में 100 किलो भार उठाकर द्वितीय, सुरेश कुमार 76 किलो वर्ग में 85 किलो उठाकर चौथा स्थान प्राप्त किए एवं पटना जी पी ओ में कार्यरत उपेन्द्र कुमार को वर्ल्ड स्ट्रेंथ लिफ्टिग फेडेरेशन की ओर से तकनीकी पदाधिकारी के रूप में सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर पूर्व विधान पार्षद एवं वर्तमान में अध्यक्ष बिहार धार्मिक न्यास बोर्ड डॉ रणवीर नन्दन एवं बिहार स्ट्रेंथ लिफ्टिग संघ के सचिव मनोज कुमार, संघ के सभी पदाधिकारियों में बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

एचडीएफसी बैंक का पहली तिमाही में 18155.21 करोड़ मुनाफा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश के सबसे बड़े निजी ऋणदाता बैंक, एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को वित्त वर्ष 26 की अपनी पहली तिमाही के नतीजे घोषित किए। बैंक के नतीजे शानदार रहे। टैक्स के बाद बैंक का प्रॉफिट रूपये 18,155.21 करोड़ रहा जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के रूपये 16,174.75 करोड़ की तुलना में 12.24 प्रतिशत अधिक है। शानदार नतीजों के साथ-साथ बैंक ने अपने शेयरधारकों को तोहफा दिया है। बैंक ने अंतरिम डिविडेंड और बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। जून में समाप्त तिमाही में बैंक ने रूपये 77,470 करोड़ का इंटरेस्ट इनकम दर्ज की। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में दर्ज रूपये 73,033 करोड़ से 6 प्रतिशत अधिक है। एचडीएफसी बैंक का ब्याज खर्च कुल रूपये 46,032.23 करोड़ रहा। पिछले साल यह रूपये 43,196 करोड़ था। इसमें 6.6 प्रतिशत की वृद्धि रही। एचडीएफसी बैंक ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय (अर्जित ब्याज और व्यय किए गए ब्याज के बीच का अंतर) 5.4 प्रतिशत बढ़कर रूपये 31,439 करोड़ हो गई। यह 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए रूपये 29,839 करोड़ थी। एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ने वित्त 5 रुपये प्रति शेयर के विशेष अंतरिम लाभांश और 1:1 बोनस इश्यू की भी मंजूरी दे दी है। यह विशेष अंतरिम लाभांश उन शेयरधारकों को दिया जाएगा जिनके नाम 25 जुलाई तक रजिस्टर में दर्ज हैं और भुगतान 11 अगस्त को निर्धारित है। बोनस इश्यू, शेयरधारक और विनियामक अनुमोदन के अधीन है। शेयरधारकों को प्रत्येक शेयर के बदले एक बोनस शेयर मिलेगा जिसकी रिकॉर्ड तिथि 27 अगस्त निर्धारित की गई है। अगर 27 अगस्त से पहले आपने इसके शेयर खरीद लिए तो आपको भी बोनस शेयर का लाभ मिलेगा।

बिहार के छह छोटे हवाई अड्डों को मिलेगा नया जीवन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। केन्द्र सरकार की उड़ान योजना के तहत बिहार में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को मजबूती प्रदान करने के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। इस योजना के तहत राज्य के छह छोटे हवाई अड्डों मधुबनी, सहरसा, बीरपुर (सुपौल), वाल्मिकीनगर (प. चंपारण), मुंगेर और मुजफ्फरपुर को विकसित किया जा रहा है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की ओर से चयनित एयरलाइन स्प्रिट एयर एलएलपी को इन रुटों पर संचालन के लिए इच्छा-पत्र जारी किया गया है। स्प्रिट एयर इन हवाई अड्डों को बिहटा एयरपोर्ट और वाराणसी से जोड़ने वाले विभिन्न क्षेत्रीय मार्गों पर विमान सेवाएं शुरू करेगी। यह पहल सीमांचल, मिथिलांचल, तिरहुत और अंग क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाएगी और इन पिछड़े क्षेत्रों में आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन विकास को गति देगी। इस सिलसिले में बिहार के मुख्य सचिव अमृतलाल मीणा ने कहा कि यह राज्य के लिए गर्व की बात है कि हम एक साथ छह छोटे हवाई अड्डों को पुनर्जीवित कर रहे हैं। इससे स्थानीय नागरिकों को सस्ती और सुलभ हवाई सेवा प्राप्त होगी और राज्य का संपर्क देश के अन्य हिस्सों से सुदृढ़ होगा।

कांग्रेस के रोजगार मेला में युवाओं का उमड़ा सैलाब

बिहार के युवाओं को भाषण नहीं रोजगार चाहिए : राहुल गांधी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने कहा कि विपक्ष में होने के बावजूद युवा कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी से प्रेरणा लेकर बिहार के युवाओं के लिए रोजगार उपलब्ध करा रही है, अगर नियत साफ हो तो सब हासिल किया जा सकता है। बिहार युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने कहा कि पटना के ज्ञान भवन में हुए महा रोजगार मेले में प्राइवेट कंपनियों ने युवाओं के इंटरव्यू लिए, कंपनियां जैसे टाटा अलायन्स, फ्लिपकार्ट, जिप्टो, वोल्टास, टेक महिंद्रा, पेटीएम, आदित्य बिरला, हिटाची, अर्बन क्लैप जैसी 190 कंपनियां इस रोजगार मेले में शामिल हुई। इस दौरान रोजगार मेले में लगभग 48000 युवाओं ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया, लगभग 20000 से ज्यादा युवाओं के इंटरव्यू हुए और लगभग 10,836 से ज्यादा युवाओं को हाथों हाथ जॉब लेटर मिले। इसके साथ ही साथ कई युवाओं को कंपनियों के एचआर द्वारा दूसरे राउंड के लिए भी आमंत्रित किया गया है। बिहार में बेरोजगारी सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक लंबा इंतजार है जो आज पटना के ज्ञान भवन में उमड़ी इस भीड़ में साफ दिखता है जब डबल इंजन सरकार ने नौकरियों के रास्ते बंद कर दिए, तब राहुल गांधी के निर्देश पर युवा कांग्रेस ने बिहार के बेरोजगार युवाओं के लिए उम्मीद का दरवाजा खोला है। डबल इंजन सरकार ने जिन युवाओं को अनदेखा किया, उनके साथ आज कांग्रेस खड़ी है। मैं बिहार के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम दिल से आभार व्यक्त करता हूं जिनके सहयोग से इस आयोजन को सफलता मिली। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब जी और बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू को भी धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि बिहार के युवाओं के दर्द समझते हुआ महा रोजगार मेला का आयोजन पटना में किया।

दबंगों ने फ्लैट पर जबरन कब्जा करने का किया प्रयास, मारपीट कर किया जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। दबंगों ने दिव्यांग का फ्लैट पर जबरन कब्जा करने के दौरान मारपीट कर जख्मी कर दिया गया। जख्मी को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह मामला रूपसपुर थाने के सौभाग्य शर्मा पथ के शांति रेसिडेंसी अपार्टमेंट का है। इस संबंध में दिव्यांग केशव रंजन सिंह की पत्नी सुलेखा सिंह ने पूर्व में लिखित शिकायत भी की थी। जख्मी केशव रंजन ने बताया कि सौभाग्य शर्मा पथ में शांति रेसिडेंसी अपार्टमेंट के ब्लॉक बी में फ्लैट संख्या 106 है। उन्होंने बताया कि पितुराज कुमार उर्फ हनी अपने एक दर्जन समर्थकों के साथ रविवार को शाम में मेरे फ्लैट में जबरन घुसकर मुझे और मेरी पत्नी व भगीना के ससुर के साथ मारपीट किया और जान मारने की धमकी दिया है। जबरन फ्लैट पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में अपने फ्लैट को किराये पर सुंदरम नामक व्यक्ति को दिये थे। उसने पितुराज कुमार को फ्लैट देकर गायब हो गया है। पितुराज ने फर्जी एंग्रीमेंट बनाकर जबरन फ्लैट पर कब्जा करने का प्रयास कर रहा है।

योजनाओं पर तेजी से हो कार्य , गुणवत्ता से न हो समझौता : मंत्री अशोक चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी की अध्यक्षता में विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के साथ मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने विभागीय बैठक में निर्देश दिया कि वर्ष 2025-26 की योजनाओं का त्वरित चयन कर टेंडर निष्पादन में तेजी लायी जाए। जिन योजनाओं का टेंडर पूरा हो चुका है, उनका कार्य अविलंब शुरू कराया जाए। इस बैठक में योजनावार ग्रामीण सड़कों/पुलों के निर्माण की अद्यतन स्थिति पर चर्चा की गई। साथ ही ग्रामीण पथों की नवीनीकरण और उन्नयन पर भी मंथन किया गया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणाओं की प्रगति पर भी विस्तार से चर्चा की गई। आंकड़ों के मुताबिक अब तक विभिन्न योजनाओं के तहत कुल 1,41,812 किमी से अधिक सड़क और 3,847 पुलों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से 1,18,886 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। वहीं 2,201 पुलों का निर्माण भी पूरा कर लिया गया है। राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा 2024-25 के दौरान की गई घोषणाओं और उनसे जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मीटिंग के दौरान विभागीय मंत्री ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी स्वीकृत योजनाओं का क्रियान्वयन तेजी से सुनिश्चित किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की रफ्तार बनी रहे। उन्होंने योजनाओं की समय सीमा तय कर नियमित मॉनिटरिंग के साथ-साथ निर्माण कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं करने का निर्देश दिया।

15 देशों के भिक्षुओं की मौजूदगी में होगा स्मृति स्तूप का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वैशाली में बन रहे बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का उद्घाटन जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर दुनिया के 15 बौद्ध देशों जैसे चीन, जापान, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल, तिब्बत, म्यांमार, मलेशिया, भूटान, वियतनाम, कंबोडिया, मंगोलिया, लाओस, बांग्लादेश और इंडोनेशिया ऽ से बौद्ध भिक्षु वैशाली पहुंचेंगे।

550.48 करोड़ की लागत से 72 एकड़ भूमि पर बना यह स्तूप परिसर पवित्र पुष्करणी तालाब और मड स्तूप के समीप विकसित किया गया है। वर्ष 1958-62 में हुई खुदाई में प्राप्त भगवान बुद्ध का अस्थि कलश इस स्मारक का मुख्य आकर्षण होगा जिसे संग्रहालय के प्रथम तल पर स्थापित किया जाएगा। स्मृति स्तूप पूरी तरह पत्थरों से निर्मित है, जिसमें राजस्थान के वंशी पहाड़पुर से मंगवाए गए 42,373 बलुआ पत्थर टंग एवं ग्रूव तकनीक से जोड़े गए हैं। इसे आधुनिक भूकंपरोधी तकनीकों से तैयार किया गया है। ताकि यह हजारों वर्षों तक सुरक्षित रह सके। स्तूप के चारों ओर लिली पोंड , आकर्षक मूर्तियां और सुंदर बागवानी इसे आकर्षक बनाते हैं।

अग्रसेन सेवा न्यास के निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 165 लोगों की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

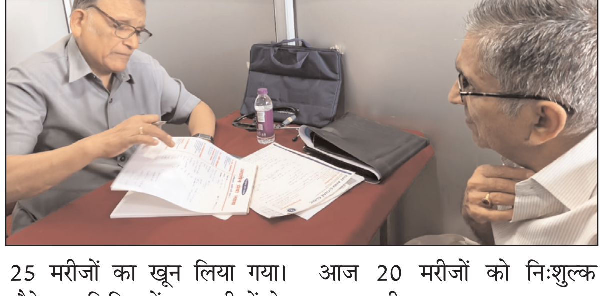

पटना। अग्रसेन सेवा न्यास द्वारा आज शक्तिधाम, बैंक रोड, पटना में निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। मौके पर न्यास के अध्यक्ष अमर अग्रवाल ने बताया कि अग्रसेन सेवा न्यास द्वारा प्रत्येक माह के तीसरे रविवार को यह चिकित्सा शिविर आयोजित होता है। अग्रवाल ने बताया कि आज के इस चिकित्सा शिविर में कुल 165 से अधिक मरीजों ने अपनी जांच करवाई। अग्रवाल ने बताया कि सभी मरीजों को निःशुल्क चाय बिस्कुट दिया गया। शिविर में डॉ बी के अग्रवाल द्वारा हेपेटाइटिस की जांच की गई। शिविर में इसके अतिरिक्त हेपेटाइटिस 'बी' की जांच के लिए 25 मरीजों का खून लिया गया। मौके पर शिविर में 75 मरीजों के आंखों की जांच प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ शशि मोहनका द्वारा किया गया। इनमें 14 मरीजों का मोतियाबिंद काफी बढ़ा हुआ था। इन सभी का निःशुल्क फेको विधि द्वारा ऑपरेशन श्याम मंदिर, न्यूबहादुरपुर के पास स्थित श्री बालाजी नेत्रालय में किया जाएगा। आज 20 मरीजों को निःशुल्क चश्मा भी उपलब्ध कराया गया। मौके पर डॉ सुनील अग्रवाल ने चेस्ट एवं सामान्य बीमारी के करीब 32 मरीजों की जांच की वहीं डॉ रचना जैन ने 10 महिला मरीजों की जांच की। आंखों के अतिरिक्त मधुमेह की जांच डॉ सुभाष कुमार के द्वारा की गयी जिसमें 29 लोगों में मधुमेह पाया गया।

15 देशों के भिक्षुओं की मौजूदगी में होगा स्मृति स्तूप का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। वैशाली में बन रहे बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का उद्घाटन जुलाई माह के अंतिम सप्ताह में किया जाएगा। इस ऐतिहासिक अवसर पर दुनिया के 15 बौद्ध देशों जैसे चीन, जापान, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल, तिब्बत, म्यांमार, मलेशिया, भूटान, वियतनाम, कंबोडिया, मंगोलिया, लाओस, बांग्लादेश और इंडोनेशिया से बौद्ध भिक्षु वैशाली पहुंचेंगे। 550.48 करोड़ की लागत से 72 एकड़ भूमि पर बना यह स्तूप परिसर पवित्र पुष्करणी तालाब और मड स्तूप के समीप विकसित किया गया है। वर्ष 1958-62 में हुई खुदाई में प्राप्त भगवान बुद्ध का अस्थि कलश इस स्मारक का मुख्य आकर्षण होगा, जिसे संग्रहालय के प्रथम तल पर स्थापित किया जाएगा। स्मृति स्तूप पूरी तरह पत्थरों से निर्मित है जिसमें राजस्थान के वंशी पहाड़पुर से मंगवाए गए 42,373 बलुआ पत्थर टंग एवं ग्रूव तकनीक से जोड़े गए हैं। इसे आधुनिक भूकंपरोधी तकनीकों से तैयार किया गया है ताकि यह हजारों वर्षों तक सुरक्षित रह सके। स्तूप के चारों ओर लिली पोंड , आकर्षक मूर्तियां और सुंदर बागवानी इसे आकर्षक बनाते हैं। परिसर में ध्यान केंद्र, पुस्तकालय, आगंतुक केंद्र, संग्रहालय ब्लॉक, एम्फीथियेटर, कैफ़ेटेरिया, सौर ऊर्जा संयंत्र (500 किलोवाट), पार्किंग और अन्य सुविधाएं भी विकसित की गई हैं। ओडिशा के कलाकारों द्वारा बनायी गई भगवान बुद्ध की प्रतिमा यहां की विशेष पहचान बनेगी।

पटना में स्कूली बच्चों की परिवहन सुरक्षा के लिए बनेगी बाल परिवहन समिति

पटना डीटीओ ने दो हजार से अधिक क्षमता वाले स्कूलों को भेजा मेल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना जिले में स्कूली बच्चों की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। विद्यालय वाहन परिचालन विनियम 2020 के तहत स्कूलों में बाल परिवहन समिति का गठन किया जाएगा जो स्कूली वाहनों के संचालन को मानक के अनुरूप बनाएगी। पटना जिला परिवहन कार्यालय(डीटीओ) ने दो हजार से अधिक क्षमता वाले स्कूलों को इस संबंध में ई-मेल भेजा है। इसमें स्कूलों से वाहनों की संख्या (बस, मिनी बस, ओमिनी वैन, वैन इत्यादि), मालिक का नाम, कॉन्ट्रैक्ट की जानकारी और वाहन पंजीकरण नंबर मांगा है जिन स्कूलों में छात्रों की सख्या दो हजार से अधिक है, वहां बाल परिवहन समिति के तहत एक परिवहन प्रभारी की नियुक्ति होगी जिसकी जानकारी जिला परिवहन पदाधिकारी के पास होगी।

समिति के अध्यक्ष स्कूल के प्रधानाध्यापक होंगे। सदस्य के रूप में दो अभिभावक, शिक्षक संघ के एक प्रतिनिधि, संबंधित क्षेत्र के यातायात पुलिस निरीक्षक, मोटरयान निरीक्षक, शिक्षा विभाग के एक प्रतिनिधि और स्कूल बस मालिकों के एक प्रतिनिधि को शामिल किया जाएगा। स्कूल के परिवहन प्रभारी समिति के सदस्य सचिव होंगे। यह समिति हर तीन महीने में एक बार बैठक करेगी और स्कूली वाहनों की मानक के अनुरूप परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करेगी।

पटना डीटीओ उपेन्द्र कुमार पाल ने कहा कि स्कूली बच्चों की परिवहन सुविधा को गंभीरता से लिया जाए। 'विद्यालय वाहन परिचालन विनियम 2020' का पालन सभी स्कूलों के लिए अनिवार्य है। इससे छात्रों को सुरक्षित परिवहन सुविधा मिलेगी और वाहनों की निगरानी भी होगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

धमकी नहीं चलेगी, रूस से व्यापार हमारे हित में है; स्पष्ट संदेश

इसमें कोई दोराय नहीं कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए सभी जरूरी विकल्पों पर काम होना चाहिए और खासतौर पर इसमें वैसे देशों को अपनी भूमिका का निर्वाह करना चाहिए, जो इसमें अपना कुछ प्रभाव रखते हैं। संभव है कि अमेरिका भी रूस-यूक्रेन युद्ध का अंत ही चाहता हो। मगर जिन देशों से इस युद्ध को खत्म कराने के लिए कुछ करने की उम्मीद की जा रही है, क्या धौंस या धमकी के जरिए उनसे ऐसा करा पाना मुमकिन है? पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सुविधा के मुताबिक और हित में कई देशों पर शुल्क लगाने या बढ़ाने के विकल्प को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में अब रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने को लेकर भी बेजा दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। गौरतलब है कि उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को भारत, चीन और ब्राजील को यह चेतावनी दी थी कि अगर वे रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं, तो उन पर प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। इससे पहले ट्रंप ने भी यह कहा था कि अगर यूक्रेन को लेकर जल्दी ही शांति समझौता नहीं किया गया, तो रूस से सामान खरीदने वाले देशों पर सौ फीसद तक का शुल्क लगाया जाएगा। जाहिर है, यह बहुध्रुवीय विश्व में अन्य देशों को अपनी सुविधा और नीतियों के मुताबिक फैसले लेने की आजादी और संप्रभुता पर डाला जाने वाला एक दबाव है, जिसकी दिशा अमेरिका की इच्छा के हिसाब से संचालित करने की कोशिश की जा रही है। इसलिए भारत ने स्वाभाविक ही प्रतिबंध लगाने की धमकी के खिलाफ सख्त प्रतिक्रिया दी है। भारत ने गुरुवार को इस मामले में 'दोहरे मापदंडों' के प्रति आगाह किया और जोर देकर कहा कि रूस से उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हितों और बाजार की गतिशीलता पर आधारित है।

दरअसल, दिसंबर, 2022 में जब रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाया गया था, तब यूरोपीय संघ और अमेरिका ने यह उम्मीद की थी कि इस पाबंदी से रूस की अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा और उसे यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करने पर मजबूर किया जा सकेगा। मगर तब रूस से भारत और चीन ने तेल की खरीद जारी रखी और यही वजह है कि प्रतिबंध ज्यादा कारगर साबित नहीं हुए। सवाल है कि अगर नाटो और अमेरिका अन्य देशों के नीतिगत मामलों में इस स्तर पर जाकर दखल देना चाहते हैं, तो क्या यह प्रत्यक्ष रूप से दोहरे मापदंड नहीं हैं! राष्ट्रपति बनने के साथ ही ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म कराने के लिए बढ़-चढ़ कर दावे किए थे। मगर अब यह साफ है कि इस दिशा में ट्रंप की कोशिशों का कोई असर नहीं हुआ। उल्टे अमेरिका यूक्रेन को हथियार मुहैया करा रहा है। अब नाटो भारत, चीन और ब्राजील से रूस के राष्ट्रपति को फोन करके शांति वार्ता के लिए गंभीर होने को कह रहा है तो इसके क्या मायने हैं? भारत के पास अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं, उपलब्धता के सीमित विकल्प हैं और फिलहाल जो वैश्विक परिस्थितियां बनी हुई हैं, उसी के मुताबिक कदम उठाना होगा। यों भी एक संप्रभु देश अपनी जरूरतों के मुताबिक ही अपनी दिशा तय करता है और भारत ने यह साफ संदेश दे दिया है। इसके बावजूद अगर नाटो और अमेरिका की ओर से भारी शुल्क या फिर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी जाती है तो दरअसल यह टकराव और दबाव की वही नीति है, जिसे खत्म करने की वे इच्छा जता रहे हैं।

पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे।

पंच परिवर्तन से बदल जाएगा समाज का चेहरा-मोहरा

(प्रो. संजय द्विवेदी)

किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं।

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके वटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं।

अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने 'पंच परिवर्तन' का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जानना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं 'स्व' पर आधारित हों। 'स्व' आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता 'स्व' की बात करते रहे,किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घिरे हुए समाज हैं। गुलामी के लंबे कालखंड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब आंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. राममनोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकुल नहीं थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है,वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1.नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4.समरसता, 5.कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और 'नया भारत' बनाने का संकल्प झलकता है।

नागरिक कर्तव्यबोध से नवचेतन का संचार-किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। एक जीवंत लोकतंत्र की गारंटी उसकी नागरिक चेतना ही है। कानूनों की अधिकता और उसे न मानने का मानस दोनों साथ-साथ चलते हैं। अपनी माटी के प्रति प्रेम, उत्कट राष्ट्रभक्ति ही सफल राष्ट्र का आधार है। जापान जैसे देशों का उदाहरण देते समय हमें देखना होगा कि क्या हमारी राष्ट्रीय चेतना और संवेदना वही है जो एक जापानी में है। आखिर क्या कारण है कि अपनी महान परंपराओं, ज्ञान परंपरा के बाद भी हम एक लापरवाह और कुछ मामलों में अराजक समाज में बदलते जा हैं। कानूनों को तोड़ना यहां फैशन है। यहां तक की हम सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और सड़कों पर रेड लाइट का उल्लंघन करने से भी बाज नहीं आते। ये बहुत छोटी बातें लगती हैं, किंतु हैं बहुत बड़ी। चुनावों में शत प्रतिशत मताधिकार तो दूर का सपना है। बहुत शिक्षित शहरों में वोटिंग 50 प्रतिशत से आगे नहीं बढ़ पाती। ये सूचनाएं बताती हैं कि हमें अभी जागरूक नागरिक या सजग भारतीय होना शेष है।कानूनों का पालन, कर का समय पर भुगतान, सामाजिक और सामुदायिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा जरूरी है। एक शानदार समाज की पहचान है कि वह अपने परिवेश को न सिर्फ स्वच्छ और सुंदर बनाने का प्रयास करता है बल्कि अपने प्रयासों से अन्यों को भी प्रेरित करता है। देखा जाता है कि हममें अधिकार बोध बहुत है किंतु कर्तव्यबोध कई बार कम होता है। जबकि संविधान हमें मौलिक अधिकारों के साथ

कर्तव्यों की भी सीख देता है। हमारे धार्मिक ग्रंथ हमें नागरिकता और सामाजिक आचरण का पाठ पढ़ाते हैं। सवाल यह है कि हम उन्हें अपने जीवन में कितना उतार पाते हैं।

स्वदेशी से बनेगा स्वाभिमानी और आत्मनिर्भर भारत -पंचपरिवर्तन का दूसरा सूत्र है 'स्वदेशी'। स्वदेशी सिर्फ आत्मनिर्भरता का मामला नहीं है यह राष्ट्रीय स्वाभिमान का भी विषय है। अपनी जमीन पर खड़े रहकर विकास की यात्रा ही स्वदेशी का मूलमंत्र है। विनोबा जी कहते थे- स्वदेशी का अर्थ है आत्मनिर्भरता और अहिंसा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसे सादगी से भी जोड़ता है। जिसके मायने हैं मितव्ययिता से जियो, कंजूसी से नहीं। स्वदेशी का सोच बहुत व्यापक है। परिवारों में भाषा, वेशभूषा, भवन, भ्रमण, भजन और भोजन ये छः चीजें हमारी ही होनी चाहिए। हम विदेशी भाषा, बोलें, दुनिया के साथ संवाद करें। किंतु अपने परिवारों अपनी मातृभाषा का उपयोग करें। विदेशी वस्त्रों से परहेज नहीं किंतु पारिवारिक मंगल आयोजनों और उत्सवों में अपनी वेशभूषा धारण करें। स्वभूषा, उपासना पद्धति, भोजन हमारा होना चाहिए। इसी तरह हम पूरी दुनिया घूमकर आएं किंतु भारत के तपोस्थलों, तीर्थस्थलों, वीरभूमियों तक भी हमारा प्रवास हो। हमारे परिजन जानें की राणा प्रताप कौन हैं और चित्तौड़गढ़ कहां है। शिवाजी कौन थे और रायगढ़ कैसा है। जालियांवालाबाग कहां है। इसी तरह हमारे घर भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते हुए दिखने चाहिए। वहां एक भारतीय परिवार रहता है ,यह प्रकट होना चाहिए। महापुरूषों की तस्वीरें। अपनी भाषा में नाम पट्ट और स्वागतम् जैसे उच्चार लिखे हों। परिवारों में हमारी संस्कृति की छाप साफ दिखनी चाहिए। तुलसी का पौधा और पूजाघर के साथ, किताबों का एक कोना भी हो जिसमें हमारे धार्मिक ग्रंथ गीता, रामायण, महाभारत आदि अवश्य हों। उनका समय-समय पर पाठ भी परिवार के साथ हो। हमारी जीवनशैली आधुनिक हो किंतु पश्चिमी शैली का अंधानुकरण न हो। परिवार में काम करने वाले सेवकों के प्रति सम्मान की दृष्टि भी जरूरी है। ऐसे अनेक विषय हैं जिन पर विचार होना चाहिए।

पर्यावरण संरक्षण से होगी जीवन रक्षा – प्रकृति के साथ संवाद और सहजीवन भारत का मूल विचार है। अपनी नदियों, पहाड़ों और पेड़-पौधों में ईश्वर का वास देखने की हमारी संस्कृति और परंपरा रही है। प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रदूषण आज बहुत बड़ी चिंता बन गया है। कुछ भी स्वच्छ नहीं रहा। हवा भी जहरीली है। इसलिए हमें अपने भारतीय विचारों पर वापसी करनी ही होगी। प्रकृति और पर्यावरण के साथ सार्थक संवाद ही हमें बचा पाएगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी चिंताएं हमारे सामने चुनौती की तरह हैं। पानी, बिजली को बचाना, प्लास्टिक मुक्त समाज बनाने के साथ वाहनों का संयमित उपयोग जरूरी है। एयरकंडीशनर का न्यूनतम उपयोग, वनों और जंगलों की रक्षा जैसे अनेक प्रयासों से हम सुंदर दुनिया बना सकते हैं। घरों में पेड़-पौधे लगाएं और हरित घर का संकल्प लें। सच तो यह है कि अगर हम पर्यावरण की रक्षा करेंगें तो वह हमारी रक्षा करेगा।

सामाजिक समरसता से बनेगी सुंदर दुनिया – सामाजिक समरसता के बिना कोई भी राष्ट्र अग्रणी नहीं बन सकता। गुरु घासीदास कहते हैं- 'मनखे-मनखे एक हैं।' किंतु जातिवाद ने इस भेद को गहरा किया है। तमाम प्रयासों के बाद भी आज भी हम इस रोग से मुक्त नहीं हो सके हैं। भेदभाव ने हमारे समाज को विभाजित कर रखा है, जिसके चलते दुनिया में हमारी छवि ऐसी बनाई जाती है कि हम अपने ही लोगों से मानवीय व्यवहार नहीं करते हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे- 'अस्पृश्यता ईश्वर और मानवता के प्रति अपराध है।' राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक रहे पू. बालासाहब देवरस ने इस संकट को रेखांकित करते हुए बसंत व्याख्यानमाला में कहा था कि- 'अगर छूआछूत गलत नहीं है दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है, इसे मूल से नष्ट कर देना चाहिए।' ऐसे में हमें यह समझना होगा कि जो कुछ भी सैकड़ों सालों से परंपरा के नाम पर चल रहा है वह हमारा धर्म नहीं है। इतिहास में हुए इन पृष्ठों का कोई भी सभ्य समाज समर्थन नहीं कर सकता। जबकि हमारे धर्म ग्रंथ और शास्त्र इससे अलग हैं। हमारे ऋषि और ग्रंथों के रचयिता सभी वर्गों से हैं। भगवान बाल्मीकि और वेद व्यास इसी परंपरा से आते हैं। यानि यह भेद शास्त्र आधारित नहीं है। यह विकृति है। इससे मुक्ति जरूरी है।हमें इसके सचेतन प्रयास करते हुए अपने आचरण, व्यवहार और वाणी से समरसता का अग्रदूत बनना होगा। सभी समाजों और वर्गों से संवाद और सहकार बनाकर हम एक आदर्श समाज की रचना में सहयोगी हो सकते हैं। इससे समाज का सशक्तिकरण भी होगा। समानता का व्यवहार, वाणी संयम, परस्पर सहयोग, संवेदनशीलता से हम दूरियों को घटा सकते हैं और भ्रम के जाले साफ कर सकते हैं। साथ ही अपने गांव, नगर के मंदिर, जलश्रोत, श्मशान सबके लिए समान रूप से खुल होने ही चाहिए। इसमें कोई भी भेद नहीं होना चाहिए।

हमारी शक्ति है 'कुटुंब' -आज का सबसे बड़ा संकट कुटुंब का बिखराव है। एकल परिवारों में बंटते जाना और अकेले होते जाना इस समय की त्रासदी है। जबकि कल्याणकारी कुटुंब वह है जहां सब संरक्षण, स्नेह और संवेदना के सूत्र में बंधे होते हैं। जहां बालकों को प्यार और शिक्षा, वयस्कों को सम्मान और बुजुर्गों को सम्मान और सेवा मिलती है। परिवार हमारी शक्ति बनें इसके लिए पंच परिवर्तन का बड़ा मंत्र है- कुटुंब प्रबोधन। कुटुंब की एक परंपरा होती है। हम उसे आगे बढ़ाते हैं और संरक्षित करते हैं। मूल्यआधारित जीवन इससे ही संभव होता है। परिवार के मूल्यों से ही बच्चों को संस्कार आते हैं और वे सीखते हैं। जैसे देखते हैं वैसा ही आचरण करते हैं।कुटुंब दरअसर रिश्तों का विस्तार है। जिसमें पति-पत्नी और बच्चों के अलावा हमारे सगे-संबंधी भी शामिल हैं। उनके सुख में सुख पाना, दुख में दुखी होना और उन्हें संबल देना हमें मनुष्य बनाता है। इसके लिए बच्चों के साथ-साथ रिश्तों को समय देना जरूरी है। औपचारिक और अनौपचारिक रुप से कार्यक्रमों, खान-पान, उत्सवों के माध्यमों से ये रिश्ते दृढ़ होते जाएं यह बहुत जरूरी है। पंच परिवर्तन के साधारण दिखने वाले सूत्रों में ही भारत की आत्मा के दर्शन होते हैं। इन सूत्रों को अपनाकर हम एक सुंदर बनाने की दिशा में बड़ा काम कर सकते हैं। संघ की शताब्दी वर्ष में लिए गए ये संकल्प हमें एक समाज और राष्ट्र के रूप में संबल देने का काम करेगें इसमें दो राय नहीं है। 22 जनवरी,2024 को अयोध्या में राममंदिर में भगवान की प्राणप्रतिष्ठा के बाद राम राज्य की ओर हम बढ़ चले हैं। राम राज्य के मूल्य हमारे जीवन में आएं।

दादी-नानी की कहानियां व लोरियां में छिपा सकारात्मक संदेश

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही उनमें से कुछ कपोल कल्पना के आधार पर हो या फिर राजारानी की कहानियां हो बच्चों के कोमल मन को एक संदेष देती थी। इसके साथ ही उस जमाने में बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने की आदत ड़ाली जाती थी।

पापा की परी या परा हो या दादी-नानी के नाती-पोतें, दादी-नानी की कहानियां या लोरियां आज बीते जमाने की बात हो गई है। दादी-नानी की कहानियां व लोरियों में सकारात्मक संदेश छिपा होता था। यह कोई मनोरंजन का माध्यम ना होकर बच्चों के मानसिक, पारिवारिक व सामाजिक समझ और जिज्ञासु प्रवृति को बढ़ावा देती थी। बच्चों में क्यूरिओसिटी बढ़ाने के साथ ही सार्थक अंत होने से बच्चों को कोई ना कोई संदेश अवश्य मिलता था। यह कोई हमारे देश की ही बात नहीं थी अपितु समूचे विष्व में दादी-नानी की कहानियों व लोरियों से बच्चों को एकाग्रता, जिज्ञासु प्रवृति, सोच व कल्पना शक्ति को बढ़ावा देने के साथ ही संवेदनशीलता और संबंधों की अहमता को समझाने में सहायक होती थी। अब वैश्विक अध्ययनों से यह साफ हो गया है कि इसके नकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। हांलाकि यह जेनरेशन जेड यानी की 1996 से 2010 की पीढ़ी इस तथ्य को अभी समझ नहीं पा रही है पर वैश्विक अध्ययनों ने यह साफ कर दिया है कि हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी से संवेदनशीलता और अच्छे-बुरे की बात करना कोई मायने नहीं रखेगी। दरअसल आज के बच्चों की दुनिया दादी-नानी की कहानियां या लोरियों के स्थान पर मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर खुराफाती, हिंसात्मक, नकारात्मक, नित नए दुश्चक्र रचते और संबंधों को तार तार करते सिरियलों या इसी तरह के एपिसोड़ से दो चार हो रही है। आज के बच्चों में हिंसा, बदले की भावना, इच्छा, मिल बांटने के स्थान पर एकलखोरी और ना जाने कितनी ही नकारात्मकता मोबाइल और टीवी स्क्रीन पर चलने वाले सिरियलों, एपिसोड़ों और प्रसारित होने वाले गेम्स के माध्यम से परोसी जा रही है। इसके परिणाम भी सामने आ रहे हैं। बच्चों में रेवेन्ज की भावना कूट कूट कर भरती जा रही है तो सहनशक्ति तो कोई मायने ही नहीं रखती। रिश्ते तार तार हो रहे हैं यह एक अन्य बात है। जेन जेड़ पीढ़ी की मानसिकता का असर आने वाली पीढ़ी पर दिखाई देने लगी है। जेन जेड बिना काम की प्रतिस्पर्धा में तो आगे हैं पर सामाजिक समरसता की भावना से दूर होती जा रही है। अपने में सिमटती यह पीढ़ी देश और समाज को सकारात्मकता क्या दे पायेगी यह सवालों के घेरे में आने लगा है।

दरअसल दादी-नानी की कहानियां भले ही उनमें से कुछ कपोल कल्पना के आधार पर हो या फिर राजारानी की कहानियां हो बच्चों के कोमल मन को एक संदेष देती थी। इसके साथ ही उस जमाने में बच्चों को पढ़ने-पढ़ाने की आदत ड़ाली जाती थी। लाइब्रेरी का कांसेप्ट तो आज बदल ही चुका है। आज लाईब्रेरी का अर्थ किराये के स्थान पर बनी केबिननुमा दढ़बे में अपने घर से ले जाई गई किताबों को रटने तक सीमित हो गया है। मौहल्लों में पांच-सात घरों की दूरी पर ही इस तरह की लाइब्रेरी मिल जाएगी। जबकि एक जमाने में लाइब्रेरी के मायने ज्ञानवर्द्धक पुस्तकें, समाचार पत्र-पत्रिकाएं आदि को वहां बैठकर पढना व आवश्यकता होने पर लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त कर पुस्तक आदि घर लाकर पढ़ना होता था। आज तो पढ़ने-पढ़ाने की आदत ही समाप्त होती जा रही है। एक समय था जब वार्षिक परीक्षाओं के बाद बारी बारी से दादी-नानी के घर धमाचौकड़ी होती थी। मजे की बात की सभी मिजाज के हम-उम्र बच्चें होने से आपसी तालमेल की शिक्षा भी मिल जाती थी। फिर रात को दादी-नानी के साथ सोने और सोने से पहले कहानियां सुनने का सिलसिला चलता था। इससे कोमल मन को अलग तरह का ही संदेश मिलता था। चंदामामा, चंपक सहित बहुत सी बच्चों की पत्रिकाएं घर में होना और बच्चों के पास होना गौरव की बात माना जाता था। आपस में बांट कर बारी बारी से पढ़ने की हौड़ लगती थी। खैर यह बीते जमाने की बात हो गई है। अब तो गुगल गुरु ने लगभग सभी की पढ़ने पढ़ाने की आदत को ही बदल कर रख दिया है।

डिजिटल युग के इस दौर में सोशल मीडिया के माध्यम समूचे समाज को बुरी तरह से प्रभावित कर रहे हैं। शहरीकरण के साथ ही संयुक्त परिवार का स्थान एकल परिवार ने ले लिया है तो समय की कमी, अंधी प्रतिस्पर्धा, माता-पिता व परिजनों का लिखने पढ़ने से परहेज, बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में ही जुटा देने और होमवर्क और ट्यूशन कल्चर पढ़ाई की दशा और दिशा को ही बदल दिया है। कोरोना के बाद तो जिस तरह से मोबाइल को ही अध्ययन का माध्यम बनाया गया उससे भी बच्चे मोबाइल के दास हो गए। अब तो स्कूलों में भी सभी संदेश मोबाइल पर ही देने का चलन चल गया है और इससे स्कूल की डायरी का भी कोई महत्व नहीं रह गया है। ऐसे में मोबाइल ही माध्यम हो जाने से बच्चों का मोबाइल गेम्स से लेकर सोशल मीडिया के माध्यमों द्वारा बालमन को सीधे सीधे प्रभावित किया जा रहा है।

मनोविज्ञानियों और शिक्षा-समाज के क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों को दायित्व इससे और अधिक बढ़ गया है। एक समय था जब बच्चों को कोर्स में पढ़ाई जाने वाली पुस्तकों के इतर मानसिक और चारित्रिक विकास वाले साहित्य को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाता था। आज पंचतंत्र, हितोपदेश, ईसप की कहानियां जेन जेड पीढ़ी भी नहीं जानती होगी तो फिर देश विदेश के अन्य उत्कृष्ट साहित्य को पढ़ने पढ़ाने की तो दूर की बात होगी। देखा जाये तो सोशल मीडिया, इंटरनेटी आभासी दुनिया, एकल और प्रतिस्पर्धात्मक पारिवारिक स्थिति से बालपन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। अवकाश के दिनों में दादा-दादी या नाना नानी के पारिवारिक माहौल के स्थान पर किसी पिकनिक या पर्यटन स्थल पर जाना प्राथमिकता हो गया है। ऐसे में सामाजिक पारिवारिक संबंधों की गहनता की बात नहीं की जा सकती। मानवीय संवेदनायुक्त नई पीढ़ी के लिए अभी से गंभीर सोच की आवश्यकता है। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों या स्क्रीन पर परोसी जा रही सामग्री में बदलाव लाना होगा ताकि नई पीढ़ी को संस्कारित किया जा सके। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

समाज में व्याप्त दृष्टि-दोष और महिला की छवि में सुधार

विश्व स्तर की महिला नेता को पुरुष नेताओं के गाल पर जुम्बिश क्यों देनी पड़ती है? पहले तो यह पाश्चात्य देशों तक सीमित था पर अब कुछ भारतीय नेता भी विदेशी महिलाओं से यह 'सम्मान' लेने लगे हैं जो आने वाले कल के लिए खतरे की घंटी है।ऐसा लगता है कि समाज दृष्टि-विकृति नामक रोग से पीड़ित है जिसमें हर चीज विकृत दिखती है। समाज की यह विकृति आधुनिक युग की उपभोक्तावादी संस्कृति का भी परिणाम है।

(डॉ. सुधा कुमारी)

अग्नि की तरह नारी भी बहुत शक्तिशाली तत्व और ऊर्जा का एक अजस्त्र स्त्रोत है किन्तु वह अग्नि की तरह एक ऊर्जा मात्र नहीं, करुणा-दया-ममता संपन्न एक समर्थ मानव प्रजाति है। मगर दुनिया भर में सभी संस्कृतियों और समाज के कुछ लोग नारी के बारे में एक अरुचिकर धारणा और दोषपूर्ण दृष्टि रखते हैं। 'कुछ लोग' का अर्थ है- महिलाओं, बच्चों और बहुत से संस्कारी लोगों को छोड़कर बचे हुए कुछ अहंकारी और अज्ञानी लोग जो विश्व के 50 प्रतिशत से काफी कम हैं।

ये कुछ लोग संख्या में अल्पमत में होते हुए भी सामाजिक धारणा को विकृत बनाने में काफी सक्रिय रहते हैं। ये नारी के हर रूप जैसे- मां, बहन, बेटी, पत्नी, अन्य सम्बन्धी, महिला मित्र, बॉस या सहकर्मी- पर नियंत्रण पाने और सारे अधिकार स्वयं हड़प जाने के लिए नारियों से शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक (सौंदर्य, दया, कोमलता आदि) सभी प्रकार के मानवीय गुणों की आशा रखते हैं और मांग करते हैं कि वे बिना किसी शर्त के, बिना कोई प्रश्न पूछे, बिना किसी अधिकार या लाभ की आशा के उन्हें जीवन भर भरपूर प्रेम और निष्ठापूर्वक सेवा प्रदान करें।

नारी-सम्बन्धी विकृत सामाजिक धारणा को परंपरा और संस्कार का रूप देना इनका एक योजनाबद्ध प्रयास है। इसीका एक और पहलू है कि उपहास, आलोचना, पीछा करना, जासूसी तथा अपराध द्वारा नारी का मनोबल गिराने की कोशिश होती है। काल्पनिक कहानियां गढ़कर युवा और सुन्दर नारी को किसी बूढ़े, अपाहिज और विरूप मनुष्य या भालू-बंदर की माँ, बहन या पत्नी बनाकर दिखाया जाता है और बूढ़ी, साधारण या विरूप नारी का उपहास या आलोचना होती है। सोशल मीडिया, विशेषकर यूट्यूब पर, नकारात्मक प्रोजेक्शन भरे हुए होते हैं।

हमारे सुसंस्कृत भारत के सभी फैशन शो, नृत्य, संगीत या कॉमेडी शो, 'टैलेंट हंट', पार्क या सड़क पर देख लें- अधिकांश पुरुष सर से पांव तक कपड़ों में ढंके होंगे पर अधिकांश महिलाओं का आधा या तीन चौथाई शरीर खुला ही मिलता है। भारतीय पुरुषों को पारंपरिक ढीले वस्त्र धोती-कुरता की जगह पाश्चात्य वस्त्र- पैंट-शर्ट, सूट-टाई पहनना सिखाया जाता है जिससे वे स्मार्ट और फुर्तीले रह सकें पर महिलाओं को साड़ी पहनने को प्रेरित किया जाता है जो कोई सिला-सिलाया वस्त्र नहीं, एक लम्बा खुला कपड़े के थान जैसा है जो आसानी से लिपट-खुल या गिर भी सकती है।

इस साड़ी से तन ढंक पाएगा या नहीं, यह आशंका बनी रहती है क्योंकि आजकल बाजारीकरण ने पैसे के लालच में साड़ी जैसे वस्त्र को भी बाजारू बना दिया है। फिल्मों, टीवी धारावाहिकों, विज्ञापनों, दुकानों में पुतलों और संगीत-नृत्य कार्यक्रमों ने महिलाओं को सिर्फ ग्लैमर के रूप में पेश किया है।

आपने यह भी ध्यान दिया होगा कि विश्व स्तर के पुरुष नेता जब मिलते हैं तो हाथ मिलाते हैं। यदि अधिक घनिष्ठ हों तभी गले मिलते हैं। पर विश्व स्तर की महिला नेता को पुरुष नेताओं के गाल पर जुम्बिश क्यों देनी पड़ती है? पहले तो यह पाश्चात्य देशों तक सीमित था पर अब कुछ भारतीय नेता भी विदेशी महिलाओं से यह 'सम्मान' लेने लगे हैं जो आने वाले कल के लिए खतरे की घंटी है।ऐसा लगता है कि समाज दृष्टि-विकृति नामक रोग से पीड़ित है जिसमें हर चीज विकृत दिखती है। समाज की यह विकृति आधुनिक युग की उपभोक्तावादी संस्कृति का भी परिणाम है। हमें पूरे विश्व की दृष्टि को ठीक करने के लिए एक अच्छे सामाजिक नेत्ररोग विशेषज्ञ (सोशल आई स्पेशलिस्ट) की आवश्यकता है। पहले इसका पृष्ठभूमि विश्लेषण करें-

साहित्य में महिला को जीवन की विभिन्न भूमिकाओं में एक माँ के रूप में सबसे अधिक सम्मानित किया गया जो संतान का पोषण करती है और उसे पृथ्वी की तरह धारण करती है। इस प्रकार, दुनिया के साहित्य और धर्म ग्रन्थ जीवन में नारी को जीवन का पोषक और निर्माता के रूप में स्वीकार करते हैं। फ्रांस के सम्राट नेपोलियन ने कहा था-मेरी मां की आंखों से आंसू की दो बूंदें भी पूरे यूरोप को झकझोर देने के लिए काफी हैं।

सुखद बात है कि प्रगतिशील लेखकों जैसे वर्ड्सवर्थ, जॉर्ज बर्नार्ड शॉ, जेन ऑस्टेन, सुब्रमण्यम भारती, मैथिलीशरण गुप्त, सुमित्रानंदन पन्त, महादेवी वर्मा, सुभद्रा कुमारी चौहान ने नारी के प्रेम, सौंदर्य और भक्ति को सकारात्मक रूप में देखा और जयशंकर प्रसाद ने इड़ा (बुद्धि) को राज्य के शासक के रूप में भी दिखाया। खलील जिब्रान ने नारी के आंतरिक गुणों की प्रशंसा की-

वह अन्य लड़कियों की तरह बाहर से सुंदर नहीं है। जब वह मुस्कुराई तब मैं उसकी सुंदरता जान पाया (शी इज नॉट फेयर टू आउटवर्ड व्यू ऐज़ एनी मेडेन्स बी; हर लवलीनेस आई नेवर न्यू, अन्टिल शी स्माइल्ड ऐट मी!)

प्रो. मिरियम कुक ने इस्लाम में महिला संत खदीजा, उनकी बेटी फातिमा, संत राबिया और हज़रत आयशा का उल्लेख किया है। लेकिन समाज पर शासन करने का कोई अधिकार प्राप्त नहीं था। कई बच्चों को पैदा करना ही महिला का कर्तव्य और जीवन का उद्देश्य था। अफगानिस्तान जैसी जगह पर आज भी पुराने तालिबानी हालात फिर आ गए जिसमें नारी के लिए शिक्षा प्राप्त करना और देश की अर्थ-व्यवस्था में योगदान देना भी कठिन हो गया है। कई इस्लामी देशों में सामाजिक परिवर्तन दिखा है- जैसे इंडोनेशिया की राष्ट्रपति मेगावती सुकर्णोपुत्री, तुर्किये की राष्ट्रपति तान्सु सिलर, सेनेगल की प्रधानमंत्री मामे मैदिअर बोये, किर्गिज़िस्तान की राष्ट्रपति रोज़ा ओतानबोयेवा, ट्यूनिसिया की राष्ट्रपति नाजिया बौडेन रोमडाने, पाकिस्तान की प्रधानमंत्री बेनज़ीर भुट्टो, बांग्लादेश की दो प्रधानमंत्री खालिदा जिया और शेख हसीना।

भारत विश्व का अकेला देश है जिसने 'दुर्गा सप्तशती' नामक ग्रन्थ में सर्वव्यापी, सर्वशक्तिमान और सर्वज्ञ आदिशक्ति देवी दुर्गा को शाश्वत ऊर्जा, ब्रह्मांड के निर्माता, पोषक और संहारक के रूप में देखा और धन-सम्पदा की देवी लक्ष्मी, ज्ञान-विज्ञान की देवी सरस्वती का आह्वान किया है। भारतीय वेदों की रचना में संत गार्गी, संत मैत्रेयी और संत लोपामुद्रा जैसी महान विदुषियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा था।

संत गार्गी ने 'गार्गी संहिता' लिखी थी और संत याज्ञवल्क्य के साथ विद्वतापूर्ण शास्त्रार्थ किया था जो 'वृहदारण्यक उपनिषद' में वर्णित है। ऋग्वेद में संत मैत्रेयी ने 10 ऋचाएँ और संत लोपामुद्रा ने 320 ऋचाएँ लिखी थीं। मंडन मिश्र की पत्नी ने आदिगुरू शंकराचार्य को शास्त्रार्थ (शास्त्र पर वाद-विवाद) में हराया था। 'मानव कंप्यूटर' शकुंतला देवी, रसायनज्ञ असीमा चटर्जी, अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स और आदित्य-एल1 मिशन की परियोजना निदेशक निगार शाजी से सभी परिचित हैं। युद्ध के मैदान में भी जाँबाज महिलाओं ने कौशल दिखाया है।

लेकिन इन तथ्यों और महिला की बौद्धिकता और मानसिक क्षमताओं को छुपाकर विकृत सामाजिक धारणा फैलाने वाले नकारात्मक तत्वों की अब भी भरमार है। अब उत्तर प्रदेश में इंजीनियरिंग की छात्राओं पर पुरुष के प्रति पूर्ण निष्ठा और सामाजिक अपराध के लिए नारी को दोषी बताने का पाठ पढ़ाकर जबरदस्त मानसिक दबाव बनाने की खबर आ रही है। भारत जैसे विशाल, उर्वर मस्तिष्क और ऐतिहासिक देश की धरती ने 1947 से पहले चार विख्यात शासक रानियाँ- रज़िया सुल्तान, रानी लक्ष्मीबाई, रानी अहल्याबाई और रानी दुर्गावती दी थी। पर स्वतंत्रता के 79 वर्ष बाद, शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार और बेटी को पढ़ाने-बचाने की सनसनीखेज मुहिम के बाद भी केवल एक महिला प्रधानमंत्री और दो महिला राष्ट्रपति (देश का संवैधानिक प्रमुख)- दे पाई है। छोटे-छोटे पड़ोसी देश श्रीलंका और बांग्लादेश और पाकिस्तान ने भी एक या दो महिला प्रधानमंत्री बनाए है। हिन्दू बहुल देश नेपाल, सूरीनाम, मॉरीशस और बौद्ध देश भूटान से इस विषय में आज तक कोई सूचना प्राप्त नहीं।

संक्षिप्त समाचार

खाद दुकानें का निरीक्षण

नारदीगंज,नवादा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में खाद दुकानें संचालित हो रहा है। यहां यूरिया, डीएपी समेत अन्य खाद की बिक्री की जा रही है। कृषि समन्वयक संजय कुमार ने शनिवार को कृषक मित्र बीज एंड खाद भंडार के अलावा अन्य दुकानों का निरीक्षण किया।

कहा कि दुकानें पर सरकारी दर पर खाद की बिक्री की जा रही है। खाद की कोई कमी नहीं है। दुकानों पर प्रचुर मात्रा में खाद उपलब्ध है। धान की रोपनी चल रही है। किसान अपने इच्छानुसार खाद की खरीद सरकारी दर कर सकते हैं। कालाबजारी करने की शिकायत मिलने वाले बिक्रेताओं पर विधि सम्मत कार्रवाई होगी।

कौआकोल में 11 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को मिला नियुक्ति पत्र

कौआकोल/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शिक्षा विभाग के निर्देश पर प्रखण्ड के बीआरसी भवन में रविवार को कैम्प लगाकर बिहार लोक सेवा आयोग से चयनित और काउंसलिंग में सफल विभिन्न विद्यालयों में चयनित उच्च माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को औपबंधिक नियुक्ति पत्र व विद्यालय पदस्थापन पत्र का वितरण किया गया। इसकी जानकारी देते हुए प्रभारी बीईओ सह प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी अजीत कुमार एवं

एमडीएम प्रभारी संजय पासवान ने बताया कि कौआकोल के 11 उच्च माध्यमिक विद्यालयों में बीपीएससी द्वारा प्रधानाध्यापकों की नियुक्ति की गई। जिन्हें रविवार को औपबंधिक नियुक्ति पत्र व विद्यालय पदस्थापन पत्र देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई तथा उन्हें सम्बंधित विद्यालय में 26 जुलाई तक योगदान करने का निर्देश दिया गया।

प्रधान शिक्षकों को मिला नियुक्ति पत्र

पकरीबरावां/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बीआरसी में कैंप लगाकर शनिवार को प्रधान शिक्षकों को औपबंधिक नियुक्ति पत्र, योगदान पत्र एवं पदस्थापना पत्र दिया गया। प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी राहुल रंजन ने प्रधान शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया। प्रखण्ड के कुल 44 विद्यालयों में प्रधान शिक्षक की नियुक्ति की गई है।

नियुक्ति पत्र पाकर मुकेश कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, मिलन कुमार, कमलेश कुमार, मणिकांत मृत्युंजय, महताब आलम, अर्चना शाही सहित अन्य ने खुशी का इजहार किया है। इस अवसर पर एमडीएम के साधनसेवी संजय कुमार, बीआरसी के कर्मी राजकुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

सिपाही भर्ती परीक्षा का दूसरा चरण शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न

नवादा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 20 जुलाई 2025 को केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) द्वारा आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे चरण का सफल आयोजन नवादा जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर किया गया। यह परीक्षा एकल पाली में दोपहर 12:00 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक आयोजित की गई। परीक्षा के अवसर पर जिलाधिकारी रवि प्रकाश द्वारा विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में इराकी उर्दू गर्ल्स इंटर स्कूल, श्री सत्येंद्र सिंह नारायण इंटर स्कूल, एस.के.एम कॉलेज, दीक्षा स्कूल सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते

हुए उन्होंने प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, केंद्राधीक्षक एवं वीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीटिंग प्लान, फ्रिस्किंग स्थल, सीसीटीवी कैमरे, जैमर, वीडियोग्राफी, तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था का जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने परीक्षा कार्य में संलग्न सभी केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों, पुलिस बल आदि को केन्द्रीय चयन पर्षद द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। आज जिले के 23 परीक्षा केंद्रों पर कुल 7407 परीक्षार्थियों को सम्मिलित होना था, जिनमें से 6282 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 1125 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।परीक्षा स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। इस अवसर पर गोपनीय शाखा प्रभारी राजीव कुमार सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री द्वारा जनहित कार्यों की घोषणा से जनता में हर्ष का माहौल : विद्यार्थी

125 यूनिट मुफ्त बिजली ,1100 रुपए पेंशन ,कन्या विवाह मंडप के कार्य पर नीतीश कुमार का जनता का आभार,1 करोड़ रोजगार व नौकरी अगले पाँच साल का लक्ष्य

नवादा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रविवार को जदयू कार्यालय स्थित कपूरीं सभागार में जदयू जिलाध्यक्ष मुकेश विद्यार्थी ने प्रेस वार्ता करते बिहार के विकास को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यो को चर्चा की । प्रेस वार्ता में जदयू जिला प्रवक्ता जयशंकर चंद्रवंशी ,युवा जदयू जिलाध्यक्ष सोनू राज कुशवाहा भी मौजूद रहे।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अगले पांच साल में 1 करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार देने का संकल्प लिया है। यह सिर्फ चुनावी वादा नहीं, बल्कि प्रशासनिक तैयारी के साथ तय की गई दिशा है। सरकारी, निजी और औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाए जाएंगे। साल 2020 में सात निश्चय-2 योजना के तहत 10 लाख सरकारी नौकरी और 10 लाख रोजगार देने का लक्ष्य तय हुआ था। अब तक 12 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और 39 लाख को रोजगार मिल चुका है। लालू-राबड़ी शासनकाल में बीपीएससी से सिर्फ 19,538 लोगों को नौकरी मिली थी। उस समय 33,499 शिक्षकों की ही बहाली हुई। नौकरी के बदले जमीन लिखवाने की घटनाएं सामने आई। नीतीश सरकार में किसी से एक धूर जमीन भी नहीं ली गई। मुख्यमंत्री ने कहा, उस दौर में नौकरी मांगने पर लाठी और घोटाले मिलते थे। अब सरकार रोजगार, औद्योगिक निवेश, कौशल विकास, डिजिटल सेवा और स्टार्टअप नीति के जरिए स्थायी और गुणवत्तापूर्ण नौकरी दे रही है। विपक्ष को सीखना चाहिए कि वादा करके भूलना नहीं, पूरा करना ही सुशासन है। मुख्यमंत्री ने 1 अगस्त 2025 से 1 करोड़ 67 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का ऐलान किया है। 2012 में उन्होंने कहा था कि जब तक बिजली की हालत नहीं सुधारेंगे, वोट नहीं मांगेंगे। उन्होंने वादा निभाया। बिजली उत्पादन कम होने पर भी महंगी बिजली खरीदकर लोगों को दी गई। सात निश्चय पार्ट-1 में हर घर बिजली का वादा पूरा हुआ। पार्ट-2 में हर खेत पानी और हर खेल बिजली का लक्ष्य भी लगभग पूरा है। अब 125 यूनिट मुफ्त बिजली और सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की योजना है। अगले तीन साल में 10,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य है। 56 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त सोलर पैनल मिलेगा। बाकी को सब्सिडी दी जाएगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह फैसला उनके दबाव में लिया गया। लेकिन उनके 2020 के घोषणा-पत्र में लिखा था कि बिजली दर घटाएंगे, मुफ्त नहीं देंगे। उनके माता-पिता के शासन में कई इलाकों में 13 दिन तक बिजली नहीं आती थी। अब बिहार में शहरी इलाकों में 23.6 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 21-22 घंटे बिजली मिल रही है। झारखंड में यह 16-20 घंटे है। बिहार में इएफ्छ ने 21 घंटे गारंटीकृत आपूर्ति तय की है। झारखंड में कोई गारंटी नहीं। बिहार में पेसू ऐप और स्मार्ट मीटर से शिकायत समाधान हो रहा है। झारखंड में ऐप विफल है। तेजस्वी यादव के सरकारी बंगले को भी बिजली सब्सिडी मिली है। जून महीने में उनके उअ नंबर 101341859 पर सब्सिडी दी गई। फिर भी वे सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना के तहत दलित, पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग की बेटियों को गरिमा से शादी का अवसर मिलेगा। जिनके पास छत नहीं, वे भी सुसज्जित मंडप भवन में शादी कर सकेंगे। इन भवनों का संचालन जीविका दीदियों को सौंपा गया है। इससे ग्रामीण महिलाएं सशक्त होंगी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 60 हजार रुपए सालाना आय वाले गरीब परिवारों को 10 हजार रुपए की सहायता दी जाती है। भूतपूर्व सैनिकों की बेटियों को 15 हजार और स्वतंत्रता सेनानियों की पौत्री/नतिनी को 51 हजार रुपए की सहायता मिलती है। नीतीश सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 रुपए से बढ़ाकर 1100 रुपए प्रति माह कर दिया है। 1 करोड़ लाभार्थियों के खाते में 1227 करोड़ रुपए भेजे गए। आरजेडी शासन में पेंशन के लिए लोग दलालों के चक्कर काटते थे। अब बिना भेदभाव के विधवा, वृद्ध और दिव्यांग पेंशन मिल रही है। जनता अब तय करेगी कि उन्हें वह दौर चाहिए जब बेटी की शादी चिंता थी, या यह दौर जब सरकार बेटी के सपनों की साथी बन रही है। नीतीश कुमार जनसेवा कर रहे हैं, विपक्ष अब भी घोटालों की गली में है।

बूथ सशक्तिकरण अभियान में दिलाई जा रही पार्टी की सदस्यता

नवादा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। गोविन्दपुर विधानसभा भाजपा संयोजक और नवादा जिला मुख्य प्रवक्ता कुन्दन कुमार प्रभाकर के द्वारा रोह मंडल पूर्वी के मुख्यालय से करीब ग्राम रतोय से राजनीति घराने के रूप में चर्चित स्व. पंकज कुमार जिन्होंने पैक्स अध्यक्ष और परिवार मुखिया भी रह चुके हैं, उसी परिवार के सदस्य अमन कुमार, पिता अमरेंद्र कुमार को भाजपा का सदस्यता दिलाकर भाजपा बूथ सशक्तिकरण अभियान को एक मजबूत मुकाम देने का कार्य किया है। अमन कुमार जी से प्रेरित होकर वहाँ से दो बार वर्तमान वार्ड सदस्य का प्रतिनिधित्व करने वाले अरूण कुमार जो अति पिछड़ा समाज बड़ही जाती से आते हैं उन्होंने ने मोदी जी में आस्था व्यक्त करते हूये सक्रिय सदस्य के रूप में भाजपा पार्टी में जिम्मेदारी निर्वहन करने का निर्णय लिया। साथ में मुकेश कुमार और अंकित कुमार ने भी भाजपा का सदस्यता ग्रहण किया। इस अवसर पर बूथ संयोजक रोह पूर्वी विनोद सिंह जी, पश्चिमी मंडल मंत्री विनोद कुमार जी भी उपस्थित हूये। इन सभी ने भाजपा की सदस्यता लेते हूये माननीय भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल मेहता, जिला परिषद् सदस्य विनीता मेहता और गोविन्दपुर संयोजक कुन्दन कुमार प्रभाकर का पार्टी में स्थान देने के लिए आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर बूथ संयोजक उपेन्द्र चंद्रवंशी, मंडल अध्यक्ष गोपाल चंद्रवंशी, पश्चिमी अध्यक्ष अभिमन्यु कुमार, रंजीत, रजनीश, व्यास यादव, संतोष, राहुल, सियाशरन, अजय पासवान, नागो टिप्पु, गुड्डू, अनिल, महेश आदि कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुये शुभकामनायें और बधाई देते हुये कहा है कि इन युवाओं के आने से हमारा संगठन रोह प्रखंड में काफी मजबूत होगा।

पटना में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ रेटिना कॉन्क्लेव, पर्दे की बीमारियों पर हुई व्यापक चर्चा

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पटना के होटल पनाश में 20 जुलाई को 'यंग ऑप्थाल्मोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया' और 'दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल' के संयुक्त तत्वावधान में रेटिना कॉन्क्लेव का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस विशेष सम्मेलन में बिहार समेत देशभर से आए 150 से अधिक नेत्र रोग विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के शहरी विकास मंत्री जिवेश मिश्रा रहे। श्री मिश्रा ने नई पीढ़ी के नेत्र चिकित्सकों को अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होकर जनसेवा करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश के वरिष्ठ नेत्र चिकित्सक को गुरु सम्मान से सम्मानित किया गया, जिससे आयोजन में भावनात्मक ऊर्जा भी जुड़ी रही। कॉनक्लेव में रेटिना यानी आंखों के पर्दे की जटिल बीमारियों की आधुनिक जांच तकनीकों पर विस्तार से चर्चा हुई। ओसीटी, एंजियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड और ऑटोफ्लोरसेंस जैसी इमेजिंग तकनीकों की कार्यप्रणाली और उपयोगिता पर विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। डॉ. अंजना मिराजकर (पुणे), डॉ. अवनींद्र गुप्ता (नई दिल्ली), डॉ. भुवन चनाना, डॉ. कार्तिकेय सिंह (वाराणसी), डॉ. कुशल दिल्लीवाला (अहमदाबाद), डॉ. शिशिर वर्गीस (केरल) समेत कई नामी विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए। दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. बंदना तिवारी, डॉ. नवीन झा, डॉ. निलेश कुमार, डॉ. रत्नेश रंजन और डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी ने बिहार में रेटिना उपचार के क्षेत्र में आ रही नई चुनौतियों और उनके समाधान पर रोशनी डाली। सम्मेलन में शामिल युवा नेत्र चिकित्सकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से उन्हें अत्याधुनिक जांच-पद्धतियों और उपचार तकनीकों की गहरी जानकारी मिलती है, जिससे वे भविष्य में मरीजों को बेहतर सेवा दे पाएंगे। आज के इस रेटिना कॉन्क्लेव से युवा नेत्र चिकित्सकों को जो नवीनतम इमेजिंग तकनीकें सीखने को मिली हैं, उनसे मरीजों को सटीक और समय पर इलाज उपलब्ध कराना अब और आसान होगा।

दुकान से लौटते वक्त युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत, हत्या की आशंका

तारगिर बाजार में दुकानदारी को लेकर जातीय रंजिश की भी आशंका, एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

रजौली/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। रजौली थाना क्षेत्र के लेंगुरा पंचायत अंतर्गत दामोदरपुर मोड़ के समीप रविवार की सुबह एक युवक का शव संदिग्ध स्थिति में पड़ा मिला। शव के पास एक बाइक भी बरामद हुई है। खेत किनारे एक पैन में युवक की लाश और बाइक देख ग्रामीणों में सनसनी फैल गई। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर स्थानीय चौकीदार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी थानाध्यक्ष राजेश कुमार को दी। पुलिस के पहुंचने से पूर्व ग्रामीणों ने शव की पहचान दरियापुर गांव निवासी संतोष कुमार सिंह के 22 वर्षीय पुत्र संजय कुमार के रूप में की।

परिजनों ने शव को देख मचाया कोहराम :

शव की सूचना जैसे ही मृतक के गांव दरियापुर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। परिजन चीखते-चिल्लाते घटनास्थल पर पहुंचे और शव से लिपटकर रोने लगे। मृतक के परिजनों ने बताया कि संजय कुमार तारगिर बाजार में पिछले एक वर्ष से मोटर बनाने की दुकान चलाता था। शनिवार की रात करीब साढ़े आठ बजे संजय ने फोन कर घरवालों को बताया था कि दुकान पर थोड़ा काम बाकी है, इसलिए देर से लौटेगा। रात भर उसके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन फोन स्विच ऑफ बताने लगा। परिजन यह सोचकर निश्चिंत थे कि वह काम की वजह से दुकान पर ही रुक गया होगा, लेकिन सुबह उसकी मौत की खबर सुनकर सबके होश उड़ गए।

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य,एसडीपीओ ने किया स्थल निरीक्षण :

घटना की सूचना पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) की टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीपीओ गुलशन कुमार भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर हर पहलू पर जानकारी ली। साथ ही, तकनीकी और फॉरेंसिक टीम को सघन जांच के निर्देश दिए और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।

जातीय रंजिश की भी आशंका, भाई ने लगाया गंभीर आरोपः

मृतक के भाई विनय कुमार ने बताया कि संजय तारगिर बाजार में दुकान चला रहा था, जो कुछ स्थानीय जाति विशेष के लोगों को खटक रहा था। 20-22 दिन पहले इसको लेकर एक जातीय पंचायत भी बुलाई गई थी, जिसमें आसपास के पांच-छह गांवों के लोग शामिल हुए थे। पंचायत में हमारे परिवार पर दुकान हटाने का दबाव बनाया गया था। प्रतिदिन दुकान पर भी आकर धमकी दी जाती थी। विनय का कहना है कि परिजन दुकान हटाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन नई जगह नहीं मिलने के कारण वह दुकान बंद नहीं कर पाए। इसी बीच यह हादसा हो गया, जिससे परिवार को गहरा संदेह है कि हत्या इसी रंजिश का परिणाम है।

गांव में शोक की लहर, युवक था अविवाहित :

मृतक तीन भाइयों में सबसे छोटा था और अविवाहित था। परिवार में वही कमाने वाला था। गांव और आसपास के लोगों ने संजय को एक मधुरभाषी, शांत स्वभाव और मेहनती युवक बताया है। संजय प्रतिदिन दुकान बंद कर घर लौटता था, कभी-कभी देर होने पर दुकान में रुक जाता था। दुकान से घर की दूरी करीब तीन किलोमीटर थी। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए हर पहलू की जांच कर रही है।

जोर पकड़ रही है दक्षिण बिहार केंद्रीय विवि का नाम बदलने की मांग

डॉ पंकज कुमार सिन्हा/नबिटा ब्यूरो

नवादा। गया जिले के टिकारी अनुमंडल स्थित दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय का नाम भगवान विष्णु या महात्मा बुद्ध के नाम पर रखने की मांग जोड़ पकड़ने लगी है ।इस मांग को लेकर आंदोलनकारियों द्वारा पिछले कई बार आंदोलन भी किया गया था । रविवार को नाम बदलने को लेकर गठित संघर्ष समिति के नेता वाल्मीकि प्रसाद नवादा सर्किट हाउस में कहां की दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया का नामकरण बिहार सरकार भगवान विष्णु या गौतम बुद्ध के नाम पर रखने की घोषणा करें नहीं तो हमारा संघर्ष समिति चुप नहीं बैठेगा । उन्होंने कहा कि विभिन्न मांगों को लेकर पोस्टकार्ड अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया है । संघर्ष समिति के नेता वाल्मीकि प्रसाद ने कहा कि संघर्ष के दौरान शहीद हुए स्वर्गीय रामनंदन शर्मा की प्रतिमा लगाई जाए, वहीं अन्य शहीद चालक श्रवण कुमार की विधवा पत्नी को विश्वविद्यालय में यथोचित नौकरी दिया जाए। इसके अलावा संघर्ष के दौरान जो घायल हुए वैसे आंदोलनकारियों के परिवार के लोगों में से एक परिजन को नौकरी दिया जाए । साथ ही शिलापट्ट पर ऐसे लोगों का नाम भी अंकित किया जाए । नवादा में पत्रकारों से बात करते हुए वाल्मीकि प्रसाद ने कहा कि वर्तमान सरकार मगध प्रमंडल के इस महत्वपूर्ण मांग को अनदेखी कर रही है । आगामी विधानसभा चुनाव का परिणाम इस मांग से प्रभावित हो सकता है । उन्होंने कहा कि उत्तर बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय का नाम जब महात्मा गांधी के नाम पर किया जा सकता है , तो दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय का नाम भगवान विष्णु या महात्मा बुद्ध के नाम पर क्यों नहीं किया जा सकता ? उन्होंने कहा कि यह संघर्ष हमारा मांग पूरी होने तक जारी रहेगा । क्योंकि इस अभियान में दिन प्रतिदिन आंदोलनकारी की संख्या बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष के दौरान घायल हुए वाल्मीकि प्रसाद, प्रो डॉ मुंद्रिका प्रसाद नायक, प्रो बृजमोहन प्रसाद एवं श्रीकांत शर्मा के परिजनों को विश्वविद्यालय परिसर में नौकरी प्रदान की जाए और विश्वविद्यालय परिसर में ही शीलापट्ट पर उनका नाम अंकित किया जाए । यह मांग पूरी नहीं होने पर मगध प्रमंडल के लोग नीतीश कुमार के खिलाफ आंदोलन चलाएंगे ।

ब्रजपात पीड़ित परिजनों से मिले भाजपा नेता

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कौआकोल प्रखंड के लालपुर ग्राम निवासी राजेश साव का बज्रपात के चपेट में आने से निधन हो गया था । रविवार को भाजपा नेता रवि गुप्ता उनके निवास स्थान पर पहुंचकर उनके परिजनों एवं

अतिपिछड़ा समाज के तमाम लोगों ढाढस दिया। कौआकोल अंचल अधिकारी से वातार्लाप कर मृतक परिवार को मुआवजा देने का आग्रह किया। राजेश साव का परिवार बहुत ही गरीब परिवार से आते है। उनके दो पुत्र और एक पुत्री है जो कि युवा और बेरोजगार है। साथ मुखिया गोपाल साहू , उमेश साहू , प्रताप रंजन, गौतम भारती, किरण भारती, राजेश साहू शिक्षक आदि लोग शामिल थे ।

सावन महोत्सव आयोजित कर एक-दूसरे को दी बधाई

नवादा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सावन का महीना आते ही हर लोग के दिलों में हरियाली छा जाती है। जहां पर्यावरण की सुंदरता देखते ही बनती है। वहीं महिलाओं के मुख मंडल पर भी सावन की खुशी देखते ही बनती है। सावन का महीना आते ही हरी हरी चूड़ियां, हरी साड़ियां, हरी हरी मेहंदी और फूलों की खुशबू से महिलाएं खुद को रोक नहीं पाती है। सावन का महीना सुहागिन महिलाओं के साथ-साथ लड़कियों के लिए भी अच्छा शुभ माना जाता है। नवादा के अहिवरन पैलेस में रविवार को महिला योगा ग्रुप के द्वारा सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। महिला योग गुरु रिंकी बरनवाल के नेतृत्व में महिलाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। हरी हरी साड़ियों के बीच महिलाएं सावन की गीते भी गाई। कुछ स्टेज शो, ग्रुप फोटोग्राफ्स सहित कई गीतों पर सामूहिक डांस जैसे कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिला आयोग के ग्रुप द्वारा आयोजित इस तरह की कार्यक्रम से महिलाओं को काफी उत्साह देखने को मिली। महिला योग शिक्षक रिंकी बरनवाल ने बताया कि महिलाएं इस तरह के कार्यक्रम से ऊजार्वान होती है। महिलाओं को भी ऐसी आजादी होनी चाहिए और मिलती है। महिलाओं ने एक दूसरे को सावन की बधाई दी। सावन में जिस तरह से कोयल कुकते हैं, बारिश होती है, महिलाएं भी खुद को रोक नहीं पाती और वह भी इस सावन की घटा में झूमने पर मजबूर होती है। मेनका गुप्ता के द्वारा आयोजित मंच संचालन में कई महिलाओं ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। स्टेज शो के साथ-साथ लोग अपने-अपने हुनर का प्रदर्शन भी करते देखे गए। दूसरी तरफ शनिवार की शाम में नवादा के आदर्श सिटी प्रांगण में भी राजीव सिन्हा और रेशम सिन्हा की ओर से सावन मिलन समारोह सोसायटी के द्वारा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में खाने के साथ-साथ सावन के गीतों पर महिलाएं जमकर ठुमका लगाई। वहीं कई महिलाओं ने अपने पिया के संग खूबसूरत तस्वीर भी खिंचवाई। सावन महोत्सव का कार्यक्रम आदर्श सिटी में पिछले कई वर्षों से होता आ रहा है। ऐसी परंपराओं का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सैकड़ों महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस सावन मिलन कार्यक्रम में महिला के साथ-साथ पुरुषों का भी योगदान काफी रहा।

जन भावनाओं को सुनना एवं समझना जन प्रतिनिधि का पहला कर्तव्य : डॉ अनुज

प्रखंड नारदीगंज के ननौरा, तरौनी, तिलकचक में किया पदयात्रा

नवादा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पिछले कई महीनो से लगातार नवादा के विकास को लेकर शिक्षाविद, समाजसेवी डॉ अनुज सिंह के सौजन्य से जन जागृति फाउंडेशन के बैनर तले चलाए जा रहे जनसंपर्क यात्रा का कारवां नारदीगंज प्रखंड पहुंचा, वहां बीते शुक्रवार को प्रखंड के ननौरा पंचायत के ग्राम ननौरा ,तरौनी एवं तिलकचक में अपने समर्थकों के साथ पदयात्रा कर जनसंपर्क अभियान चलाया। लगातार पिछले 7 से 8 महीनों से यह अभियान चलाया जा रहा है। एक और जहां चुनाव के पूर्व दूसरे लोगों को समर्थन के लिए एड़ी चोटी एक करनी पड़ रही है, दूसरी ओर वहीं चुनाव के पूर्व इन्हें लोगों के द्वारा अपार समर्थन मिल रहा है। यात्रा की शुरूआत ननौरा के महादलित मोहल्ले से किया गया। ग्रामीणों में से भूषण रविदास ,सुभाष चौधरी, संजय रजक सहित कई महादलित परिवार के द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।इस अवसर पर डॉ अनुज सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नेताओं को पता होता है कि जनता का इस्तेमाल कैसे किया जाता है और जनता भी उनके दिखाए में आ जाते हैं परिणाम यह है कि आज भी हमारा नवादा विधानसभा पिछड़ा क्षेत्र में गिना जाता है। आप सबों को अपने अधिकार के लिए योग्य उम्मीदवार का चुनाव करना होगा। वहां से अपने समर्थकों के साथ सभी ग्रामीणों से मिलकर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर भी माल्यार्पण किया। गणेश मंदिर में माथा टेकने के बाद सभी बड़े बुजुर्गो से आशीर्वाद लिया। आनंदी पांडेय ,भूषण सिंह ,अरुण सिंह ,नंदलाल मिस्त्री के सौजन्य से फूल माला एवं अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। वहीं ग्रामीणों को संबोधित करते हुए वक्ताओं में से विनोद पांडेय ने उपस्थित जन समूह से आह्वान किया कि चुनावों का महापर्व पांच साल में एक ही बार आता है। हमें अपने वोट का महत्व समझना चाहिए। वोट लेने के लिए हर पार्टी के नेता हमारे बीच आते हैं। तरह-तरह के लालच वोटरों को दिए जाते हैं। हमें किसी भी प्रकार के लालच में नहीं आना चाहिए। समझ से वोट देना चाहिए।अपने वोट के महत्व को समझना होगा और दूसरों को भी इसके बारे में बताना होगा। हमें हमेशा योग्य और पढ़े लिखे उम्मीदवार को ही अपना वोट देना चाहिए। जागरूक नागरिक को समझना होगा कि वोट देना हमारा अधिकार है। इसका प्रयोग करना चाहिए। दूसरों को भी जागरूक करना चाहिए। हम सबको ऐसे जनप्रतिनिधि की जरूरत है जो मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान दे सके। वर्तमान समय में डॉ अनुज सिंह के रूप में हमारे सामने सबसे अच्छा विकल्प है। अपने प्रति लोगों के समर्थन को पाकर उन्होंने जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया। वहां से अपने समर्थकों के साथ ग्राम तरौनी में पहुंचे, वहां भी ग्रामीणों ने अपने चहेते उम्मीदवार का भव्य स्वागत किया। वहीं अनिल चौहान ने अपने चौहान समाज के लोगों से बात करते हुए संबोधन में उन्होंने कहा कि कभी भी जाति के नाम पर वोट नहीं डालना चाहिए। हमेशा ऐसे उम्मीदवार के पक्ष में वोट डालना चाहिए जो प्रदेश व देश का भला कर सके। कई लोग लालच में फंस जाते हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। अपने विवेक से मतदान करना चाहिए।किसी भी लालच में नहीं आना चाहिए और ना ही परिवार के किसी सदस्य के कहने पर वोट डालना चाहिए। अपनी समझ से मतदान करना चाहिए। वहां भी एक-एक मतदाताओं के घर में जाकर अपने अधिकार के प्रति जागरूक किया। यात्रा का अंतिम पड़ाव ग्राम तिलकचक में पहुंचा जहां अर्चना कुमारी, वाल्मीकि चौहान ,पिंकू चौहान सहित सैंकड़ों ग्राम वासियों ने फूल माला से स्वागत कर साथ में पैदल चलकर समर्थन देते दिख रहे थे। सभी युवाओं महिलाओं बुजुर्गो से मिलकर उन्होंने विधानसभा चुनाव में समर्थन मांगा। वही वक्ता संजय रजक ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के समय में महिलाएं ही बहुत कम मतदान करती हैं, लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए। महिलाओं को बढ़-चढ़ कर मतदान प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। जिस जिम्मेदारी के साथ घर का काम करती हैं। उसी तरह मतदान के लिए आगे आना चाहिए एवं अपने क्षेत्र के विकास में अपना सहयोग योग्य उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर देना चाहिए। इस तरह से कई स्थानीय ग्रामीण अपने सगे संबंधियों को जागरुक करते दिख रहे थे। यात्रा को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणजन में से कारू मांझी, रामफल रविदास, बालो मांझी,नंदलाल मिस्त्री सहित हजारों समर्थकों की प्रशंसनीय भूमिका रही।

मखदुमपुर पोस्ट ऑफिस में चोरी के बाद कामकाज ठप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता मखदुमपुर (जहानाबाद)। जहानाबाद जिले के मखदुमपुर थाना के सामने पोस्ट ऑफिस में कुछ दिन पूर्व अज्ञात चोरों ने गेट के दरवाजा का ताला तोड़ कर पोस्ट ऑफिस से कई आवश्यक सामान की चोरी कर चोर ले भागे थे। साथ ही चोरों ने पोस्ट ऑफिस से नेटवर्किंग का राउटर को भी अपने साथ ले गए थे। अब जबकी चोरी की घटना के 10 दिनों से अधिक बीत जाने के बाद भी उप डाकघर में पैसे निकासी एवं जमा करने का काम नही हो रहा है। इस आशय की जानकारी देते हुए पोस्ट ऑफिस के पोस्ट मास्टर अर्जुन राम ने बताया कि नेटवर्किंग राउटर की कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपया है। जो खरीद कर पोस्ट ऑफिस में आ गया है। इसे इन्टॉल करने वाले अभी तक नही आए हैं। एक दो दिन में इन्टॉल हो जाएगा।

क्रिप्टो मार्केट ने पहली बार छुआ चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा

ट्रंप सरकार की नीतियों से मिली रफ्तार

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टो सेक्टर का बाजार मूल्य शुक्रवार को लगभग चार ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। क्रिप्टोकरेंसी डेटा एग्रीगेटर कोइनगेको के जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। यह आंकड़ा क्रिप्टो सेक्टर के लिए एक मिल का पत्थर है। प्रमुख बाजारों में नियामकीय स्पष्टता, निवेशकों के विश्वास में बढ़ोतरी और संस्थागत निवेश के मजबूत प्रवाह ने इस उद्योग को नई बुलंदियों पर पहुंचा दिया है।

अमेरिका ला रहा क्रिप्टो के लिए नियम- अमेरिकी हाउस ऑफ रेप्रेसेंटेटिव ने गुरुवार को अमेरिकी डॉलर से जुड़ी क्रिप्टोकरेंसी टोकन के लिए एक नियामक ढांचा बनाने के लिए विधेयक पारित किया। इस क्रिप्टोकरेंसी को स्टेबलकॉइन के रूप में जाना जाता है। फिलहाल विधेयक को राष्ट्रपति ट्रंप के पास भेज दिया गया है। इस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने के बाद यह कानून बन जाएगा। हार्ग्रेव्य लैंसडाउन के इक्विटी रिसर्च प्रमुख डेरेन नाथन ने कहा कि ट्रंप की नीति आने के बाद क्रिप्टो इंडस्ट्री को लेकर नजरिया पूरी तरह से बदल गया है, लेकिन इसके बावजूद सांसद अब भी कुछ हद तक सतर्कता बरत रहे हैं।

बिटकॉइन में आई थी 1.8 प्रतिशत की गिरावट

यह क्षेत्र पिछली बार 3.92 ट्रिलियन डॉलर के संयुक्त बाजार मूल्य पर कारोबार कर रहा था, क्योंकि बिटकॉइन, जो दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी है, वह 1.8 प्रतिशत गिर गई थी। दूसरा सबसे बड़ा क्रिप्टो टोकन, ईथर, पिछली बार 4.5 प्रतिशत बढ़ा था। पिछले तीन महीनों में यह दोगुने से भी ज्यादा बढ़ गया है।

बिटकॉइन ने इस हफ्ते छुआ रिकॉर्ड स्तर

बिटकॉइन ने इस हफ्ते की शुरुआत में 120,000 डॉलर का आंकड़ा पार कर एक रिकॉर्ड बनाया। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि 2025 के अंत तक यह 200,000 डॉलर तक पहुंच सकता है। क्रिप्टो एक्सचेंज के शेयरों में अंतिम बार 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं खुदरा व्यापार मंच, जो क्रिप्टो ट्रेडों का भी समर्थन करता है, उसमें 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

15851 करोड़ रुपये की फर्जी आईटीसी धोखाधड़ी का खुलासा, पकड़ी गईं 3558 फर्जी कंपनियां

नईदिल्ली, एजेंसी। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान 15,851 करोड़ रुपये की फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी का भंडाफोड़ किया है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 29 फीसदी अधिक है। हालांकि, इस अवधि में फर्जी कंपनियों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, इस तिमाही में केंद्रीय और राज्य जीएसटी अधिकारियों ने कुल 3,558 फर्जी कंपनियों का पता लगाया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में यह संख्या 3,840 थी। अधिकारियों ने बताया कि हर महीने औसतन 1,200 फर्जी कंपनियों का भंडाफोड़ किया गया। यह गिरावट संकेत देती है कि फर्जी पंजीकरण के खिलाफ चलाया गया अभियान असरदार साबित हो रहा है। इस तिमाही में की गई कार्रवाई के दौरान 53 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 659 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई। वहीं, पिछले साल की समान तिमाही में 26 गिरफ्तारियां हुई थीं और 549 करोड़ रुपये की बरामदगी हुई थी।

ऐसे हुई करोड़ों की धोखाधड़ी- जीएसटी व्यवस्था के तहत, कंपनियां अपने आपूर्तिकर्ताओं से खरीद पर चुकाए गए टैक्स को आईटीसी के रूप में क्लेम कर सकती हैं। लेकिन फर्जी कंपनियां सिर्फ इस टैक्स क्रेडिट का फायदा उठाने के लिए बनाई जाती हैं, जिससे सरकार को भारी राजस्व नुकसान होता है।

कॉर्पोरेट जॉब छोड़ खेती में कमाल कर रही एमबीए पास छोरी

नईदिल्ली, एजेंसी। आज के समय खेती एक जबरदस्त प्रॉफिट वाला बिजनस बनता जा रहा है। काफी लोग अपनी मोटी सैलरी वाली कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर खेती कर रहे हैं और जॉब से ज्यादा कमा रहे हैं। इन्हीं में एक नाम छत्तीसगढ़ की स्मृति चंद्राकर का भी शामिल है। स्मृति ने अपनी कॉर्पोरेट जॉब छोड़कर पारिवारिक खेती शुरू की। आज उनका टर्नओवर डेढ़ करोड़ रुपये का है। साथ ही वह अपने खेतों में 125 लोगों को रोजगार

भी दे रही हैं। स्मृति कहती हैं, %कौन कहता है कि खेती में फायदा नहीं होता? लोग सोचते हैं कि ये छोटा काम है और इसमें कमाई नहीं है। लेकिन ये सच नहीं है।% स्मृति छत्तीसगढ़ के एक गांव में एक किसान परिवार में पली-बढ़ी। उनका बचपन अपने पिता और दादा के साथ हरे-भरे धान के खेतों में बीता, जहां उन्होंने जीवन और खेती के बारे में अपने पहले सबक सीखे।

5 साल तक की कॉर्पोरेट नौकरी- स्मृति ने रायपुर में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद वह पुणे चली गई और वहां से एमबीए किया। एमबीए करने के बाद उन्होंने पुणे में पांच साल तक एक कंपनी में जॉब की। बाद में उन्होंने अपने परिवार के करीब रहने के लिए रायपुर जाने का फैसला किया।

सर्ज प्राइसिंग के चक्कर में वसूल रहा था अनाप-शनाप किराया

हैदराबाद एजेंसी। आप महानगर या बड़े शहरों में रहते हैं और बाइक टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं तो इस घटना से आप भी दो-चार हुए होंगे। आपसे कभी बेस फेयर के नाम पर तो कभी सर्ज प्राइसिंग के नाम पर अनाप-शनाप किराया वसूला जाता होगा। हैदराबाद के एक 27 साल के आदमी ने ऐसा

ही कुछ झेला था, लेकिन उसने कोर्ट का रूख किया और बाइक टैक्सी कंपनी के खिलाफ कानूनी लड़ाई जीत ली। डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन- ने कंपनी को गलत तरीके से व्यापार करने का दोषी पाया। कंपनी एक ही दूरी के लिए अलग-अलग किराया ले रही थी।

कौन है मुकदमा जीतने वाला- उपभोक्ता फोरम में यह मामला के. राजेश ने दायर किया था। वह शहर में आने-जाने के लिए अक्सर बाइक टैक्सी का इस्तेमाल करते हैं। राजेश ने कंपनी के ऐप में एक अजीब चीज देखी। बीते 20 जून को, उन्होंने नल्लाकुंटा से हिमायतनगर के लिए एक राइड बुक की। यह दूरी 2.14 किलोमीटर थी और उनसे 32 रुपये लिए गए। लेकिन, 4 जुलाई को, उन्होंने सिर्फ 300 मीटर की दूरी के लिए राइड बुक की और उनसे फिर से 32 रुपये लिए गए।

उपभोक्ता फोरम में वाद दायर किया- बाइक टैक्सी की इस तरह की किराया नीति के खिलाफ राजेश ने डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन- , जिसे आम भाषा में उपभोक्ता फोरम कहते हैं, में वाद दायर किया।

मखाना टॉप सुपरफूड के रूप में उभरा, बदलती पसंदों से फूड इंडस्ट्री के लिए नए अवसर

नईदिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारतीय सुपरफूड मखाना ने उपभोक्ताओं के बीच खास जगह बना ली है। फार्मली की %हेल्दी स्नैकिंग रिपोर्ट 2025% के अनुसार 65 प्रतिशत उपभोक्ता प्रतिभागियों ने मखाने को अपनी पहली पसंद बताया है।

55 प्रतिशत उपभोक्ताओं को प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश- रिपोर्ट में हेल्थी स्नैक्स की ओर मजबूत बदालाव की भी चर्चा की गई है। 55 प्रतिशत से ज्यादा उपभोक्ता अब सक्रिय रूप से प्रिजर्वेटिव-मुक्त विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। इसके अलावा, आधे से ज्यादा लगभग 52 प्रतिशत ऐसे स्नैक्स को प्राथमिकता देते हैं, जो दोबारा सील होने वाली, पर्यावरण- अनुकूल पैकेजिंग में आते हैं। यह पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

स्वादयुक्त सूखे मेवे का चलन- सर्वेक्षण के अनुसार उपभोक्ताओं के बीच सुविधा एक प्रमुख कारक बनी हुई है। लगभग 45 प्रतिशत अपभोक्ता बार और सूखे मेवे आधारित मिठाइयों जैसे चलते-फिरते नाशते को पसंद करते हैं। नमकीन विक्लपों में मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे स्पष्ट रूप से पसंदीदा हैं। इससे बाजार में स्वस्थ नाश्ते के विकल्पों की एक नई लहर चल पड़ी है।

इन रुझानों से यह संकेत मिलता है कि उपभोक्ता अब सेहत पर केंद्रित,

टिकाऊ और सुविधाजनक स्नैक विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बदलाव उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है, जो बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुसार अपने उत्पाद पेश कर रहे हैं।

सुपर-स्नैक में परिवर्तन- रिपोर्ट के अनुसार, मखाना और स्वादयुक्त सूखे मेवे पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरे हैं। 36 प्रतिशत उपभोक्ता उत्तरदाताओं ने भुने हुए और स्वादयुक्त सूखे मेवों को सबसे पसंदीदा नमकीन नाश्ते के रूप में पसंद किया। वहीं 19 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने विशेष रूप से मखाना को चुना, जो आधुनिक समय के सुपर-स्नैक में इस परिवर्तन को दर्शाता है।

मखाना बोर्ड का गठन- यह बढ़ती लोकप्रियता भारत सरकार द्वारा बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की हाल की घोषणा के अनुरूप है। निर्मला सीतारमण ने बजट 2025-26 में मखाना बोर्ड का प्रस्ताव रखा। इसका उद्देश्य राज्य के प्रमुख मखाना उद्योग को बढ़ावा देना है।

चिप्स और वेफर्स की लोकप्रियता बरकरार- हालांकि नए प्रारूप लोकप्रिय हो रहे हैं, लेकिन चिप्स और वेफर्स जैसे पारंपरिक विकल्प अभी भी बरकरार हैं। 14 प्रतिशत लोग इन्हें चुनते हैं, इसके बाद 10 प्रतिशत नमकीन और 9 प्रतिशत लोग खाखरा जैसे मल्टीग्रेन स्नैक्स चुनते हैं। मीठे स्नैक्स भी विकसित हो रहे हैं, जबकि चॉकलेट भारत में हमेशा से पसंदीदा रहा है,। मूंगफली का मक्खन, हेजलनट और पिस्ता जैसे मेवे अब स्वाद और स्वास्थ्य के मिश्रण के कारण पसंद किए जा रहे हैं।

ब्रांड लॉयल्टी, जो पहले पारंपरिक बड़ी कंपनियों तक सीमित थी, अब कई प्लेटफॉर्म्स पर फैल रही है। जहां एक ओर ऑफलाइन स्टोर अब भी योजनाबद्ध खरीदारी और खोज का प्रमुख जरिया बने हुए हैं, वहीं क्विक कॉमर्स और इन्फ्लुएंसर-चालित कंटेंट की बदौलत अचानक स्नैकिंग की आदतों में तेजी आई है।

भारतीय चाय की मांग दुनिया में बढ़ी, एफवाय25 में 26 करोड़ किलोग्राम का हुआ निर्यात

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत के चाय निर्यात में वृद्धि दर्ज हुई है। चार्य बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में भारत से चाय निर्यात पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 2.85 प्रतिशत बढ़ा। देश का चाय निर्यात 250.73 मिलियन किलोग्राम से बढ़कर 257.88 मिलियन किलोग्राम (लगभग 26 करोड़ किलोग्राम) हो गया है।

चाय निर्यात का मूल्य 290.97 रुपये पहुंचा- वहीं प्रति किलोग्राम चाय निर्यात का मूल्य बढ़कर 290.97 रुपये हो गया। यह वित्त वर्ष 2024 के 258.30 रुपये से 12.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

चाय निर्यात में लगातार हो रही वृद्धि- कैलेंडर वर्ष जनवरी से दिसंबर 2024 के दौरान, चाय निर्यात की मात्रा 256.17 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह जनवरी से दिसंबर 2023 की पिछली अवधि से 10.57 प्रतिशत की वृद्धि है। बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 10.2 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 155.49 मिलियन किलोग्राम रहा। वहीं दक्षिण भारत से यह 11.02 प्रतिशत के साथ 100.68 मिलियन किलोग्राम रहा।

उत्तर भारत से निर्यात में हुई 8.15 प्रतिशत की वृद्धि

वित्त वर्ष 2025 के दौरान उत्तर भारत से निर्यात की मात्रा 161.20 मिलियन किलोग्राम तक पहुंच गई। यह वित्त वर्ष 2024 के 149.05 मिलियन किलोग्राम से 8.15 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी प्रकार, दक्षिण भारत से निर्यात 2025 में 4.92 प्रतिशत घटकर 96.68 मिलियन किलोग्राम रह गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में 101.68 मिलियन किलोग्राम था।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब डॉलर पार, जानें अश्विनी वैष्णव हैदराबाद में और क्या बोले

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है। इसमें पिछले 11 वर्षों के दौरान आठ गुना वृद्धि हुई है। वहीं, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन में छह गुना वृद्धि हुई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को यह बात कही।

आईआईटी हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए वैष्णव ने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की तीव्र प्रगति पर भी जोर दिया, जिसके अगस्त या सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। भविष्य की ओर देखते हुए, वैष्णव ने कहा कि पहली मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप, व्यावसायिक स्तर पर, इसी वर्ष बन जाएगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के शीर्ष पांच सेमीकंडक्टर देशों में से एक बनने की राह पर है, और उन्होंने सेमीकंडक्टर के लिए आवश्यक पूंजीगत उपकरणों और सामग्रियों पर बढ़ते ध्यान पर भी चर्चा की।

केंद्रीय रेल, सूचना व प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा, महज 11 वर्षों में, हमने अपने इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन को छह गुना बढ़ा दिया है। यह दोहरे अंकों की छ्त्रक्रदर है जिससे कोई भी कॉर्पोरेट ईर्ष्या करेगा। हमने अपने निर्यात को आठ गुना बढ़ाया है, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 40 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है, जो विकास

की एक अभूतपूर्व गति है, जो हमारे जैसे बहुत कम देशों ने देखी है।

उन्होंने इस वृद्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को दिया और कहा कि केवल साढ़े तीन वर्षों में, भारत एक संपूर्ण 4त्र दूरसंचार स्टैक डिजाइन कर सका। आज, यह लगभग 90,000 दूरसंचार टावरों पर स्थापित है, जो दुनिया के कई देशों के नेटवर्क से भी ज्यादा है।

आईटी मंत्री ने कहा कि दूरसंचार पहल के हिस्से के रूप में, सरकार ने 100 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, जहां छात्र 5जी उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के उपयोग के मामलों पर काम करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने भारत की विकास गाथा और अगली पीढ़ी के लिए आधार के पांच उदाहरण दिए- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार क्षेत्र और रेलवे।

उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए केंद्र ने लगभग 270 कॉलेजों और संस्थानों को कैडेंस, सिनोप्सिस और सीमेंस के नवीनतम ईडीए उपकरण दिए हैं और यदि स्टार्टअप को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 340 हो जाती है। वैष्णव ने कहा, दुनिया में कहीं भी सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में इतना बड़ा प्रतिभा विकास कार्यक्रम नहीं चलाया गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के पास इस समय वंदे भारत का तीसरा संस्करण पहले से ही मौजूद है, जिसका निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया जा रहा है।

भारत-ईएफटीए व्यापार समझौता 1 अक्तूबर से होगा लागू, बोले वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्तूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है।

गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत-ईएफटीए टीईपीए 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है - समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50

बिलियन अमेरिकी डॉलर- जिससे भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत द्वारा अब तक हस्ताक्षरित किसी भी व्यापार समझौते में सहमत अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है।

यह प्रतिबद्धता इस समझौते का मुख्य तत्व है, जिसे पूरा होने में लगभग 16 वर्ष लगे, जिसके बदले में भारत ने श्वस्न्न्न देशों से आने वाले कई उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दिए। इस समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्जरलैंड है। शेष तीन देशों के साथ भारत का व्यापार कम है।

इस समझौते में भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत हिस्सा देने की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद, जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां, कम कीमत पर उपलब्ध हो जाएंगे, क्योंकि भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा।

सेवा क्षेत्र में, वाणिज्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि भारत ने ईएफटीए को 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जैसे लेखांकन, व्यावसायिक सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप-क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। जिन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, उनमें कानूनी, दृश्य-श्रव्य, अनुसंधान एवं विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं।

2025 की पहली छमाही में भारत में 108 आईपीओ से 4.6 अरब जुटाए गए; सौदों में 30 प्रतिशत गिरावट के बावजूद लचीलापन कायम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग गतिविधियों ने साल 2025 की पहली छमाही में मजबूती दिखाई है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस अवधि में कुल 108 सौदे हुए, जिनसे 4.6 अरब डॉलर की पूंजी जुटाई गई। भारतीय आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक निजी कंपनी पहली बार जनता को अपने शेयर बेचती है, जिससे वह सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनी बन जाती है।

रिपोर्ट में बताया गया कि सौदों की संख्या में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 30 प्रतिशत की गिरावट हुई। इसके बावजूद यह बाजार के लचीलेपन को दर्शाता है। हालांकि, फंडरेजिंग में केवल 2 प्रतिशत की मामूली गिरावट दर्ज की गई है, जो बाजार की स्थिरता को दर्शाता है।

वैश्विक आईपीओ बाजार के आय में हुई उल्लेखनीय वृद्धि- रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में, वैश्विक आईपीओ बाजार ने 539 सौदे दर्ज किए, जिससे 61.4 अरब डॉलर की राशि जुटाई गई,।

वैश्विक अनिशितता और भू-राजनीतिक तनाव का पड़ा असर

श्वङ्क की रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रवृत्ति जारीकर्ताओं और निवेशकों दोनों के अधिक चयनात्मक दृष्टिकोण को दर्शाती है। इसमें कंपनियां अनुकूल बाजार समय और मूल्यांकन रणनीतियों को प्राथमिकता दे रही हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के कारण कई प्रमुख कंपनियों ने अपनी लिस्टिंग को स्थगित कर दिया है या मूल्यांकन पर पुनर्विचार किया है।

दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

इसमें कहा गया कि बाजार सहभागियों को 2025 की दूसरी छमाही में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। यह स्थिर बाजार के विकास को मजबूत करने के उद्देश्य से सहायक सरकारी पहलों से प्रेरित होगा। घरेलू आर्थिक सुधार से आईपीओ बाजार में तेजी की संभावना है क्योंकि निवेशक भावना मजबूत हो रही है और बाजार में अस्थिरता कम हो रही है।

सिंगिंग के बाद अब फिल्मों का डायरेक्शन करेंगे अरिजीत सिंह

फेमस सिंगर अरिजीत सिंह गायिकी के बाद अब डायरेक्शन में हाथ आजमाने वाले हैं। सिंगर जल्द ही बिग बजट जंगल एडवेंचर थीम से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने वाले हैं। अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म की कहानी खुद सिंगर ने ही लिखी है। इस फिल्म को महावीर जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, अरिजीत और महावीर अनोखी जंगल एडवेंचर वाली इस फिल्म को पैन इंडिया ऑडियंस को ध्यान में रखकर बनाने वाले हैं। खबरों की माने तो फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और कास्टिंग का काम चल रहा है। कास्टिंग और फिल्म का टाइटल तय होने के बाद टीम फिल्म की अनाउंसमेंट करेगी। फिल्म को महावीर जैन के अलावा अलोकद्युति फिल्म्स मिलकर बना रहे हैं, जबकि गॉड ब्लेस एंटरटेनमेंट इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

प्रोड्यूसर महावीर जैन फिल्म्स की बात करें तो वो एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। अरिजीत सिंह प्रोजेक्ट के अलावा, वो कार्तिक आर्यन स्टारर फिल्म नागजिला भी बना रहे हैं। इसके अलावा वो आर्ट ऑफ लिविंग के फाउंडर रविशंकर की बायोपिक वाइट भी प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस बायोपिक में विक्रांत मैसी लीड रोल में होंगे।झ वहीं, अगर अरिजीत की बात करें तो उन्होंने पिछले 10 सालों में अलग-अलग भाषाओं के 800 से अधिक गाने गाए हैं। स्पॉटिफाई पर वो टेलर स्विफ्ट और एड शीरन को पीछे छोड़ दुनिया के सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले आर्टिस्ट हैं। इस म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उनके 15 करोड़ 10 लाख से भी ज्यादा फॉलोवर्स हैं।

बॉयकॉट और सेंसरशिप पर वाणी कपूर ने की बात

वाणी कपूर इन दिनों अपनी आगामी सीरीज मंडाला मर्डर्स से चर्चा में हैं, जो जल्द ओटीटी पर स्ट्रीम होने वाली है। इसके प्रचार-प्रसार के दौरान अभिनेत्री से उनकी पिछली फिल्म अबीर गुलाल विवादों को लेकर सवाल किया जा रहा है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान के साथ काम किया था। हालांकि, पहलगाम हमले के बाद काफी विरोधों के कारण फिल्म को रिलीज नहीं किया गया था और एक्टर्स के बहिष्कार की मांग भी उठी थी। अब वाणी कपूर ने बॉयकॉट और सेंसरशिप प्रभावों के बारे में विचार प्रकट किए हैं।

सेंसरशिप के खिलाफ हैं वाणी कपूर

हाल ही में वाणी कपूर से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि पिछली फिल्म की घटना ने उन्हें कैसे प्रभावित किया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, मैं सेंसरशिप के पक्ष में नहीं हूं। मेरा मानना है कि आप सर्टीफिकेट दे सकते हैं, कभी-कभी ऐसा होता है कि कोई सीमा नहीं होती। कई बार जब मैं सेंसरशिप सुनती हूं, तो मुझे लगता है कि वे किसी को और कुछ भी हटा सकते हैं।'

सीमित दायरे में आपको नया करना होता है

आगे बातचीत में अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि एक कलाकार, एक फिल्म निर्माता के तौर पर आप किसी नए क्षेत्र में कितना आगे बढ़ने को तैयार हैं, क्योंकि तब आप कंट्रोल में होते हैं। तभी आपके लिए एक सीमा तय कर दी जाती है, फिर आपको खींची गई उस सीमा के भीतर कुछ नया, ताजा, रोमांचक और पहले कभी न देखा गया काम करना होता है।'

बॉयकॉट कल्चर बंद करने की कही बात

सेंसरशिप को लेकर आगे बताते हुए वाणी कपूर ने कहा कि बॉयकॉट करो और बैन करो वाली संस्कृति उन्हें बिल्कुल समझ नहीं आती। एक्ट्रेस ने कहा लोग एक-दूसरे के साथ बहुत कठोर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'आज इसको बॉयकॉट कर दो, आज इसको कैंसल कर दो, मत करो यार, जगह दो और लोगों को रहने दो।'

ऐश्वर्या खरे ने बताई छोरियां चली गांव का हिस्सा बनने की वजह

भाग्य लक्ष्मी शो में लक्ष्मी के किरदार से घर-घर में मशहूर हुई टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या खरे अब एक नए रूरल रिएलिटी शो छोरियां चली गांव में हिस्सा ले रही हैं। उन्होंने खुलासा किया कि वह आखिर क्यों शो में जा रही हैं और उन्हें इस शो में क्या खास लगा। बात करते हुए ऐश्वर्या ने कहा कि लंबे समय तक लक्ष्मी का किरदार निभाने से लोग उन्हें उसी भूमिका के रूप में पहचानने लगे थे। लेकिन इस शो से वह अपनी असली पहचान को दर्शकों के सामने नहीं रख पाई, इसलिए जब मुझे नए शो का ऑफर मिला, तो मैंने इसके लिए हां कर दी।

ऐश्वर्या ने कहा, मैंने इस शो के लिए हां क्यों कहा, उसकी पहली वजह ये थी कि मैंने बहुत लंबे समय तक लक्ष्मी का किरदार निभाया है। मैं उस किरदार में पूरी तरह डूब गई थी। लोग मुझे आज भी लक्ष्मी के रूप में जानते हैं। इसलिए ये नया शो मेरे लिए एक मौका बना जिससे लोग मुझे ऐश्वर्या के रूप में भी जान सकें। ऐश्वर्या ने कहा, दूसरी वजह ये थी कि भाग्य लक्ष्मी के बाद मैं कुछ नया और अलग करना चाहती थी। छोरियां चली गांव मुझे कुछ नया आजमाने का एक बेहतरीन मौका लगा। मुझे इसका कॉन्सेप्ट काफी अच्छा और आज के समय से जुड़ा हुआ लगा। यह शो जी टीवी जैसे बड़े चैनल पर आने की वजह है मेरे लिए और खास हो गया। यह बड़ा मौका था। शो के लिए अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए ऐश्वर्या ने बताया कि उन्होंने दो चीजों पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया है- कपड़े और अपनी सोच। उन्होंने कहा, मैं हमेशा मानती हूं कि बिना कोशिश किए हार नहीं माननी चाहिए। यही सोच मुझे आगे बढ़ने में हमेशा मदद करती है। इस शो में मैं इसी सोच के साथ जा रही हूं कि हर चीज को एक बार जरूर आजमाऊंगी। मैं कभी पहले से यह नहीं कहती कि मैं ये नहीं कर सकती, जब तक कि मैं उसे करके न देख लूं। ऐश्वर्या ने कहा कि जब हम मुश्किल चीज़ों को पार करते हैं, तो एक अलग तरह की खुशी और गर्व महसूस होता है।

इन दिनों के सेट से अनुराग बसु संग काम करने का अनुभव किया शेयर

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम करने के अनुभव को सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने फिल्म मेट्रो... इन दिनों के सेट से एक मजेदार बिहाइंड-द-सीन्स का वीडियो शेयर किया। अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने अनुराग बसु के साथ काम करने को खूबसूरत बताया। दंगल फेम अभिनेत्री ने मेट्रो... इन दिनों के सेट की क्लिप पोस्ट की, जिसमें वह अनुराग बसु, को-स्टार्स और क्रू के साथ नाचती नजर आ रही हैं। वीडियो में अभिनेत्री के सह-कलाकार आदित्य रॉय कपूर और अली फजल के साथ कुछ खास पल भी दिखाए गए हैं। वीडियो शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, दादा (अनुराग बसु) के साथ काम करना कितना अद्भुत और खूबसूरत है, यह जानने के लिए आपको उनके साथ काम करना होगा। काम तो कर रहे थे, पर उससे ज्यादा मस्ती! अभी तो बहुत सारी फोटो और वीडियो आने वाली हैं। अभी के लिए बस इतना। इससे पहले अभिनेता अली फजल ने अनुराग बसु की तारीफ करते हुए कहा था, उनके साथ काम करना एक म्यूजिकल सपने जैसा है। उनकी फिल्मों में एक अनोखा जादू होता है। मैं इसका हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। 'मेट्रो... इन दिनों' आधुनिक रिश्तों, प्यार और दिल टूटने की कहानी है। फिल्म में अली फजल और फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह रोमांटिक ड्रामा 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री हाल ही में आर. माधवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में नजर आईं। फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं।

'मिर्जापुर' फिल्म में 'पंचायत' के जितेंद्र निभाएंगे दमदार किरदार, विक्रांत मैसी को करेंगे रिप्लेस

फिल्म 'मिर्जापुर' की कास्ट में जितेंद्र कुमार का नाम भी शामिल हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह इस फिल्म में एक दमदार रोल करने वाले हैं। 'मिर्जापुर' में वह एक जाने-माने एक्टर को रिप्लेस कर रहे हैं।

जितेंद्र ने विक्रांत मैसी को रिप्लेस किया

सीरीज 'मिर्जापुर' में अली फजल और विक्रांत मैसी ने गुड्डू पंडित और बबलू पंडित के रोल निभाए थे। 'मिर्जापुर' फिल्म में भी दोनों यही किरदार निभाने वाले थे। मगर अब खबर है कि विक्रांत मैसी अपने कई फिल्म प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं तो वह 'मिर्जापुर' मूवी का हिस्सा नहीं बनेंगे। यही कारण है कि विक्रांत की जगह अब जितेंद्र कुमार बबलू पंडित का रोल निभाएंगे।

मेकर्स की तरफ से नहीं लगी मुहर

जितेंद्र कुमार के बबूल पंडित बनने की बात को अभी 'मिर्जापुर' फिल्म के मेकर्स की तरफ से अनाउंस नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में ही इस बात की चर्चा है। जितेंद्र की बात करें तो 'पंचायत' सीरीज के कारण वह काफी मशहूर हुए। वह अपने अब तक के करियर में कई वेब सीरीज और फिल्मों में भी दमदार किरदार निभा चुके हैं।

जल्द ही एक्शन कॉमेडी फिल्म में बोल्ड रोल में नजर आएंगी सान्या मल्होत्रा

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने अपनी आगामी एक्शन-कॉमेडी फिल्म में एक नए और बोल्ड अवतार को अपनाने के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री ने इस रोमांचक चुनौती और अपने अनोखे किरदार के प्रति अपनी दिलचस्पी के बारे में बात की। उन्होंने कहा,जैसे ही मैंने इसकी स्क्रिप्ट सुनी, मुझे ऐसा लगा कि यह कुछ ऐसा है, जिसे मुझे करना चाहिए। एक्शन से भरपूर इस कहानी में जबरदस्त ऊर्जा है, जो मुझे बहुत पसंद है। इससे भी ज्यादा अच्छी बात यह है कि मैं एक ऐसी टीम का हिस्सा बनने जा रही हूं, जो इतने स्पष्ट और दमदार सोच के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हर कोई इसे देखे कि हम क्या तैयार कर रहे हैं। फिल्म को कपिल शर्मा और आगाज एंटरटेनमेंट मिलकर बना रहे हैं, वहीं सान्या मल्होत्रा इसमें मुख्या भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के निर्माता नीरज तिवारी ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए बताया,हमने हमेशा दमदार कहानियों में विश्वास किया है, इस फिल्म के साथ हम दर्शकों के लिए एक नई और मनोरंजक कहानी लेकर आ रहे हैं, और आगाज एंटरटेनमेंट में यह हमारे लिए बस शुरुआत है। उन्होंने आगे कहा, हम अपने साथियों आगाज, ट्रैवेलिन बोन के साथ, सान्या मल्होत्रा और कपिल शर्मा, दोनों को साथ लाने को लेकर उत्साहित हैं, यह फिल्म मनोरंजक है, अच्छी तरह से बनी है। आगाज के माध्यम से हम ऐसा सिनेमा बनाने की कोशिश कर रहे हैं जो दमदार कहानियों और समृद्ध विषय-वस्तु पर आधारित हो। हमारा लक्ष्य दर्शकों तक ऐसी कहानियां पहुंचाना है जो मौलिक हो और भावनात्मक रूप से प्रभावशाली हो। हम दर्शकों को ऐसी फिल्म देने के लिए अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं।

कुछ दिन पहले, सान्या मल्होत्रा ने सोशल मीडिया पर अपनी नई फिल्म की घोषणा करते हुए कहा था कि वह अपने प्रशंसकों के साथ यह खबर साझा करते हुए बेहद खुश हैं।

मैं अनुपमा में वनराज का किरदार नहीं कर रहा हूं

पिछले कुछ दिनों से टीवी के लोकप्रिय शो अनुपमा को लेकर एक चर्चा जोरों पर चल रही है कि जल्द ही शो में अभिनेता रोनित रॉय नजर आएंगे। चर्चाएं हैं कि रोनित शो में सुधांशु पांडे को रिप्लेस करेंगे और वनराज शाह का किरदार निभाएंगे। अब इन चर्चाओं पर खुद रोनित रॉय ने प्रतिक्रिया दी है और फैंस को पुख्ता जानकारी दी है। रोनित रॉय जो टीवी से लेकर फिल्मों तक के अपने अलग-अलग किरदारों के लिए काफी मशहूर हैं। पिछले कुछ वक्त से रोनित के 'अनुपमा' शो में एंट्री करने की चर्चाएं एंटरटेनमेंट जगत का हॉट टॉपिक बनी हुई हैं। अब रोनित ने इन चर्चाओं पर स्पष्टीकरण देते हुए ये साफ कर दिया है कि वो 'अनुपमा' में नजर नहीं आएंगे। रोनित रॉय ने बताया कि मैं अनुपमा नहीं कर रहा हूं। यह खबर पूरी तरह से झूठी है और मैं वनराज का किरदार नहीं निभाऊंगा। रुपाली गांगुली की प्रमुख भूमिका वाले टीवी शो 'अनुपमा' में सुधांशु पांडे ने चार साल तक वनराज की भूमिका निभाई है। इसके बाद साल 2024 में सुधांशु पांडे ने शो को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद अब पिछले कुछ एक दिनों से ऐसी खबरें सामने आ रही थीं कि शो की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए मेकर्स शो में नए कैरेक्टर शामिल करने के बारे में सोच रहे हैं। इसी में रोनित रॉय के शो में वनराज के किरदार में नजर आने की चर्चाएं काफी तेजी से चल रही थीं। अब इन चर्चाओं पर रोनित रॉय ने पूरी तरह से विराम लगा दिया है।

मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर सर्किट में बरकरार रखी लय

अमेरिका के लाकुआन इवांस को दी मात

नई दिल्ली, एजेंसी। निशांत ने अमेरिका के फ्रिस्को में हुए सुपर वेल्टरवेट मुकाबले के छठे दौर में जीत दर्ज की जो पेशेवर सर्किट पर उनकी लगातार तीसरी जीत है। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने पेशेवर सर्किट पर अपना दबदबा बरकरार रखा है और शानदार प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के लाकुआन इवांस को तकनीकी नॉकआउट के आधार पर हरा दिया है। 24 साल के निशांत ने अमेरिका के फ्रिस्को में हुए सुपर वेल्टरवेट मुकाबले के छठे दौर में जीत दर्ज की जो पेशेवर सर्किट पर उनकी लगातार तीसरी जीत है।

निशांत ने लगातार घूंसे बरसाए जिसके बाद रैफरी ने एक मिनट 58 सेकेंड के बाद मुकाबला रोक दिया। विश्व चैंपियनशिप 2023 में लाइट मिडिलवेट (71 किलो) में कांस्य पदक जीत चुके निशांत इस साल की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक क्वालिफायर के क्वार्टर फाइनल में मैक्सिको के मार्को वेर्डे से मामूली अंतर से हारने के बाद पेशेवर सर्किट में उतरे थे।

सचिन तेंदुलकर के साथ अपना नाम ट्रॉफी पर देखता हूं तो बहुत अजीब लगता है : जेम्स एंडरसन

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने स्वीकार किया कि सचिन तेंदुलकर के साथ ट्रॉफी पर अपना नाम देखकर वह अजीब महसूस करते हैं और उन्होंने

यह भी कहा कि दुनिया के महानतम क्रिकेटरों में से एक के साथ अपना नाम होना बहुत बड़ा सम्मान है। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला की ट्रॉफी का नाम एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी रखा है।

पहले इसका नाम पटौदी ट्रॉफी था जो भारत के पूर्व कप्तान इफ्तिखार अली खान पटौदी और उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी के नाम पर था। एंडरसन ने कहा, 'यह जरूरी नहीं कि आपके नाम पर ट्रॉफी का होना कितना बड़ा है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि आपके नाम के साथ सचिन तेंदुलकर का नाम है, जो मेरे लिए अब तक के सबसे महान क्रिकेटरों में से एक हैं। उन्होंने कहा, 'मैं ट्रॉफी पर अपने साथ उनका नाम देखता हूं तो बड़ा अजीब लगता है। मैं उनका काफी सम्मान करता हूं। मैने बचपन से उन्हें देखा है और उनके खिलाफ खेला है। वह इतने महान क्रिकेटर रहे हैं जिन्होंने पूरे देश की उम्मीदों का बोझ अपने पूरे कैरियर में उठाया है। उनके साथ इस तरह का कुछ साझा करना बहुत बड़ा सम्मान है। तेंदुलकर ने 200 और एंडरसन ने 188 टेस्ट खेले हैं। पिछले साल क्रिकेट को अलविदा कहने वाले एंडरसन ने 704 विकेट लिए हैं।

डब्ल्यूसीएल 2025:

इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच मुकाबला रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया चैंपियंस और पाकिस्तान चैंपियंस के बीच वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 (डब्ल्यूसीएल) का बहुप्रतीक्षित मुकाबला रद्द हो गया है। यह मैच रविवार को भारतीय समय के अनुसार रात 9 बजे से एजबेस्टन क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जाना था, लेकिन कुछ खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में खेलने से साफ इनकार कर दिया। डब्ल्यूसीएल ने इस मुकाबले को लेकर एक बयान जारी करते हुए लिखा, हम डब्ल्यूसीएल में हमेशा क्रिकेट से प्रेम करते आए हैं। हमारा एकमात्र उद्देश्य खेल प्रेमियों को खुशनुमा और यादगार पल देना रहा है। जब हमें यह पता चला कि इस साल पाकिस्तान की हॉकी टीम भारत आ रही है, और हाल ही में भारत-पाकिस्तान की वॉलीबॉल प्रतियोगिता सहित अन्य खेलों में भी दोनों देशों के बीच मुकाबले हो रहे हैं, तो हमने सोचा कि डब्ल्यूसीएल में भारत और पाकिस्तान का मैच आयोजित करते हुए एक सकारात्मक याद लोगों को दी जा सके, लेकिन हो सकता है कि इसी प्रक्रिया में हम अनजाने में कई लोगों की भावनाएं आहत कर बैठे।

बयान में आगे कहा गया, हमने अनजाने में भारत के उन महान क्रिकेटर्स को असहज कर दिया, जिन्होंने देश को गौरवान्वित किया है। इसीलिए, हमने फैसला लिया है कि भारत और पाकिस्तान के मैच को रद्द किया जाए। क्षमा चाहते हैं कि हमारी किसी भी पहल से किसी की भावनाएं आहत हुईं। आशा है आप हमारी भावना को समझेंगे। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन शनिवार देर रात भारत-पाकिस्तान के मुकाबले से अपना नाम वापस लेने का ऐलान कर चुके थे। शिखर धवन ने एक्स पर एक ई-मेल का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, जो कदम 11 मई को लिया, उस पर आज भी वैसे ही खड़ा हूं। मेरा देश मेरे लिए सब कुछ है, और देश से बढ़कर कुछ नहीं होता। जय हिंद ! धवन ने जिस ई-मेल का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, उसमें लिखा है, यह पत्र औपचारिक रूप से इस बात की पुनः पुष्टि और स्मरण हेतु है कि शिखर धवन आगामी डब्ल्यूसीएल लीग में पाकिस्तान टीम के खिलाफ किसी भी मैच में हिस्सा नहीं लेंगे। यह फैसला 11 मई 2025 को कॉल और व्हाट्सएप पर हमारी चर्चा के दौरान पहले ही बता दिया गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच जियोपॉलिटिकल सिचुएशन और व्याप्त तनाव को मद्देनजर रखते हुए, धवन और उनकी टीम ने सोच-समझकर यह फैसला लिया है।

एथलीट मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल में लंबी कूद का खिताब जीता, 7.75 मीटर की लगाई कूद

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीशंकर ने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरुआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर ने पुर्तगाल के माइया में विश्व एथलेटिक्स उपमहाद्वीपीय टूर के कांस्य स्तर के टूर्नामेंट मीटिंग माइया सिडाडे डो डेसपोर्टो में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। श्रीशंकर ने 7.75 मीटर की कूद लगाई और शीर्ष स्थान हासिल किया। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने दूसरे दौर में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया।

श्रीशंकर-तारकोवस्की ने बराबर फासला नापा – श्रीशंकर ने 7.63 मीटर की कूद के साथ शुरुआत की और दूसरे दौर में 7.75 मीटर की कूद लगाई। तीसरी कूद में उन्होंने 7.69 मीटर का फासला नापा। अगला प्रयास फाउल रहा और इसके बाद 6.12 और 7.58 मीटर की कूद लगाई। पोलैंड के पियोत्र तारकोवस्की ने भी 7.75 मीटर की कूद लगाई लेकिन उनका दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास 7.58 मीटर था जो श्रीशंकर के 7. 69 मीटर से कम था। विश्व एथलेटिक्स के नियमों के अनुसार अगर दो खिलाड़ियों में टाई होता है तो दूसरी वैध कूद को टाइब्रेकर माना जाता है। घुटने के ऑपरेशन के कारण लंबे समय खेल से दूर रहे श्रीशंकर ने इस महीने की शुरुआत में इंडियन ओपन एथलेटिक्स मीट के जरिये वापसी की है। उनकी नजरें सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाई करने पर लगी है जिसके लिए स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क 8.27 मीटर है। वह 14 अगस्त तक यूरोप और मध्य एशिया में टूर्नामेंट खेलेंगे जिसके लिए सरकार ने 5.58 लाख रुपये मंजूर किए हैं।

इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने वनडे फॉर्मेट में रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम ने भारत के खिलाफ शनिवार को खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले को डकवर्थ-लुईस नियम के तहत 8 विकेट से जीता। इसी के साथ इंग्लैंड अपने घरेलू मैदान पर सर्वाधिक महिला वनडे मैच जीतने वाला देश बन गया है।

इंग्लैंड ने अपने घरेलू मैदान पर अब तक 182 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें 121 मुकाबले में उसने जीत दर्ज की है। इंग्लैंड से पहले यह रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम के नाम था, जिसने 146 वनडे मुकाबलों में 120 जीते हैं। वहीं, न्यूजीलैंड की टीम 166 में से 86 मैच जीतकर तीसरे पायदान पर है। भारत ने अपने घर पर 131 में से 81 मैच जीते हैं। भारतीय महिला टीम इस लिस्ट में चौथे पायदान पर है। लॉर्ड्स में खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। भारतीय टीम महज 6 के स्कोर पर प्रतिका रावल (3) का विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद स्मृति मंधाना ने 51 गेंदों में 42 रन जड़ते हुए टीम को संभाला। उनकी इस पारी में पांच चौके शामिल थे। मंधाना के अलावा दीप्ति शर्मा ने 34 गेंदों में नाबाद 30 रन की पारी खेली, जबकि हरलीन देओल ने 16 और अरुंधति रेड्डी ने 14 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी टीम की ओर से सोफी एक्लेस्टोन ने

सर्वाधिक तीन शिकार किए। इनके अलावा एम अर्लोट और लिंसे स्मिथ को दो-दो सफलता हाथ लगी, जबकि चार्ली डीन ने एक विकेट अपने नाम किया। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले में भारत ने 29 ओवरों में 8 विकेट गंवाकर 143 रन बनाए। इंग्लैंड को शुरुआत में 29 ओवरों में 144 रन का टारगेट मिला था। मेजबान टीम को एमी जोन्स और टैमी ब्यूमोंट ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच 10.2 ओवरों में 54 रन की साझेदारी हुई। टैमी ब्यूमोंट 35 गेंदों में 34 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद एमी जोन्स ने कप्तान नेट साइवर-ब्रंट के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 रन जोड़ते हुए टीम को जीत की दहलीज पर ला दिया। 19वें ओवर के दौरान एक बार फिर बारिश ने दस्तक दी और इंग्लैंड के टारगेट में बदलाव हुआ। इंग्लैंड को जीत के लिए 24 ओवरों में 115 रन का संशोधित लक्ष्य मिला, जिसे इंग्लैंड ने 21 ओवरों में हासिल कर लिया।एमी जोन्स 57 गेंदों में 46 रन बनाकर नाबाद रहीं, जबकि कप्तान ब्रंट ने टीम के खाते में 21 रन का योगदान दिया। भारत की ओर से क्रांति गौड़ और स्नेह राणा को एक-एक सफलता हाथ लगी। भारत और इंग्लैंड की टीमें तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला 22 जुलाई को चेस्टर ली स्ट्रीट में खेला जाएगा।

मेजर लीग सॉकर

इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क रेड बुल्स को 5-1 से हराया; मेसी ने दो गोल और दो असिस्ट किए

नई दिल्ली, एजेंसी। मेजर लीग सॉकर के खेले गए मैच में लियोनेल मेसी और तेलास्को सेगोविया की शानदार गोल की बदौलत इंटर मियामी ने न्यूयॉर्क रेड बुल्स को 5-1 से हराया। इस मैच में मेसी ने दो गोल और दो असिस्ट किए,जबकि सेगोविया ने भी दो गोल दागे। यूयॉक रेड बॉल्स से जीत के बाद इंटर मियामी के खिलाड़ी खुशी मनाते हुए। न्यूयॉक रेड बॉल्स से जीत के बाद इंटर मियामी के खिलाड़ी खुशी मनाते हुए।

मेसी ने MLS में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया – यह मेसी का पिछले सात मैचों में छठा ऐसा मैच रहा, जिसमें उन्होंने एक से अधिक गोल किए। मेसी ने इस मैच के साथ मेजर लीग सॉकर (स्स्र) के इतिहास में एक और रिकॉर्ड अपने नाम किया। वह दो साल में कम से कम 35 गोल और 25 असिस्ट करने वाले पांचवें खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले यह कारनामा रॉबी कीन (2013-14), सेबेस्टियन जियोविन्को (2015-16), कार्लोस वेला (2018-19) और कुचो हर्नांडेज (2023-24) ने किया था।

पहले हाफ में दोनों टीमों की ओर से हुए गोल

पहले हाफ तक दोनों टीमों की ओर से गोल हुए। मैच के 14वें मिनट में न्यूयॉर्क रेड बुल्स की ओर से अलेक्जेंडर हैक ने गोल कर टीम को 1–0 की बढ़त दिलाई। वहीं, इंटर मियामी ने तीन मिनट के अंदर दो गोल करके बढ़त बना ली। 24वें मिनट में मेसी का शानदार पास जोर्डी एल्बा को मिला, जिससे स्कोर 1–1 से बराबर हुआ। इसके बाद मेसी ने एक और बेहतरीन लॉफ्टेड पास दिया, जिसे सेगोविया ने गोल में बदलकर मियामी को बढ़त दिलाई। सेगोविया ने गोल कर मियामी को 3–1 से बढ़त दिला दी। सेगोविया ने गोल कर मियामी को 3–1 से बढ़त दिला दी।

केएल राहुल 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने के कगार पर, चाहिए मात्र इतने रन

मैनचेस्टर (यूके), एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट नजदीक आ रहा है और सभी की नजरें भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल पर होंगी जिन्होंने अब तक इंग्लैंड में अपने करियर को परिभाषित करने वाली श्रृंखला खेली है और 9,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे करने से सिर्फ 60 रन दूर हैं। इंग्लैंड श्रृंखला में 2-1 से आगे और भारत को सीरीज बराबर करने के लिए चौथा टेस्ट जीतना होगा।

अपने अब तक के अंतरराष्ट्रीय करियर में केएल ने 218 मैचों की 254 पारियों में 39.73 की औसत से 19 शतकों और 58 अर्द्धशतकों के साथ 8,940 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 है। वे सर्वकालिक सूची में भारत के लिए 16वें सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अपनी उत्कृष्ट तकनीक, संयम और विविध शॉट्स के बावजूद टेस्ट क्रिकेट आश्चर्यजनक रूप से उनका सबसे कम असफल प्रारूप रहा है, जिसमें उन्होंने 61 मैचों और 107 पारियों में 35.26 की औसत से 3,632 रन बनाए हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रहा है। उनके प्रदर्शन में निरंतरता की कमी और इसके परिणामस्वरूप बल्लेबाजी औसत में ठहराव की भी जांच की जा रही है, यहां तक कि केएल ने भी स्वीकार किया कि उनके बल्लेबाजी औसत को देखकर उन्हें दुख होता है। वे एकदिवसीय मैचों में कहीं अधिक सफल रहे हैं, जहां उन्होंने 85 मैचों और 79 पारियों में 49.08 की औसत और 88.17 की स्ट्राइक रेट से 3,043 रन बनाए हैं, जिसमें 7 शतक और 18 अर्द्धशतक शामिल हैं।

टी20आई में वह भारत के चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। राहुल ने 72 मैचों और 68 पारियों में 37.75 की औसत और लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से

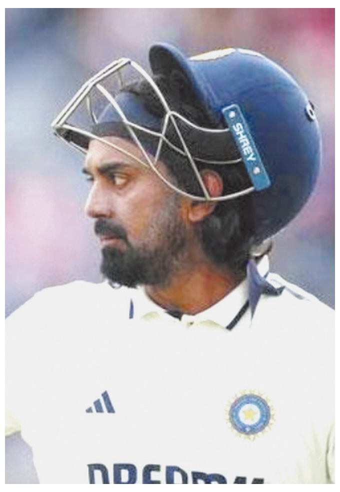

2,265 रन बनाए हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्द्धशतक शामिल हैं। हालांकि, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में एक विनाशकारी टी20 विश्व कप 2022 के बाद से टी20आई नहीं खेला है, क्योंकि भारत में युवा, निडर और कठोर टी20आई विशेषज्ञों की तुलना में उनकी स्कोरिंग दर कई बार पुरानी लगती है। मौजूदा श्रृंखला में केएल ने तीन मैचों और छह पारियों में 62.50 की औसत से 375 रन बनाए हैं, जिसमें 137 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर, दो शतक और एक अर्द्धशतक शामिल है। वह श्रृंखला में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में 12 टेस्ट मैचों की 24 पारियों में उन्होंने 41.20 की औसत से 989 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 149 रन है।

अपने फॉर्म में उतार-चढ़ाव के बावजूद वह एशिया के बाहर भारत के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक हैं, क्योंकि उनके दस में से नौ टेस्ट शतक घर से बाहर आए हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके 7 टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया देशों में आए हैं, जिनमें से एक शतक ऑस्ट्रेलिया में और दो दक्षिण अफ्रीका में हैं।

दो मैच शेष रहते हुए, केएल के पास इस श्रृंखला को सांख्यिकीय रूप से अपना सर्वश्रेष्ठ टेस्ट शतक बनाने का पूरा मौका है। उनकी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट सीरीज 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज रही है जिसमें उन्होंने चार मैचों और सात पारियों में 65.50 की औसत से 393 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम छह अर्धशतक और 90 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। इस दौरे पर अब तक राहुल ने 670 गेंदों का सामना किया है, जो 1990 के बाद से इंग्लैंड में किसी भारतीय सलामी बल्लेबाज द्वारा किसी दौरे पर चौथा सबसे ज्यादा है। दो और मैच बचे हैं, ऐसे में उनके पास 2021 के दौरे के दौरान 735 गेंदों के अपने ही रिकॉर्ड, रोहित शर्मा द्वारा इसी दौरे में सामना की गई 866 गेंदों और 2014 में मुरली विजय के 1,054 गेंदों के सर्वकालिक रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का पूरा मौका है।

उम्र का नंबर साबित कर रहे इमरान ताहिर, 40 साल के होने के बाद खेल गए 200 मैच; गेंदबाजी के आंकड़े भी दमदार

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर इमरान ताहिर भले ही इंटरनेशनल क्रिकेटर से दूर हों, लेकिन वह अब भी क्लब क्रिकेट का हिस्सा हैं। उनका क्रिकेट करियर 30 साल का हो गया है। दाएं हाथ के इस लेग स्पिनर ने उम्र को महज नंबर साबित कर दिया। 46 साल के इस खिलाड़ी की कप्तानी में कैरेबियन प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी गयाना अमेजन वॉरियर्स क ग्लोबल सुपर लीग का खिताब दिलाया।

कप्तान के तौर पर ताहिर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विकेट लेने के बाद जश्न मनाते हुए मैदान में इधर-उधर दौड़ने के लिए मशहूर इस अनुभवी स्पिनर में आज भी इतनी ही ऊर्जा देखने को मिलती है। उन्होंने रंगपुर राइडर्स के खिलाफ फाइनल में न केवल दो विकेट लिए, बल्कि 5 मैचों में 9.28 के औसत से 14 विकेट लिए। 12 रन देकर 4 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लिए और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में दो बार चार-चार विकेट लिए।

40 की उम्र के बाद ताहिर ने 200 टी20 मैच खेले –40 साल की उम्र पार करने के बाद ताहिर ने 200 टी20 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 18.54 के औसत और 6.86 के

इकॉनमी रेट से 266 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/25 है। उन्होंने पांच बार चार विकेट और दो बार पांच विकेट लिए हैं। अपने 40वें जन्मदिन के बाद वह दुनिया भर में टी20 क्रिकेट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। 40 वर्ष की आयु के बाद उनका गेंदबाजी औसत और इकॉनमी रेट टी 20 क्रिकेट में उनके पूरे करियर के आंकड़ों से बेहतर है। उनका औसत 19.69 और इकॉनमी रेट 6.96 है। इस प्रारूप में उनके 547 विकेट में से 200 विकेट 40 वर्ष की आयु के बाद आए हैं।

ताहिर के नॉकआउट चरण के आंकड़े काफी मजबूत – 40 साल की उम्र के बाद ताहिर के नॉकआउट चरण के आंकड़े काफी मजबूत हैं। 26 मैचों में 25.57 के औसत से 28 विकेट लिए हैं। इसमें 3/7 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है। ऐसे में वह मुश्किल मैचों में सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में से एक हैं। 40 साल की उम्र के बाद आठ टी20 टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने 18 के औसत और 6.71 के इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए हैं। इसमें 3/33 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन शामिल है।

ताहिर का कारियर खिताब और व्यक्तिगत उपलब्धियों से भरा रहा – 40 साल के होने के बाद ताहिर का कारियर खिताब और व्यक्तिगत उपलब्धियों से भरा रहा है। 2021 में मुल्तान सुल्तांस के ने पाकिस्तान सुपर लीग का खिताब जीता। ताहिर ने अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 13.07 के औसत से 13 विकेट लिए। गुयाना अमेज़न वारियर्स ने कैरेबियन प्रीमियर लीग 2023 का खिताब जीता। वह अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 15.44 के औसत और 6.22 के इकॉनमी रेट से 18 विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। आईपीएल 2019 में चेन्नई सुपर किंग्स उपविजेता रही थी। ताहिर ने 16.57 के औसत और 6.69 के इकॉनमी रेट से 26 विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

रिज इलाके में पेड़ काटने की थी फेक परमिशन; सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली वन विभाग का बड़ा खुलासा

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली वन विभाग ने सुप्रीम कोर्ट में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। वन विभाग ने शीर्ष अदालत को बताया कि एक आवासीय परियोजना के लिए वसंत कुंज के रिज इलाके में पेड़ों की कटाई के लिए उप वन संरक्षक के नाम का इस्तेमाल कर फेक परमिशन जारी की गई थी। पश्चिमी वन प्रभाग के उप संरक्षक ने इस बारे में एक हलफनामा दायर किया है। पर्यावरण कार्यकर्ता भावरीन कंधारी की याचिका पर यह बात कही गई है। पर्यावरण कार्यकर्ता भावरीन कंधारी की इस याचिका में क्षेत्र में परियोजना के लिए पेड़ों की कटाई और उक्त भूमि को समतल करने को लेकर प्राधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया गया है। इस पर न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ के 21 जुलाई को सुनवाई करने की संभावना है। याचिका में कहा गया है कि रिज इलाके की उक्त जमीन सुप्रीम कोर्ट के नौ मई 1996 के आदेश के तहत संरक्षित है। इस पाबंदी के तहत रिज क्षेत्र में पेड़ों की कटाई से पहले सर्वोच्च अदालत की अनुमति जरूरी है। हलफनामे में कहा गया कि प्रतिवादी के संज्ञान में आया है कि पेड़ों की कटाई के लिए उप वन संरक्षक/वृक्ष अधिकारी (पश्चिमी वन प्रभाग) कार्यालय के नाम पर फर्जी अनुमति जारी की गई थी।वन अधिकारी ने अपने हलफनामे में कहा कि यह फेक परमिशन राकेश कुमार शर्मा को जारी की गई थी। वन अधिकारी का कहना था कि पिछले साल 13 दिसंबर को उनकी ओर से वसंत कुंज पुलिस थाना प्रभारी को पत्र लिखा था। इस पत्र में इस मामले पर प्राथमिकी दर्ज करने को कहा गया था। प्राथमिकी के तहत जांच कर रहे वसंत कुंज थाने के सहायक उपनिरीक्षक ने वन अधिकारी को जवाबी पत्र में लिखा कि कथित फेक परमिशन पढ़ने योग्य नहीं है। सर्वोच्च अदालत को बताया गया कि पुलिस अधिकारी ने अपने पत्र में यह भी कहा कि विवादित स्थान का पता नहीं लगाया जा सका और पूछताछ के दौरान राकेश कुमार शर्मा ने पेड़ों को काटने/नुकसान पहुंचाने के लिए जाली अनुमति प्राप्त करने के आरोप से इनकार किया। सहायक उपनिरीक्षक ने मामले को आगे बढ़ाने के लिए जाली अनुमति की मूल प्रति मांगी है, अन्यथा शिकायत बंद कर दी जाएगी।

दिल्ली के चांदनी चौक में बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी, एमसीडी ने कसी कमर

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के चांदनी चौक में बुलडोजर ऐक्शन की तैयारी है। अनधिकृत निर्माण को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद विभागों ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी की है। दिल्ली पुलिस और नगर निगम की टीमें संयुक्त रूप से अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करेंगी। व्यापारियों के अनुसार, चांदनी चौक में सबसे बड़ी समस्या अतिक्रमण और तारों के फैले जाल की है। बीते चार दशकों के दौरान निगरानी और निरीक्षण के बाद भी यहां अनधिकृत निर्माण पर अंकुश सही समय पर नहीं लगाया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि चांदनी चौक में नियमित रूप से अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि अतिक्रमण और अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर ऐक्शन के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। निगम आयुक्त अश्विनी कुमार के नेतृत्व में इस साल कई बार विभिन्न विभागों की बैठकें हुईं हैं।

दिल्ली मेट्रो में भूल कर भी यह गलती ना करें पुरुष; साल 2024-25 में 2,320 पर लगा जुर्माना

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो में पुरुष यात्रा करने के दौरान महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में सवार ना हों। साल 2024-25 के दौरान दिल्ली मेट्रो में महिलाओं के लिए आरक्षित डिब्बों में अवैध रूप से प्रवेश करने के लिए 2,300 से अधिक पुरुष यात्रियों पर जुर्माना लगाया गया। इन पुरुषों का चालान काटा गया है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डीएमआरसी के अनुसार, दिल्ली मेट्रो रेलवे संचालन एवं रखरखाव अधिनियम के तहत कुल 2,320 चालान जारी किए गए हैं।

शारदा यूनिवर्सिटी सुसाइड केस, ज्योति की डायरी की जांच में खुल सकती हैं नई परतें

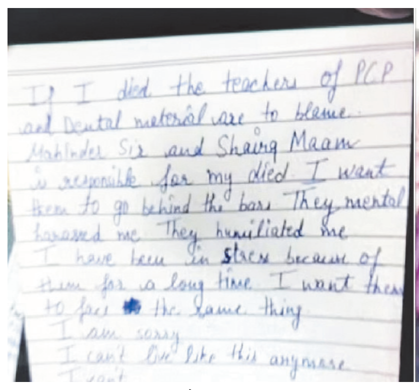

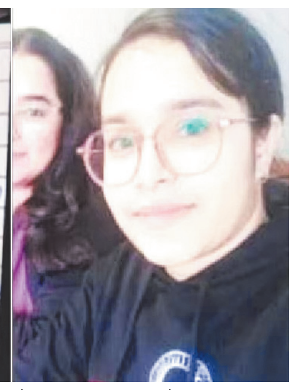

नईदिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी में बीडीएस की छात्रा ज्योति के सुसाइड केस के दौरान पुलिस को उसके हॉस्टल रूम से एक डायरी मिली है। ज्योति के दोस्तों ने बताया कि उसने डायरी में अपनी प्रताड़ना की कहानी लिखी है। पुलिस अब इस डायरी की जांच कर रही है। एक छात्रा ने बताया कि एक प्रोफेसर ने ज्योति को बाल बड़े होने पर उसे डांटा था और उस पर बाल कटवाने का दबाव बनाया था। इसके बाद ज्योति ने अपने बाल कटवा लिए थे। दोस्तों ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर द्वारा उसे ताने मारे जाते थे। ग्रेटर नोएडा की नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने इस मामले में छात्रा को प्रताड़ित करने के आरोप में डीन समेत सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करके दो प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया है। गुरुग्राम निवासी रमेश जांगड़ा ने बताया कि उनकी बेटी ज्योति ने यूनिवर्सिटी फैकल्टी की ओर से उत्पीड़न करने की शिकायत की थी। बेटी के कहने पर वह सोमवार को यूनिवर्सिटी पहुंचे थे। उनकी डीन और एचओडी के साथ बातचीत हुई थी। इन दोनों ने आश्वासन दिया था कि भविष्य में ज्योति के साथ इस तरह की कोई बात नहीं होगी। इसके बावजूद ज्योति को परेशान और प्रताड़ित किया गया। छात्रा ज्योति की खुदकुशी करने की घटना पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसकी गंभीरता से जांच करने की मांग की। सांसद प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि पहले ओडिशा में एक छात्रा को जान देने पर मजबूर किया गया और अब ऐसी ही दुखद घटना ग्रेटर नोएडा में सामने आई है। केंद्र सरकार को इन मामलों का संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं, अखिलेश यादव ने लिखा कि पिछले कुछ सालों में मेडिकल की छात्राओं के साथ दुर्व्यवहार का एक विशेष पैटर्न देखा जा रहा है। इसे गंभीरता से लिया जाए और जांच हो। ज्योति ने सुसाइड नोट में लिखा है, ''अगर मेरी मौत हो जाती है, तो पीसीपी और डेंटल मटेरियल के टीचर जिम्मेदार होंगे। मेरी मौत के लिए महेंद्र सर और सैरी मैम जिम्मेदार हैं। मैं चाहती हूं कि वे सलाखों के पीछे जाएं। उन्होंने मुझे अपमानित किया। मैं उनके कारण लंबे समय से डिप्रेशन में हूं। मैं चाहती हूं कि उन्हें भी इसी तरह का सामना करना पड़े। मैं माफी चाहती हूं। मैं अब इस तरह नहीं जी सकती।'' छात्र-छात्राओं ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर आरोप लगाया है कि घटना के चार घंटे तक किसी को कुछ नहीं बताया गया।

दिल्ली में अगले दो दिन तेज बारिश के आसार नहीं, फिर बढ़ेगी गर्मी, उमस

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में अगले दो दिनों के बीच तेज बारिश के आसार नहीं है। इसके चलते लोगों को गर्मी और उमस का सामना करना पड़ेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले तीन-चार दिनों के बीच दिल्ली में तेज बारिश होने के आसार नहीं हैं। बीच-बीच में बादलों की मौजूदगी तो रहेगी और कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी भी हो सकती है। लेकिन कुल मिलाकर पूरी दिल्ली को भिगोने वाली बारिश के लिए अभी इंतजार करना होगा।

दरअसल, दिल्ली के आसपास अभी हवा के कम दबाव का क्षेत्र नहीं बन रहा है और पश्चिमी विक्षोभ का असर भी नहीं दिख रहा है। किसी बड़ी मौसमी परिघटना के अभाव में छिटपुट बारिश ही हो रही है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि अच्छी बारिश नहीं होने के चलते गर्मी और उमस में इजाफा हो सकता है। रविवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 27 डिग्री तक रह सकता है। दिल्ली के ज्यादातर हिस्से में शनिवार को सुबह से भी दिन तेज धूप निकली रही। पिछले दिनों हुई बारिश के चलते आसमान बेहद साफ है। इसके चलते धूप भी तीखी और तेज लग रही है। वायुमंडल में मौजूद नमी के चलते भी लोगों को ज्यादा उमस का सामना करना पड़ रहा है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में शनिवार का अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जो सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम है, जबकि न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा। जो सामान्य से दो डिग्री कम है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 92 से 61 फीसदी तक रहा। मौसम के कारकों के चलते दिल्ली की हवा लगातार साफ-सुथरी बनी हुई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 54 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। अगले दो दिनों के बीच भी वायु गुणवत्ता का यह स्तर बना रहेगा। इस दौरान हवा की रफ्तार 15 से 20 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलने का अनुमान भी लगाया है। इससे उम्मीद है कि राजधानी के लोग अगले कुछ दिनों तक साफ हवा मिलती रहेगी।

'स्पेशल 26' जैसी कहानी! फर्जी सीबीआई अफसर बन रिश्तेदार के घर मारा छापा, गहने और कैश रुपये लूटे

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बॉलीवुड फिल्म 'स्पेशल 26' की तर्ज पर फर्जी सीबीआई रेड का मामला सामने आया है। फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर आए ठगों ने वजीराबाद इलाके में बिल्डर के घर छापा मारा और फिर परिवार को बंधक बनाकर तीन लाख रुपये और 8 तोले सोने के गहने ठग लिए। पुलिस ने पीड़ित के महिला रिश्तेदार समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी राजा बांठिया ने रविवार को बताया कि पीड़ित इशरत जमील परिवार सहित वजीराबाद इलाके में रहते हैं। इशरत पेशे से बिल्डर हैं और 10 जुलाई की रात को पत्नी एवं दो बेटियों के साथ घर पर थे। इसी दौरान सफेद शर्ट एवं काली पैंट पहने महिला समेत तीन शख्स घर में जबर्दस्ती घुस गए। मुंह ढके तीनों शख्स ने परिवार को बंधक बना लिया। एक ने खुद को सीबीआई अधिकारी सुनील दुबे बताया और कहा कि पीड़ित के घर की जांच का वारंट है। हालांकि, पीड़ित ने वारंट दिखाने को कहा तो उन्होंने उसे अपशब्द बोल कर धमका दिया।

पीड़ित ने बताया कि करीब दो घंटे तक परिवार को बंधक बना कर रखा गया। इस दौरान तीनों ने पूरे घर को खंगाला और अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे तीन लाख रुपये कैश एवं गहने निकाल लिए। आरोपियों ने पीड़ित की बेटी के स्कूल रजिस्टर पर रिसीविंग भी दे दी। बदमाशों के जाने के बाद डरे सहमे पीड़ित बिल्डर ने पुलिस को इसकी सूचना दी।

डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि एसआई सरताज खान की टीम ने जांच शुरू की। करीब दो सौ सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। वारदात में शामिल बदमाश एक फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक पर आए थे। पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज के जरिये बाइक के आने एवं जाने के रास्ते को तलाशा गया। एसआई सरताज ने बाइक का असली रजिस्ट्रेशन नंबर ढूंढ़ निकाला जो करावल नगर निवासी शायना के नाम पर दर्ज था। इसी जानकारी के आधार पर शुक्रवार को मसूरी से शायना एवं केशव प्रसाद को और हरिद्वार से विवेक को गिरफ्तार कर लिया।

मुझे थप्पड़ मारा था; पत्नी ने देवर के साथ मिलकर क्यों की पति की हत्या

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में पत्नी ने चचेरे देवर के साथ मिलकर पति को इलेक्ट्रिक शॉक देकर मौत के घाट उतार दिया। पत्नी सुष्मिता का चचेरे देवर के साथ प्रेम संबंध था। 13 जुलाई को उसके पति करण को माता रूप रानी मग्गो में अस्पताल में जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को सूचना दी गई थी कि इलेक्टिक शॉक लगने से शख्स की मौत हो गई है। शुरुआत में इसे केवल एक हादसा माना जा रहा था लेकिन मृतक के भाई के शक और फिर कुछ अहम सबूतों के आधार पर जांच की दिशा बदल गई।

दरअसल करण के भाई कुणाल को अपनी भाभी सुष्मिता और चचेरे भाई राहुल की इंस्टाग्राम चैट मिली जिससे हत्या की साजिश का खुलासा हुआ। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक सुष्मिता ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

बिगाड़ोगे तुम छोरी को;रेखा गुप्ता के पहली बार चुनाव लड़ने पर क्या था मां का रिएक्शन?

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता का शनिवार को 51वां जन्मदिन था। अपने बर्थ डे को खास बनाने के लिए रेखा गुप्ता अपने पैतृक गांव नंदगढ़ गई थीं। जनता से संवाद के दौरान दिल्ली की सीएम ने अपनी मां से जुड़ा एक मजेदार किस्सा बताया। यह बात तब की है जब रेखा गुप्ता पहली बार कोई चुनाव में लड़ रही थीं। मां रेखा गुप्ता के चुनाव लड़ने के पक्ष में नहीं थीं,लेकिन पिताजी और ताऊ जी थे। तब मां को लगता था कि रेखा गुप्ता बिगड़ जाएंगी और इनसे कोई शादी भी नहीं करेगा।

अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में जनता से मुखातिब होते हुए रेखा गुप्ता ने बताया कि यह बात साल 1994-95 की है,तब मैं दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव लड़ रही थी। सीएम ने कहा कि मेरे चुनाव लड़ने की खबर सुनकर मेरे गांव में हल्ला मच गया। लोग कहने लगे वो देखो उनकी छोरी चुनाव में उठ रही है(वहां के लोगों ने ऐसा कहा)। एक दो ने पूछा भी कि कौन सा चुनाव भई... तो जवाब आया कि कॉलेज के इलेक्शन। रेखा गुप्ता ने बताया कि मेरे चुनाव लड़ने की बात सुन मां सख्त नाराज हो गई,लेकिन मेरे पिताजी और ताऊ जी समर्थन में थे। उन्होंने कहा कि हां लड़ना चाहिए जब पार्टी लड़ा रही है तो।

रेखा गुप्ता ने आगे बताया कि मां नाराज होकर पिताजी से कहती थी कि बिगाड़ोगे तुम छोरी को,जूते घिस जाएंगे, ब्याह कौन करेगा इससे? दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कहा कि मां ऐसे-ऐसे शब्द कहती थी कि क्या बताएं... जो मंच पर बैठे हैं उन्हें नहीं पता कि मां से मैंने कितनी डांट खाई है। दिल्ली की सीएम ने कहा कि इतनी डांट के बाद भी मां रात में खाने को पूछती थी,कपड़ों पर प्रेस भी करती थी। पूरा परिवार जुटता भी था। ऐसे करके पहले विश्वविद्यालय और बाद में नगर निगम के चुनाव और तीन विधानसभा के चुनाव लड़े। रेखा गुप्ता ने नंदगढ़ की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैंने कुल 8 चुनाव लड़े और हर चुनाव में आप सबका प्यार,स्नेह और समर्थन मुझे मिलता रहा। मेरे हर चुनाव में हरियाणा के एक-एक व्यक्ति ने मेरा साथ दिया।

दुनियाभर में फिर बजी खतरे की घंटी! कोरोना के बाद अब इस वायरस का कहर, 2 लाख लोग हो चुके शिकार

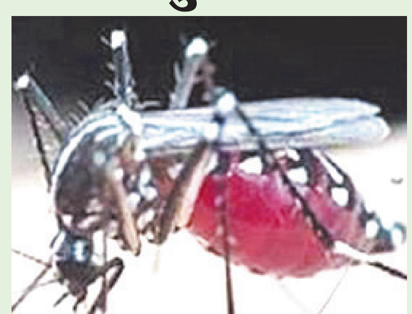

बीजिंग एजेंसी। चीन जहां से कोरोना वायरस फैला था अब एक और नए वायरस के प्रकोप से जूझ रहा है। इस बार मच्छर से फैलने वाले सी एच आई के वी वायरस (चिकनगुनिया) ने चीन के कई जिलों में हजारों लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है जिसके बाद चीन के स्वास्थ्य मंत्रालय को आपातकालीन अभियान जारी करना पड़ा है। इस वायरस के कारण तेज बुखार और जोड़ों में दर्द जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। इस वायरस के तेजी से फैलाव के कारण चीन के कई जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को इस बीमारी को रोकने में मदद करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। चीन के पड़ोसी देश हॉन्गकॉन्ग में भी इस वायरस को लेकर अलर्ट जारी किया गया है जिससे क्षेत्र में चिंता बढ़ गई है। चीन की मीडिया की खबर के मुताबिक दक्षिण चीन के फोशन शहर में चिकनगुनिया बुखार तेज़ी से फैल रहा है। चीन के शुंडे की लोकल हेल्थ बॉडी ने जानकारी दी कि यहां चिकनगुनिया के मामले पाए गए हैं। केवल इसी इलाके में शुक्रवार तक चिकनगुनिया के पुष्टि किए गए मामलों की संख्या 1,161 तक पहुंच चुकी है। अगर चिकनगुनिया बुखार के दुनिया भर के मामलों की बात करें तो साल 2025 में अब तक 2,20,000 से अधिक केस दर्ज हो चुके हैं। ये आंकड़े भी चिकनगुनिया बुखार को लेकर वैश्विक स्तर पर सावधानी बरतने का संकेत दे रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार चिकनगुनिया एक सी एच आई के वीवायरस है जो मच्छर के ज़रिए फैलता है। इसके कारण शरीर के जोड़ों में दर्द और तेज़ बुखार की शिकायत होती है। बुखार और दर्द काफी अधिक होता है और कई बार मरीज की स्थिति गंभीर हो जाती है। बारिश के मौसम में इसके फैलने की संभावना अधिक होती है।

गले में पहन रखी थी चेन, एमआरआई रूम में दाखिल होते ही मशीन में समा गया शख्स, मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। गले में चेन पहनकर मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) रूम में जाना एक शख्स के लिए जानलेवा साबित हुआ। घटना अमेरिका के न्यूयॉर्क की है। यहां पत्नी की मदद करने के लिए एक शख्स अचानक एमआरआई रूम में दाखिल हो गया। टेक्नीशियन ने मशीन चालू की तो वह एमआरआई मशीन में खिंचा चला गया और उसकी मौत हो गई। नसाउ के एक जांच केंद्र में 61 साल के केथ मैकएलिस्टर अपनी पत्नी एड्रीन जोन्स की जांच करवाने पहुंचे थे। उनकी पत्नी चलने-फिरने में असमर्थ थी। वहीं एमआरआई रूम में लोहे, स्टील या धातु से बनी चीजें प्रतिबंधित होती हैं। ऐसे में वह बिना व्हीलचेयर के ही किसी तरह एमआरआई मशीन की ओर बढ़ रही थीं। तभी टेक्नीशियन ने उनके पति को मदद के लिए आवाज लगाई। आनन-फानन में उन्होंने गले से चेन नहीं उतारी और एमआरआई रूम में दाखिल हो गए। मशीन चालू थी और जोरदार मैग्नेटिक फील्ड की वजह से वह मशीन में खिंचे चले गए। ऐड्रीन जोन्स ने बताया कि उनके घुटनों की सर्जरी होनी थी और इसीलिए एमआरआई करवाने के लिए गई थीं। उन्होंने कहा, केथ मेरी मदद करने के लिए मशीन के पास आ गए। तभी मशीन चालू हो गई और वह खिंचे चले गए। मैंने तुरंत मशीन बंद करने को कहा लेकिन जब तक मशीन बंद हुई उनकी हालत खराब हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि केथ ने 20 पाउंड की चेन पहन रखी थी। इसका इस्तेमाल वह वेट ट्रेनिंग में भी किया करते थे। न्यूयॉर्क में यह अपनी तरह की पहली घटना नहीं है। साल 2001 में 6 साल के बच्चे की एमआरआई रूम में ही मौत हो गई थी। रूम में ऑक्सीजन सिलिंडर रखा था। मशीन ऑन होते ही यह सिलिंडर तेजी से मशीन की ओर खिंचने लगा।

एस्ट्रोनॉमर सीईओ का इस्तीफा, एचआर के साथ रोमांस का वीडियो हुआ था वायरल

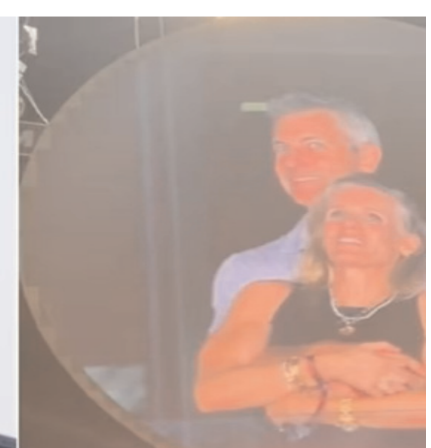

वाशिंगटन, एजेंसी। एस्ट्रोनॉमर कंपनी के सीईओ एंडी बायरन ने इस्तीफा दे दिया है। कोल्डप्ले कॉन्सर्ट के दौरान एचआर हेड क्रिस्टीन के साथ रोमांस का उनका वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर कमेंट्स की बाढ़ आई हुई है। इससे पहले एस्ट्रोनॉमर ने बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि कंपनी अपनी संस्कृति और मूल्यों को लेकर पूरी तरह दृढ़प्रतिज्ञ है। हमारी कंपनी के शीर्ष अधिकारियों से अपेक्षा की जाती है कि वह इनका पालन करेंगे। लेकिन हाल-फिलहाल जो कुछ हुआ है, वह इन सबसे मेल नहीं खाता।

कंपनी के बयान के मुताबिक एंडी बायरन का इस्तीफा कंपनी के बोर्ड ने भी स्वीकार कर लिया है। नए सीईओ की तलाश शुरू हो चुकी है। फिलहाल, चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर पीट जॉय अंतरिम सीईओ के रूप में काम करेंगे। इसके साथ ही कंपनी ने कहा है कि इस हफ्ते से पहले हमारी कंपनी डाटा ऑपरेशन में एक शानदार काम करने वाली कंपनी की पहचान रखती थी। हालांकि बदला कुछ भी नहीं है। हमारा प्रोडक्ट और कस्टमर्स के लिए हमारा काम उसी तरह से चलता रहे। हम जो सर्वश्रेष्ठ कर सकते हैं, वह कर रहे हैं। कबोट को अपनी बांहों में भरते हुए दिखाई दिए। कार्यक्रम को कवर कर रहे कैमरे ने जब बायरन की ओर जूम किया तो वह क्रिस्टीन को पीछे से पकड़ते नजर आए। लेकिन जैसे ही दोनों को कैमरे का अंदाजा हुआ क्रिस्टीन उनका हाथ छुड़ाकर अलग होते नजर आती हैं। बायरन और क्रिस्टीन के इस कृत्य का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने बायरन और क्रिस्टीन की आलोचना की और कहा कि दोनों ही अपने-अपने जीवनसाथी को धोखा दे रहे हैं। बायरन का यह कृत्य जैसे ही कार्यक्रम स्थल पर लगी विशाल स्क्रीन पर प्रसारित हुआ, कोल्डप्ले के प्रमुख गायक क्रिस मार्टिन ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि या तो उनका प्रेम-प्रसंग चल रहा है या फिर वे बहुत शर्मीले हैं।

फ्रेंच मॉडल पर आया बेल्जियम के शख्स का दिल, 800 किमी साइकिल चलाकर पहुंचा फ्यूचर वाइफ के घर

बेल्जियम एजेंसी। बेल्जियम का एक शख्स मशहूर फ्रेंच मॉडल का दीवाना हो गया। उसने शादी करने की ठानी और अपनी होने वाली पत्नी से मिलने 500 मील (800 किलोमीटर से ज्यादा) दूर तक साइकिल चलाकर पहुंचा। मगर, वहां जो दिखा उससे वो दंग रह गया।

इस शख्स का नाम मिशेल है, जिसका दिल फ्रेंच मॉडल सोफी वौजेलाउड पर आ गया था। सोफी से शादी करने के लिए मिशेल बेल्जियम से फ्रांस साइकिल से आया। 500 मील का सफर तय करके जब मिशेल सोफी के दरवाजे पर पहुंचा तो दरवाजा उसकी पंसदीदा मॉडल ने नहीं बल्कि उसके पति ने खोला, जिसे देखकर वो हैरान रह गया।

फॉक्स न्यूज के अनुसार, मिशेल ने दरवाजा खटखटाया तो सोफी के पति फैबियन बुटामाइन ने गेट खोला। पूछने पर मिशेल ने बताया कि मैं सोफी का होने वाला पति हूं, लेकिन आप कौन हैं और सोफी के घर में क्या कर रहे हैं? इस पर फैबियन ने कहा, मैं सोफी का करंट पति हूं।

सोफी और फैबियन ने इस पूरी घटना को कैमरे में भी कैद किया और पूरी कहानी बता डाली। दरअसल मिशेल पिछले काफी समय से सोफी के नाम से बने फेक अकाउंट को फॉलो कर रहा था। वो लगातार उस फेक अकाउंट के संपर्क में था और उसे सोफी समझ रहा था। मिशेल ने बताया-

मेरे साथ धोखा हुआ है। वो मेरी पत्नी नहीं थी। वो एक फेक अकाउंट था। मैंने उसे 35,000 डॉलर (लगभग 30 लाख रुपये) भी दिए। उसने खुद को फ्रेंच मॉडल सोफी बताया और मुझसे शादी का वादा भी किया था। सोफी ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए फ्रेंच भाषा में अपने फैंस को आगाह किया है। उन्होंने लिखा, इस शख्स के लिए मैं बहुत बुरा महसूस कर रही हूं। फेक अकाउंट से सावधान रहें।

000000000000000_page 12 29.05.2025.qxd 20-07-2025 21:38 Page 1

मुख्य सचिव का उपायुक्त ने किया स्वागत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। मुख्य सचिव, झारखंड अलका तिवारी एवं पूर्व मुख्य सचिव, झारखंड डी. के. तिवारी का रविवार को बोकारो जिला बॉर्डर (तेलमच्चों ब्रिज समीप) पर उपायुक्त अजय नाथ झा द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। मुख्य सचिव अपने यात्रा के क्रम में धनबाद से रांची लौट रही थीं।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीएलआर निदेशक मेनका, एसी मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा, एनडीसी प्रभाष दत्ता, प्रोटोकॉल पदाधिकारी पियूष एवं सहायक जन सम्पर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

आज उमड़ेगा भक्तों का जन सैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। सावन दूसरी सोमवार को बाबा नगरी में कांवरियों की रिकॉर्ड भीड़ उमड़ने की संभावना है। अनुमान है कि इस मौके पर तीन लाख से अधिक कांवरिया बाबाधाम पहुंच सकते हैं। कांवरियों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है।

वरीय अधिकारी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को लगातार निर्देश दे रहे हैं। कांवरियों के रूट पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रयास है कि रविवार को अधिक से अधिक कांवरियों को जलार्पण करा लिया जाए ताकि सोमवार को कतार में दबाव को कुछ हद तक कम किया जा सके।

पहली सोमवारी को जो भी कमियां थी उसे दूर करने का पूरा प्रयास किया जा रहा है। सभी पुलिस कर्मियों को ड्यूटी के दौरान पूरी तरह से मुस्तैद रहने को निर्देश दिया गया है। पिछली सोमवार को बहुत सी पुलिस कर्मी बैठे या शिथिल अवस्था में ड्यूटी करते हुए पाए गए थे।

इस बार सभी को पूरी तरह से चौकस रहने को कहा गया है। कतार को तेजी से बढ़ाने के साथ ही ये भी ख्याल रखने को कहा गया है कि कतार में कोई दौड़े नहीं। क्योंकि दौड़ लगाने से हर वक्त हादसे का खतरा बना रहेगा।

कतार व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और जलार्पण को तेज करने के लिए सभी क्यूआरटी को पूरी तरह से मुस्तैद रहने को कहा गया है। जानकारी हो कि पुलिस व प्रशासन की ओर से गठित क्यूआरटी दल रविवार रात से ही सक्रिय रहेगी और ये टीम सोमवार को भीड़ नियंत्रित होते तक कार्यरत रहेगी।

वहीं, मंदिर के अंदर जलार्पण की रफ्तार को बढ़ाने के लिए वहां तैनात पुलिस कर्मियों में कुछ बदलाव किया गया है। वहां अब अनुभवी पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है ताकि जलार्पण की रफ्तार को

अधिक तेज किया जा सके। वहीं, बाह्य अरघा को अधिक प्रयोग में लाने का प्रयास किया जाएगा।

पार्वती मंदिर के बाहर भी बाह्य अरघा लगाया जाएगा ताकि यहां भी भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। पूजा करने के बाद तत्काल कांवरियों को मंदिर प्रागंण से बाहर निकलने पर भी सभी का फोकस रहेगा। क्योंकि मंदिर में कई बार अधिक भीड़ जाम हो जाने का असर व्यवस्था पर पड़ने लगता है।

जो जानकारी मिल रही है उसके मुताबिक पूरा कांवरिया पथ गेरुआ रंग से पट गया है। रविवार सुबह से ही मौसम काफी खुशनुमा बना हुआ है। सुबह के वक्त बारिश के कारण तापमान में काफी कमी आ गई है। मौसम में बदलाव का सीधा असर कांवरियों की कतार पर पड़ी है। कांवरियों की रफ्तार काफी तेज हो गई है। बोल बम का नारा लगाते हुए कांवरियां तेजी से बाबाधाम की ओर बढ़े चले आ रहे हैं।

सावन महोत्सव सह काव्य-पाठ का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। बोकारो की एक सांस्कृतिक स्वयं सेवी संस्था जिओ और जीने दो के बैनर तले संगठन की संयोजिका कनक लता राय के दिशा-निर्देश में सावन महोत्सव सह काव्य-पाठ का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें 30 से अधिक महिलाओं और लड़कियों ने हिस्सा लिया। दीप-प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। काव्य-पाठ की अध्यक्षता अनिता किरण ने,मंच संचालन कनक लता राय ने किया।

काव्य-पाठ प्रतियोगिता में प्रथम डॉ सोनल सिंह, द्वितीय ऊषा देवघरिया एवं तृतीय स्थान पर सविता देव रहीं। सावन महोत्सव में चार और प्रतियोगिताएं कराई गईं।एकल नृत्य प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः मिली मणि,कस्तूरी सिंन्हा और सत्या सिंह ने प्राप्त किया।एकल गीत

एकल गीत प्रतियोगिता का आयोजन

प्रतियोगिता में क्रमशः ज्योति बिस्ट, अमिता मिश्रा एवं शोभा सिंह ने स्थान प्राप्त किया।सावन क्वीन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जया झा द्वितीय प्रियंका सिंह ने प्राप्त किया।बेस्ट कॉस्ट्यूम का सुनीता वर्मा को दिया गया।कई तरह की खेल प्रतियोगिताएँ भी हुईं जिसमें माया अग्रवाल, राबिया शेख और कनक लता राय विजयी रहीं। सांस्कृतिक कार्यक्रम में जज के रुप में सुभद्रा मिश्रा, इंदू अग्रवाल, कनक लता राय,अमिता मिश्रा थीं। पुरस्कार वितरण डॉक्टर सोनल सिंह,सुभद्रा मिश्रा और कनक लता राय ने किया।

सुभद्रा मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम पूरे जोश और आनन्द के साथ सफल रहा।

कारगिल विजय दिवस के मौके पर रक्तदान शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। आज कारगिल विजय के 26 वें वर्षगाठ के उपलक्ष्य पर कारगिल विजय माह के अन्तर्गत सदर अस्पताल बोकारो में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।

उद्घाटन डॉ ऐन पी सिंह सदर अस्पताल सुप्रीटेडेंट के कर कमलों द्वारा किया गया ।

रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बोकारो महानगर संघचालक रंजीत बर्नवाल ने स्वयं रक्तदान करते हुए समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने की अपील की और पूर्व सैनिक सेवा परिषद बोकारो के निरन्तर 13 वर्षों से लगातार कारगिल माह में आयोजित अलग अलग कार्यक्रमों की सराहना की ।

रक्तदाताओं में मुख्य रूप से अमित कुमार, अभिषेक कुमार, शत्रुघ्न सिंह, संजीव कुमार, सरयू शर्मा, नीरज कुमार तिवारी, रंजय कुमार सिंह, राकेश मिश्रा, अमरनाथ लाल दाश, अभय कुमार राय सहित अन्य लोगों ने भी रक्तदान किया । वेटेरन राकेश मिश्रा ने सदर अस्पताल के ब्लड बैंक के प्रभारी डॉ मैथिली ठाकुर, धनंजय कुमार व पूरे टीम को धन्यवाद दिया । कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से दिनेश्वर सिंह, श्रीकृष्ण सिंह, विनय कुमार, राजीव रंजन सिन्हा, प्रशांत डिवेडी, अशोक कुमार वर्मा, शशि भूषण मिश्रा, गिरी जी सहित अन्य लोगों का सहयोग रहा ।

राहगीर को कुचलकर चालक फरार

लातेहार। एनएच 39 स्थित थाना क्षेत्र के सिसकरिया मोड़ के समीप एक राहगीर को कुचलकर वाहन चालक फरार हो गया। इस दुर्घटना में मृत व्यक्ति का शरीर बुरी तरह पिस गया। कयास लगाया जा रहा है

मंडल कारा में जेल अदालत सह विधि जागरूकता शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो अनिल कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में आज मंडलकारा चास में एक जेल अदालत सह विधिक जागरूकता शिविर एवं स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया । चास जेल में आयोजित इस जेल अदालत में जिसके सदस्य मनोरंजन कुमार बोकारो एवं डिप्टी चीफ पम्मी कुमारी थे। साथ ही मंडल कारा चास में स्वास्थ्य जांच चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें जेल में कुल 58 कैदियों की स्वास्थ्य जांच किया गया एवं मेडिसिन उपलब्ध कराया गया, जिसमें 54 पुरुष एवं 04 महिला थे।

साथ ही मंडल कारा चास में एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें जेलर निखिल कांत एवं अन्य वक्ताओं द्वारा चास जेल के कैदियों को कानूनी जानकारी दी गई। कैदियों को डालसा अंतर्गत दी जाने वाली विभिन्न विधिक सहायता और कैदियों के प्राप्त अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर उन्हें जागरूक किया।

कैंसर जागरूकता के लिए वॉकथॉन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने और समय पर जांच व इलाज के महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल, रांची द्वारा रविवार को धनबाद में कैंसर अवेयरनेस वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस सामाजिक पहल में लायंस क्लब ऑफ धनबाद कोल कैपिटल ने सहयोगी भूमिका निभाई। वॉकथॉन की शुरूआत धनबाद के गोल्फ ग्राउंड से हुई, जिसमें शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वास्थ्यकर्मियों, स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। प्रतिभागियों को जागरूकता रिबन, कैप और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर आयोजकों ने बताया कि वॉकथॉन का मुख्य उद्देश्य कैंसर को लेकर समाज में फैले भ्रम और भय को दूर करना, समय पर जांच के लिए प्रेरित करना और यह संदेश देना है कि कैंसर का इलाज संभव है, यदि समय रहते कदम उठाए जाएं। वही कार्यक्रम में एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर इरशाद खान ने शहरवासियों का आभार प्रकट करते हुए कहा हर कदम एक नई उम्मीद लेकर आता है। हम सबकी भागीदारी कैंसर के खिलाफ इस सामाजिक आंदोलन को और भी मजबूत बनाएगी। एचसीजी अब्दुर रज्जाक अंसारी कैंसर अस्पताल पूर्वी भारत में कैंसर इलाज के क्षेत्र में एक अग्रणी संस्थान है, जो तकनीकों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के माध्यम से सेवाएं प्रदान करता है। अस्पताल समय-समय पर सामाजिक जागरूकता अभियानों का भी संचालन करता है चौथा इंस्टॉलेशन सेरेमनी में अध्यक्ष मुकेश बर्मन, सचिव संदीप कौशल, और कोषाध्यक्ष प्रज्वल भट्टाचार्य ने 2025-26 के लिए कार्यभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लायन प्रज्वल भट्टाचार्य, लायन मुकेश बर्मन, राजेश गुप्ता,एभीएम, सोमनाथ पृथ्वी, लायन अजीत राज, लायन मुकेश गुप्ता, लायन संदीप मुखर्जी एवं लायंस क्लब कोल कैपिटल के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम काला हीरा में बच्चों ने बांधा समां

प्रस्तुति देने के लिए पहुंची विभिन्न राज्यों की 13 टीमें

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। सामुदायिक भवन सीसीडब्लूओ में आयोजित 9 वां ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा, डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल 'काला हीरा' के तीसरा दिन रविवार के कार्यक्रम का शुभारंभ ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के प्रवक्ता रंगकर नाट्य निर्देशक प्रदीप बाजपेई काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद समेत अन्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। राजेंद्र प्रसाद एवं उनकी पत्नी पूनम प्रसाद ने झारखंड बंगाल, उड़ीसा, एमपी, यूपी उड़ीसा से नाट्य नृत्य एवं संगीत की प्रस्तुति देने आए अतिथियों को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित कर स्वागत किया। आज के कार्यक्रम की शुरूआत ड्राइंग में प्रतिस्पर्धा से की गई जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक चित्रकारी प्रस्तुत की जिसके मुख्य निर्णायक ऑल इंडिया थिएटर काउंसिल के कार्यकारिणी सदस्य अष्टभुजा मिश्रा थे। निर्णायक टीम ने भागलपुर के ऋषि राज को उनके शानदार चित्रकारी के लिए प्रथम पुरस्कार विजेता घोषित किया। तत्पश्चात आज चार राज्यों वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, आजमगढ़ एवं झारखंड के स्थानीय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक डांस,इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक, ड्राइंग सिंगिंग प्रतिस्पर्धा में 120 प्रतिभागियों ने बहुत आकर्षक एवं सुंदर प्रस्तुतियां पेश कर दर्शकों द्वारा प्रशंसा एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। आज नृत्य में नृत्यानंजलि के विद्यार्थियों ने श्रृंजीनी पाल, अनन्या पाल, सानया दास धनबाद के नुनूडीह के बार्बी डांस एकेडमी के बच्चों ने सिमरन छाबड़ा के नेतृत्व में बहुत मनमोहक और आकर्षक प्रस्तुति दी। काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा आज फिर कलाकारों ने आज फिर भारत की पहचान कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, ओडीसी नृत्य प्रतिस्पधाओं में शानदार परफॉर्मेंस देकर काला हीरा में एक सुंदर यादगार छाप छोड़ी है। नृत्य प्रतिस्पर्धा के निर्णायक आगरा की सांस्कृतिक आर्टिस्ट अलका शर्मा सिवान के सिने आर्टिस्ट विजय विश्वकर्मा थे। सोमवार से शुरू होने वाले नाट्य प्रस्तुतियों में 13 टीमें आ चुकी है। जिसमें जयपुर उड़ीसा के आह्वान थिएटर, मध्य प्रदेश ग्वालियर के आईटीएम परफॉर्मिंग आर्ट्स क्लब, उत्तर प्रदेश के यूथ थिएटर ग्रुप, जमशेदपुर की डेट टीम, आईना नाट्य टीम गिरिडीह, रंग नाट्य टीम गिरिडीह, कला संगम गिरिडीह, कलाकृति नाट्य टीम जमशेदपुर, निहार नाट्य टीम राउरकेला ओड़िशा समेत अन्य टीम है ।काला हीरा के तीसरे दिन के सफल कार्यक्रम में सरसी चंद्रा सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय वाइस प्रेसिडेंट मिताली मुखर्जी, देवनारायण, उत्तम विश्वकर्मा,सतीश कुमार, रविकांत उर्फ आर्या कुमार शिवानी,वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,सरसी चंद्रा,संजय चंद्रा, यूसी मिश्रा चंद्रिका राम का सक्रिय योगदान था।

पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे सीओ व थाना प्रभारी

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के जगदीशपुर गांव में वज्रपात की घटना में प्रभावित परिवारों से मिलने सीओ संजय कुमार यादव एवं थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर हाल-चाल जाना तथा उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की ओर से आपदा प्रबंधन के तहत पीड़ितों को राहत पहुंचाने की प्रक्रिया जल्द पूरी की जाएगी। मौके पर अंचल अधिकारी ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिलाने संबंधी प्रक्रिया की जानकारी दी।इस दौरान सीओ एवं थाना प्रभारी ने गांव के अन्य ग्रामीणों को भी वज्रपात के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि बारिश और आकाशीय बिजली के समय पेड़ों के नीचे खड़े न हों, मोबाइल या बिजली से चलने वाले उपकरणों का प्रयोग न करें और सुरक्षित स्थान पर शरण लें। ग्रामीणों को भारत मौसम विभाग की जानकारी भी दी गई, जिससे वे वज्रपात की संभावित जानकारी पहले से प्राप्त कर सकते हैं।

इंडियन बैंक इम्प्लाइज यूनियन बैठक में श्रम कानूनों पर चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। इंडियन बैंक इम्प्लाइज यूनियन झारखण्ड की जनरल बॉडी मीटिंग आज धनबाद में हुई। आम सभा में प्रांतिय अध्यक्ष वाइपी सिंह, महासचिव शशिकांत भारती, कोषाध्यक्ष अजय कुमार डे मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए.इस आम सभा में चार श्रम कानूनों पर चर्चा हुई। इस चर्चा में, यूनियन ने इन कानूनों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया, और उनके संभावित प्रभावों पर बात की। वाइपी सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियाँ मजदूर विरोधी किसान विरोधी है।44 श्रम संहिता को चार श्रमिक कोड में बदल दिया गया। इन कानूनों से मजदूरों के अधिकारों का हनन होगा। उन्होंने बताया 1969 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ था।14 प्राइवेट बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ था। उस समय देश में 8 हजार ब्रांच थे जोकि आज बढ़कर 90 हजार हो चुके हैं।उस वक़्त एक भी ग्रामीण सेक्टर में बैंक के ब्रांच नहीं थे आज 35 हजार से ज्यादा ब्रांच हैं।

टीम ने भोजूडीह ओपी क्षेत्र का किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा परिषद की टीम ने भोजूडीह ओपी का दौरा कर क्षेत्र में व्याप्त समस्याओं को लेकर ओपी प्रभारी कुंदर कुमार से महत्वपूर्ण बातचीत की। इस दौरान टीम के सदस्यों ने अपना परिचय देते हुए बताया कि भोजूडीह और आसपास के क्षेत्रों में बाल विवाह, झूठे एससी/एसटी मामलों का बढ़ता दुरुपयोग, पेयजल संकट, शिक्षा की बदहाली और बेरोजगारी के कारण हो रहे पलायन जैसी समस्याएं गंभीर रूप से समाज को प्रभावित कर रही हैं। टीम ने यह स्पष्ट किया कि इन समस्याओं का समाधान सिर्फ पुलिस प्रशासन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता, इसके लिए समाजिक चेतना और उच्चस्तरीय प्रशासनिक हस्तक्षेप दोनों आवश्यक हैं।

परिषद के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मण महथा ने मौके पर कहा कि मानवाधिकार केवल संविधान में लिखे शब्द नहीं हैं, बल्कि यह हर नागरिक की गरिमा, सुरक्षा और न्याय का मूलधार हैं। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं को लेकर जल्द ही जिले के वरीय पदाधिकारियों से विस्तृत बातचीत की जाएगी, ताकि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी न्याय और सुविधा मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि परिषद लगातार समाज में जागरूकता फैलाने और पीड़ितों की आवाज प्रशासन तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। स्थानीय लोगों ने परिषद की इस पहल का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि अब उनकी वर्षों पुरानी समस्याएं केवल कागजों में सिमटकर नहीं रह जाएंगी, बल्कि जमीन पर समाधान की ओर बढ़ेंगी।

विद्यालय भवन क्षति की शिकायत पर उपायुक्त ने लिया संज्ञान

जताई कड़ी नाराजगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। गोमिया प्रखंड अंतर्गत राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय खखण्डा का भवन क्षतिग्रस्त होने और उसकी नींव बह जाने का मामला रविवार को मीडिया में आने के उपरांत उपायुक्त अजय नाथ झा ने संज्ञान लिया है।

उपायुक्त ने मामले पर गंभीरता दिखाते हुए एसडीओ बेरमो को सोमवार को विद्यालय स्थल का निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया है।

उपायुक्त ने विद्यालय भवन की स्थिति को देखते हुए सुरक्षा कारणों से छात्र - छात्राओं के विद्यालय में प्रवेश पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। साथ ही, उन्होंने विद्यालय संचालन के लिए नजदीकी सुरक्षित भवन की व्यवस्था अविलंब सुनिश्चित करने को कहा है।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग से मामले में पूछा है कि किन परिस्थितियों में यह स्थिति उत्पन्न हुई और समय रहते विभाग द्वारा आवश्यक मरम्मत अथवा कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने इस मामले में विद्यालय प्रधानाध्यापक, शिक्षक, बीआरपी - सीआरपी, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी व अन्य जिम्मेदार अधिकारियों/कर्मियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई है।

उपायुक्त ने कहा है कि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता और सुरक्षा से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

आदिवासी टोला में तीन महीने से बिजली ठप

चौपारण। बरही विधायक ने अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान आदिवासी बहुल कठम्बा, आदिवासी टोला पहुँचे। ग्रामीणों ने विधायक को बताया कि पिछले तीन महीने से उनका ट्रांसफार्मर खराब पड़ा है, जिससे पूरे टोले में बिजली आपूर्ति बाधित है। समस्या सुनते ही विधायक ने त्वरित संज्ञान लेते हुए तत्काल अधीक्षण अभियंता से संपर्क साधा और उन्हें 24 घंटे के भीतर नया ट्रांसफार्मर लगवाने का निर्देश दिया। विधायक ने आश्वासन दिया कि जल्द ही उनके घरों में बिजली बहाल हो जाएगी। विधायक ने ग्रामीणों से उनकी अन्य समस्याओं के बारे में भी पूछा। ग्रामीणों ने सड़क और पानी की किल्लत से अवगत कराया। विधायक ने आश्वासन दिया कि बिजली के साथ-साथ सड़क और पानी की समस्या का भी जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। विधायक की कार्रवाई से ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। मौके पर पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, पूर्व मुखिया नरेश पासवान, उपमुखिया प्रतिनिधि संजय यादव, भाजपा नेता सुनील सिंह, कपिलदेव यादव, शिक्षक शिवकुमार यादव, रोहन भुइयाँ सहित अन्य मौजूद थे।

मुख्य सचिव ने मुनीडीह प्रोजेक्ट का किया भ्रमण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड की मुख्य सचिव अलका तिवारी ने रविवार को बीसीसीएल के पश्चिमी झरिया क्षेत्र के मुनिडीह प्रोजेक्ट अंतर्गत मुनिडीह कोलियरी में अंडरग्राउंड माइनिंग का भ्रमण किया।

इस दौरान उन्होंने बीसीसीएल के पदाधिकारियों से सुरक्षा से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इसके बाद अंडरग्राउंड माइन्स में कोयला खनन की प्रक्रिया देखी। उन्होंने बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक से उत्पादन व डिस्पैच की जानकारी ली। कोयले की गुणवत्ता की भी जानकारी ली। वहीं मुनिडीह पहुंचने पर बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने मुख्य सचिव का स्वागत किया। मुख्य सचिव अलका तिवारी के साथ पूर्व मुख्य सचिव डी.के. तिवारी, उपायुक्त आदित्य रंजन, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक समीरन दत्ता, निदेशक (तकनीकी ऑपरेशन) संजय कुमार सिंह, निदेशक (तकनीकी, प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग) मनोज कुमार अग्रवाल, निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया, पुटकी के अंचल अधिकारी विकास आनंद सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी.कॉर्प.लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक: मनोज विशाल फोन नंबर: 9431145865, 8210783623, आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या: JHAHIN/2017/72655, Email : bokaronbt@gmail.com